MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 13 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-43

जान की क़ीमत 262 करोड़!

अमेरिकी पुलिस देगी जाह्नवी परिवार को सबसे बड़ा हर्जाना

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)

आंध्र प्रदेश की छात्रा जाह्नवी कंडुला की अमेरिकी पुलिस की गाड़ी से कुचलकर हुई मौत के तीन साल बाद, सिएटल सिटी अटार्नी कार्यालय और पीड़ित परिवार के बीच एक बड़ा समझौता हुआ है। सिएटल प्रशासन जाह्नवी के परिवार को 262 करोड़ (29 मिलियन डॉलर) का हर्जाना देने पर सहमत हो गया है। इसे अमेरिका में इस तरह के मामलों में दिए जाने वाले सबसे बड़े मुआवजों में से एक माना जा रहा है।

घटना का विवरण

23 जनवरी, 2023 की शाम, नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रही 23 वर्षीय जाह्नवी कंडुला सिएटल के साउथ लेक यूनियन इलाके में पैदल सड़क पार कर रही थीं। इसी दौरान पुलिस अधिकारी केविन डेव की तेज रफ्तार गाड़ी ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी मृत्यु हो गई।

लिमिटेड वैल्यू : वह टिप्पणी जिसने दुनिया को झकझोर दिया

इस दुखद दुर्घटना ने तब अंतरराष्ट्रीय विवाद का रूप ले लिया जब जांच के लिए पहुंचे एक अन्य पुलिस अधिकारी डैनियल ऑडरर का बॉडीकैम वीडियो सामने आया। वीडियो में ऑडरर जाह्नवी की मौत का मजाक उड़ाते हुए हँसते हुए सुनाई दिया। उसने कहा था कि बस एक चेक लिखो... 11,000

डॉलर। वैसे भी वह 26 साल की थी।उसकी वैल्यू (कीमत) लिमिटेड थी। इस असंवेदनशील टिप्पणी पर भारत और अमेरिका में बसे भारतीय समुदाय ने भारी विरोध जताया। भारतीय राजनयिकों ने भी इस पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई थी। परिवार ने अपने मुकदमे में सांकेतिक रूप से उन 11,000 डॉलर की अतिरिक्त मांग भी जोड़ी थी, जिसे ऑडरर ने मजाक में कहा था, ताकि जाह्नवी के सम्मान और जीवन के मूल्य को साबित किया जा सके।

आरोपी ऑफिसर का विवादित इतिहास

मुकदमे के दौरान यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि आरोपी अधिकारी केविन डेव का रिकॉर्ड पहले से ही खराब था:

पिछली बर्खास्तगी: डेव को 2013 में टक्सन पुलिस (एरिजोना) ने कई जांचों और एक बचाई जा सकने वाली टक्कर के बाद निकाल दिया था।

अक्षम ड्राइवर: जिस समय उसने जाह्नवी को टक्कर मारी, उसके पास वाशिंगटन का वैध ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं था।

अत्यधिक रफ्तार: हादसे के वक्त डेव 119 किमी/घंटा की रफ्तार से गाड़ी चला रहा था, जबकि उस क्षेत्र में गति सीमा केवल 40 किमी/घंटा थी।

सुधार और न्याय की दिशा में कदम

अधिकारियों पर कार्रवाई: अपमानजनक टिप्पणी करने वाले डैनियल ऑडरर को जुलाई 2024 में बर्खास्त कर दिया गया था। वहीं, गाड़ी चलाने वाले केविन डेव को जनवरी 2025 में सेवा से हटा दिया गया।

नीतिगत बदलाव: इस त्रासदी के दबाव में सिएटल पुलिस ने नवंबर 2024 में 'इमरजेंसी ड्राइविंग' की नई पॉलिसी लागू की है, जो अधिकारियों को सुरक्षा के प्रति अधिक जवाबदेह बनाती है।

मुआवजे का स्रोत: 262 करोड़ के कुल हर्जाने में से लगभग 170 करोड़ बीमा कंपनी द्वारा दिए जाएंगे, जबकि शेष राशि सिएटल शहर अपने फंड से चुकाएगा।

जाह्नवी के माता-पिता, विजया लक्ष्मी और श्रीकांत कंडुला ने शुरुआत में 933 करोड़ का दावा पेश किया था, लेकिन अब वे आउट-ऑफ-कोर्ट सेटलमेंट (अदालत के बाहर समझौता) के लिए सहमत हो गए हैं। सिएटल सिटी अटार्नी एरिका इवांस ने कहा, जाह्नवी का जीवन मायने रखता था। हमें उम्मीद है कि इस समझौते से परिवार को कुछ शांति मिलेगी।

3.60 लाख करोड़ के 114 राफेल और

नयी दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की अगले सप्ताह की भारत यात्रा से पहले सरकार ने वायु सेना के लिए फ्रांस से अतिरिक्त बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान राफेल की दो दशक से भी अधिक समय से लटकी पड़ी खरीद के प्रस्ताव को गुरुवार को हरी झंडी दिखा दी।रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में यहां हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में 3. 60 लाख करोड़ रुपये की लागत से राफेल लड़ाकू विमानों के साथ-साथ नौसेना के लिए आठ पी- 8 आई टोही विमानों , मिसाइलों तथा स्यूडो सेटेलाइट की खरीद को भी मंजूरी दी गयी।

इन प्रस्तावों को आवश्यकता के आधार पर खरीद की मंजूरी दी गयी है। इन खरीद सौदों के पूरा होने से सशस्त्र बलों की युद्धक तैयारी तथा मारक क्षमता कई गुना बढ जायेगी।

उल्लेखनीय है कि रक्षा खरीद बोर्ड ने पिछले महीने ही करीब सवा तीन लाख करोड़ रुपये की लागत से फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान की खरीद को मंजूरी दी थी। अभी वायु सेना के पास 36 राफेल लड़ाकू विमान हैं।

मंत्रालय ने बताया कि परिषद की बैठक में सेना के लिए टैंक रोधी सुरंगों (वैभव) और टी -72 टैंकों तथा इंफेन्ट्री के लिए युद्धक वाहनों की खरीद को भी मंजूरी दी गयी है।

राजनाथ रखेंगे गांधी सरोवर की नींव

नयी दिल्ली/हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और उन्हें फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने वाले गांधी सरोवर परियोजना के आधारशिला समारोह के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री के साथ आगामी गांधी सरोवर परियोजना पर चर्चा की, जिसे राज्य सरकार की प्रतिष्ठित मूसी नदी पुनरुद्धार पहल के हिस्से के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने विस्तार से बताया कि यह कार्यक्रम ईसा और मूसी नदियों के पवित्र संगम पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि फरवरी 1948 में महात्मा गांधी की अस्थियां इसी ऐतिहासिक संगम पर विसर्जित की गई थीं, जिससे यह स्थल अत्यंत राष्ट्रीय ▶10पर

कर्ज़ का मर्ज़

भूगोल के हिसाब से बंटेगा 5000 करोड़

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) को तीन नागरिक निकायों - जीएचएमसी, साइबराबाद और मलकाजगिरी में विभाजित किए जाने के साथ ही एक अहम सवाल खड़ा हो गया है कि आखिर 5,000 करोड़ रुपये के बकाया कर्ज का बोझ कौन उठाएगा?

मौजूदा जीएचएमसी की लगभग 5,000 करोड़ रुपये की देनदारियों में कर्ज का वह ब्याज शामिल है, जो मुख्य रूप से रणनीतिक सड़क विकास कार्यक्रम (एसआरडीपी), व्यापक सड़क रखरखाव कार्यक्रम (सीआरएमपी), स्टॉर्म वॉटर ड्रेन (नालों) की परियोजनाओं और अन्य शहरी कार्यों जैसे प्रमुख बुनियादी ढांचों के कारण हुआ है।

नगर प्रशासन के सूत्रों का संकेत है कि राज्य सरकार परियोजनाओं के भूगोल और ऋण के उपयोग के आधार पर तीनों निगमों के बीच संपत्ति और देनदारियों को विभाजित कर सकती है।

▶10पर

सबसे अमीर 'साइबराबाद'

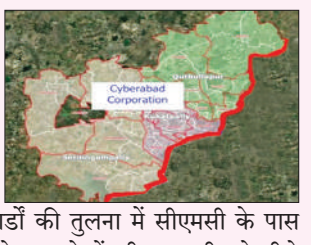

शेरिलिंगमपल्ली, कुकटपल्ली और कुतबुल्लापुर जैसे राजस्व-समृद्ध क्षेत्रों के शामिल होने के साथ, नवगठित साइबराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (सीएमसी) तेलंगाना के सबसे धनी नागरिक निकाय के रूप में उभरने के लिए तैयार है। प्राप्त आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के 150 वार्डों की तुलना में सीएमसी के पास केवल 76 वार्ड होंगे, फिर भी यह टैक्स संग्रह के मामले में जीएचएमसी को पीछे छोड़ देगा।

कम वार्ड, फिर भी कमाई में सबसे आगे

वित्तीय वर्ष 2025-26 के अब तक के आंकड़ों के अनुसार, जीएचएमसी के हिस्से में आने वाले 150 वार्डों ने लगभग 750 करोड़ रुपये का संपत्ति कर जमा किया है। इसके विपरीत, साइबराबाद के केवल 76 वार्डों का संग्रह 820 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह मलकाजगिरी नगर निगम (एमएमसी) के 74 वार्डों के संग्रह से लगभग दोगुना है। अधिकारियों को उम्मीद है कि 31 मार्च तक साइबराबाद का कुल संपत्ति कर राजस्व 1,200 करोड़ रुपये को छू जाएगा।

शहर के शीर्ष दो सबसे अधिक संपत्ति कर संग्रह करने वाले सर्कल - माधापुर और सेरिलिंगमपल्ली - दोनों साइबराबाद का हिस्सा हैं। इन दो सर्कलों ने मिलकर 292 करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न किया, जो पूरे ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र के सभी 60 सर्कलों से एकत्र कुल 1,995 करोड़ रुपये का लगभग 15% है। सीएमसी की नवनियुक्त कमिश्नर जी. सृजना ने बताया कि विकास कार्यों के लिए राजस्व अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, हमारा ध्यान बिना मूल्यांकन वाली और कम मूल्यांकित संपत्तियों की पहचान करने पर होगा। हम स्वच्छता को मजबूत करेंगे, बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करेंगे और पार्कों, फुटपाथों और स्ट्रीट लाइटिंग के सुधार पर ध्यान केंद्रित करेंगे। ▶10पर

मियां-बीवी राज़ी, ससुराल नहीं

मानवाधिकार आयोग ने दिए विस्तृत जांच के आदेश

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना मानवाधिकार आयोग (टीजीएचआरसी) ने एक महिला की सहमति के बिना उसका गर्भपात कराने के कथित प्रयासों पर कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने कहा है कि इस मामले में गहन जांच की आवश्यकता है और नागरकर्नूल जिला पुलिस अधीक्षक से 26 फरवरी तक विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

मामले की पृष्ठभूमि

शिकायतकर्ता महेश, जो जीडिमेटला के शिवारेड्डी कॉलोनी का निवासी है, ने बताया कि उसने भाग्या नाम की युवती से 30 जनवरी, 2026 को यादगिरीगुट्टा मंदिर में प्रेम विवाह किया था। महेश के अनुसार, उसकी पत्नी चार महीने की गर्भवती है। उसने आरोप लगाया कि उसके ससुर और साढ़ू, जो इस शादी के खिलाफ हैं, नागरकर्नूल जिले के कलवाकुर्ती कस्बे के पास एक अस्पताल में जबरन उसकी पत्नी का गर्भपात कराने की कोशिश कर रहे हैं।शिकायतकर्ता ने आयोग को बताया कि जब उन लोगों ने जबरन गर्भपात का प्रयास किया, तो उसकी पत्नी ने अपनी जान देने की भी कोशिश की। महेश का आरोप है कि उसने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई।

आयोग ने शिकायतकर्ता की दलीलों को बेहद गंभीर माना है। शिकायतकर्ता ने आयोग से मांग की है कि उसकी पत्नी को आयोग के समक्ष पेश किया जाए और लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

कानून में सहमति के बिना गर्भपात एक गंभीर अपराध

मानवाधिकार आयोग ने स्पष्ट किया कि महिला की इच्छा और सहमति के विरुद्ध गर्भपात करना कानूनन पूरी तरह प्रतिबंधित है। आयोग ने कहा, भारतीय न्याय संहिता के तहत, जो कोई भी महिला की स्वतंत्र और स्वैच्छिक सहमति के बिना गर्भपात कराने का प्रयास करता है या गर्भपात करता है, वह गंभीर दंडात्मक परिणामों ▶10पर

साधू के वेश में जैन मंदिरों को लूटने वाला गिरफ्तार

ये कौन मूर्ति चोर है?

चेन्नई/हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक साल की लंबी तलाश और 200 से अधिक सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के बाद, चेन्नई पुलिस ने पुणे के एक 60 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी साधु का वेश धारण कर तमिलनाडु, तेलंगाना और कर्नाटक के कई जैन मंदिरों में चोरी की वारदातों को अंजाम देता था।पुलिस ने बताया कि आरोपी जीवन सिंह को इंस्पेक्टर अलगम्मल के नेतृत्व वाली एक विशेष टीम ने पुणे से गिरफ्तार किया। ट्रांजिट वारंट प्राप्त करने के बाद, उसे बुधवार को ट्रेन से चेन्नई लाया गया और पुझल सेंट्रल जेल भेज दिया गया।यह मामला फरवरी 2025 में तब सामने आया जब चेन्नई के साउकारपेट स्थित मिंट स्ट्रीट के एक जैन मंदिर से 600 ग्राम सोने

की ईंट और 10 किलो चांदी का मुकुट चोरी हो गया। एलिफेंट गेट पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली तो पाया कि एक व्यक्ति चेहरा ढंककर टॉर्च की मदद से चोरी कर रहा है।

जांच के दौरान पुलिस ने 100 से अधिक कैमरों की मदद से उसका पीछा किया और उसे एगमोर रेलवे स्टेशन तक ट्रैक किया, जहाँ से वह एक प्रचारक के वेश में नासिक जाने वाली ट्रेन में सवार हुआ। इसके बाद उसका सुराग मिलना बंद हो गया था।

काचीगुड़ा की घटना से मिला सुराग

तीन महीने पहले, तेलंगाना के काचीगुड़ा में एक जैन मंदिर में ऐसी ही चोरी की घटना हुई थी। वहां की पुलिस ने जब चेन्नई पुलिस के साथ सीसीटीवी फुटेज साझा की, तो पुष्टि हुई कि दोनों वारदातों के पीछे एक ही व्यक्ति का हाथ है।गहन जांच में संदिग्ध की पहचान महाराष्ट्र के पुणे निवासी जीवन सिंह के रूप में हुई। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि वह तमिलनाडु के सेलम, चेंगलपेट सहित कर्नाटक और तेलंगाना के कई हिस्सों में मंदिर चोरी की वारदातों में शामिल था।

पूछताछ के दौरान जीवन सिंह ने पुलिस को बताया कि चोरी के पैसों से उसने पुणे के लोनीकंद इलाके में एक जमीन खरीदी और अपनी पत्नी, बेटे और बेटी के लिए अलग-अलग घर बनवाए।

लगातार पेन किलर दवाओं को सेवन करना खतरनाक : हैल्थ एक्सपर्ट्स

लंदन, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

लगातार या बिना डाक्टर की सलाह के पेन किलर दवाओं को सेवन करना बेहद खतरनाक हो सकता है। दर्द की दवाओं का अत्यधिक उपयोग शरीर के अहम अंगों, खासतौर पर किडनी और लिवर, पर अतिरिक्त दबाव डालता है। धीरे-धीरे यह दबाव क्रानिक डैमेज तक पहुंच सकता है और कुछ मामलों में अंग फेल होने का खतरा भी बढ़ जाता है। हैल्थ एक्सपर्ट्स की माने तो किडनी पर इन दवाओं का असर विशेष रूप से गंभीर माना जाता है। एनएसएआईडीएस शरीर में बनने वाले प्रोस्टाग्लैंडिन्स को रोकती हैं, जो किडनी की रक्त नलिकाओं को खुला रखने में मदद करते हैं। इनके कम होने पर किडनी में ब्लड फ्लो घट जाता है, जिससे फिल्ट्रेशन क्षमता कम होती जाती है। लंबे समय तक सेवन के परिणामस्वरूप एक्यूट किडनी इंजरी, एनाल्जेसिक नेफ्रोपैथी या क्रानिक किडनी डिजीज विकसित हो सकती है। पैरासिटामोल सामान्य रूप से सुरक्षित है, लेकिन ओवरडोज या लगातार सेवन किडनी को नुकसान पहुंचा सकता है। बुजुर्गों, डायबिटीज, हाई बीपी और हार्ट डिजीज के मरीजों में इसका जोखिम ज्यादा होता है। लिवर भी दर्द की दवाओं के दुष्प्रभाव से अछूता नहीं है। लिवर का मुख्य काम दवाओं को मेटाबालाइज करना है।

पैरासिटामोल की अधिक मात्रा लेने पर लिवर में मौजूद ग्लूटाथियोन कम हो जाता है, जिससे लिवर सेल्स को सीधा नुकसान होता है। इसके कारण एक्यूट लिवर फेलियर, लिवर एंजाइम्स बढ़ना, सूजन और ड्रग-इंड्यूस्ड लिवर इंजरी जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। एनएसएआईडीएस का प्रभाव लिवर पर कम होता है, लेकिन लम्बे समय तक उपयोग जोखिम बढ़ा देता है। हेपेटाइटिस मरीज, सिरोसिस पीड़ित और शराब का अधिक सेवन करने वाले लोग ज्यादा खतरे में रहते हैं। किडनी और लिवर में नुकसान के शुरुआती लक्षण अक्सर धीरे-धीरे सामने आते हैं। किडनी समस्या के संकेतों में थकान, पैरों में सूजन, झागदार पेशाब, पेशाब कम होना और बीपी बढ़ना शामिल हैं। वहीं लिवर डैमेज के लक्षणों में भूख कम लगना, उल्टी, पेट के दाहिने हिस्से में दर्द, पीलिया, गहरा पेशाब और वजन घटना प्रमुख हैं। कई बार मरीज दर्द महसूस नहीं करते और समस्या केएफटी/एलएफटी टेस्ट में सामने आती है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पेन किलर बिना डाक्टर की अनुमति के लंबे समय तक न लें और पैरासिटामोल की सुरक्षित मात्रा से अधिक सेवन न करें। दर्द से राहत के लिए योग, फिजियोथेरेपी, एक्सरसाइज और हाट/कोल्ड पैक जैसे विकल्प बेहतर और सुरक्षित माने जाते हैं। किसी भी असामान्य लक्षण पर तुरंत डाक्टर से संपर्क करना जीवनरक्षक साबित हो सकता है। एनएसएआईडीएस को 10-14 दिनों से अधिक लगातार लेने से बचना चाहिए। शरीर में पानी की कमी न होने दें और किडनी या लिवर संबंधी रोग होने पर डाक्टर को जरूर बताएं। समय-समय पर जांच करवाना भी जरूरी है।

न्यूज ब्रीफ

तुर्किये की संसद में न्यायमंत्री की नियुक्ति पर विवाद, सदस्यों में झड़प, मारपीट

अंकारा (तुर्किये)। तुर्किये की संसद में बुधवार को न्यायमंत्री की नियुक्ति पर विवाद के बाद जमकर बवाल हुआ। सत्ता पक्ष और विपक्ष सदस्यों के बीच शुरू झड़प मारपीट में बदल गई। दोनों पक्ष के सदस्यों ने एक-दूसरे पर घूंसों से प्रहार किया। लंदन से छपने वाले अरबी भाषा के अखबार अशरक अल-अवसत के अंग्रेजी संस्करण की रिपोर्ट में इस घटना का उल्लेख किया गया है। अशरक अल-अवसत अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि मंत्रिमंडल में हुए फेरबदल में एक विवादित सदस्य की नियुक्ति पर यह झगड़ा हुआ। विपक्षी सदस्यों ने इस्तांबुल के चीफ प्रासिक्यूटर अकिन गुरलेक को न्यायमंत्री पद की शपथ लेने से रोकने की कोशिश की। इसके बाद सदस्यों को एक-दूसरे को धक्का देते देखा गया। कुछ ने तो मुक्के भी मारे। बाद में कड़ी सुरक्षा के बीच अकिन गुरलेक को शपथ दिलाई गई। इसके बाद पूर्वी प्रांत एरजुरम के गवर्नर मुस्तफा सिपत्सी को भी आंतरिक मंत्री के पद की शपथ दिलाई गई। सरकार ने बुधवार के मंत्रिमंडल के फेरबदल के लिए कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया है। नई नियुक्तियां ऐसे समय में हुई हैं जब तुर्किये संभावित संवैधानिक सुधारों पर बहस कर रहा है। साथ ही दशकों पुराने संघर्ष को खत्म करने के मकसद से उग्रवादी कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी के साथ शांति की पहल कर रहा है।

चीन में रोबोट्स भिक्षुओं के साथ कर रहा कुंग-फू की प्रैक्टिस, वीडियो देख लोग हैरान

बीजिंग। चीन की टेक्नालाजी और वहां के डेली लाइफ में रोबोट और एआई का कितना दखल हो गया है। इसका एक वीडियो वायरल हो रहा है। चीन के शाओलिन मंदिर का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें दिखाई दे रहा है कि ह्यूमनाइड रोबोट्स मंदिर परिसर में भिक्षुओं के साथ खड़े होकर कुंग-फू की प्रैक्टिस कर रहा है। वीडियो सामने आने के बाद लोग कह रहे हैं कि सदियों पुरानी मानव परंपरा के बीच मशीनों को उसी निपुणता से हरकत करते देख कई यूजर्स हैरान हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीडियो में रोबोट्स को भिक्षुओं के साथ बिल्कुल एक जैसी मुद्रा में मूवमेंट करते देखा जा सकता है। वे न केवल हाथ-पैरों की पारंपरिक पोजिशन कापी कर रहे हैं, बल्कि पूरे मार्शल आर्ट्स रूटीन को सटीकता के साथ दोहरा भी रहे हैं। इन दृश्यों का सबसे अजीब पहलू यह है कि मशीनें वही गतिविधियां कर रही हैं, जिन्हें इंसानी अनुशासन, आध्यात्मिक अभ्यास और पीढ़ियों से चली आ रही ट्रेनिंग का प्रतीक है। रिपोर्ट के मुताबिक इन रोबोट्स को शंघाई स्थित एक कंपनी ने तैयार किया है। यह कंपनी ऐसे ह्यूमनाइड रोबोट बनाती है, जो वास्तविक दुनिया में जटिल काम कर सकें। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये मशीनें अपने आसपास का वातावरण समझने, उसकी गणना करने और उसके अनुसार शारीरिक गतिविधियां करने में सक्षम हैं। इसको इस तरह बनाया गया है कि वे वातावरण को नेविगेट कर सकें, सेंसर इनपुट समझ सकें और वे शारीरिक गतिविधियां भी कर सकें जिन्हें आमतौर पर इंसान ही करते हैं।

पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा अस्पताल में भर्ती

रावलपिंडी। पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा एक आकस्मिक दुर्घटना के बाद

रावलपिंडी के मिलिट्री अस्पताल में उपचाराधीन हैं। अस्पताल और पारिवारिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जनरल बाजवा बुधवार सुबह अपने घर के वाशरूम में अचानक फिसलकर गिर गए। इस हादसे में उनके सिर पर तीन गंभीर चोटें आईं, जिसके तुरंत बाद उन्हें सैन्य अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों ने बताया कि सिर की चोट की गंभीरता को देखते हुए डाक्टरों की एक विशेषज्ञ टीम ने तत्काल उनके स्वास्थ्य का आकलन किया और आपरेशन का निर्णय लिया। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक, जनरल बाजवा के सिर की सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न हो चुकी है। चिकित्सा टीम उनकी स्थिति पर चौबीसों घंटे निगरानी रखे हुए है। डाक्टरों का कहना है कि उनकी हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन उन्हें पूरी तरह स्वस्थ होने में अभी कुछ सप्ताह का समय लग सकता है। उनकी रिकवरी की गति को देखते हुए ही भविष्य का मेडिकल बुलेटिन जारी किया जाएगा। जनरल बाजवा की अचानक तबीयत बिगड़ने और सर्जरी की खबर मिलते ही पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य गलियारों में चिंता की लहर दौड़ गई।

एपस्टीन फाइल्स में कई प्रभावशाली लोगों के नाम छिपाए गए, अमेरिका में फिर भूचाल

डेमोक्रेट सांसद खन्ना और रिपब्लिकन सांसद मैसी ने न्याय विभाग पर लगाए आरोप

वाशिंगटन, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

कुख्यात यौन अपराधी और कारोबारी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों को लेकर अमेरिका में एक बार फिर राजनीतिक भूचाल आ गया है। डेमोक्रेट सांसद रो खन्ना और रिपब्लिकन सांसद थामस मैसी ने न्याय विभाग पर आरोप लगाते हुए दावा किया कि एपस्टीन फाइल्स में कई प्रभावशाली लोगों के नाम छिपाए गए हैं। दोनों सांसदों ने खुद न्याय विभाग पहुंचकर बिना संपादित दस्तावेजों की समीक्षा की और छह नए नाम सार्वजनिक किए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खन्ना और मैसी ने बताया कि जिन छह नामों को अब तक सार्वजनिक दस्तावेजों में प्रमुखता से नहीं दिखाया गया, उनमें अरबपति कारोबारी लेस्ली वेक्सनर, निकोला कापुतो, लिओनिक लिओनोव, जुराब मिकेलाद्ज़े, सुल्तान अहमद बिन सुलेयम और साल्वातोर नुआरा शामिल हैं। खन्ना ने एक्स पर सवाल उठाया कि यदि वे खुद न्याय विभाग न जाते, तो क्या ये नाम कभी सामने आते

रिपोर्ट के मुताबिक रो खन्ना ने आरोप लगाया कि करीब 30 लाख पन्नों के दस्तावेजों में से 70 से 80 फीसदी सामग्री अब भी रेडक्टेड है यानी उसे काला कर दिया है जिसे पढ़ने योग्य नहीं छोड़ा है। उनका दावा है कि इस तरह अहम जानकारियां छिपाई जा रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मार्च में ही एफबीआई ने कुछ फाइलों को स्क्रब कर दिया था। खन्ना के मुताबिक एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट के तहत कथित साजिशकर्ताओं के नाम छिपाने की अनुमति नहीं है, फिर भी ऐसा किया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी में सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों का दायरा बेहद व्यापक है। इनमें 30 लाख से ज्यादा पन्ने, 2,000 से ज्यादा वीडियो और करीब 1.8 लाख तस्वीरें शामिल हैं। इन खुलासों के बीच एक और दस्तावेज ने विवाद को जन्म दिया है- 330 गैलन सल्फ्यूरिक एसिड की खरीद की रसीद। रिकार्ड के मुताबिक 12 जून 2018 को एपस्टीन के निजी द्वीप लिटिल सेंट जेम्स पर 55-55 गैलन के छह ड्रम तेजाब पहुंचाए गए थे। यह वही दिन था जब एफबीआई ने आधिकारिक तौर पर एपस्टीन के सेक्स ट्रैफिकिंग नेटवर्क की जांच शुरू की थी।

सोशल मीडिया पर इस संयोग को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ यूजर्स ने आशंका जताई कि इतनी बड़ी मात्रा में एसिड का इस्तेमाल सबूत मिटाने के लिए किया जा सकता था। हालांकि दस्तावेजों में मौजूद पुराने ईमेल के मुताबिक यह एसिड द्वीप पर लगे आरओ वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के रखरखाव के लिए मंगाया गया था, जहां पानी के पीएच स्तर को नियंत्रित करने के लिए सल्फ्यूरिक एसिड का इस्तेमाल सामान्य तकनीकी प्रक्रिया मानी जाती है।

ट्रंप मेरी सजा माफ कर दें.....सारा काला चिट्ठा दुनिया के सामने खोल दूंगी

वाशिंगटन। एपस्टीन फाइल्स के खुलासों से दुनिया सन्न रह गई है। इस फाइल ने ऐसी सच्चाइयां उजागर की है जिस पर किसी को यकीन नहीं होता है। अब वीवीआईपी चेहरों को एक्सपोज करने वाली स्कैंडल की अहम किरदार और कांड के मुख्य दोषी जेफरी एफस्टीन की प्रेमिका घिसलेन नोएल मैरियन मैक्सवेल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से क्षमादान की मांग की है। घिसलेन और एपस्टीन की कहानी एक जटिल और अंधेरे स्कैंडल की ओर इशारा करती है, जो सेक्स ट्रैफिकिंग, शोषण और सत्ता के दुरुपयोग से जुड़ी हुई है। मैक्सवेल और एपस्टीन की कभी न सिर्फ अमेरिका बल्कि वर्ल्ड पावर कारिडोर में तूती बोलती थी। जहां दुनिया भर के रईस अपनी कुत्सित और गंदी इच्छाएं पूरी करने के लिए जमा होते थे। घिसलेन मैक्सवेल ब्रिटिश सोशलाइट और पूर्व मीडिया मोगुल राबर्ट मैक्सवेल की बेटी हैं। 1961 में पैदा हुई मैक्सवेल एपस्टीन की पूर्व गर्लफ्रेंड और करीबी साथी रही है। मैक्सवेल पर आरोप था कि उन्होंने एपस्टीन के साथ मिलकर नाबालिग लड़कियों को सेक्स ट्रैफिकिंग के लिए लुभाकर उनका शोषण किया। 2020 में उन्हें गिरफ्तार किया और 2021 में न्यूयार्क की अदालत में चाइल्ड सेक्स ट्रैफिकिंग और अन्य अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया। अमेरिकी अदालत ने उन्हें 20 साल की जेल की सजा सुनाई। मैक्सवेल फिलहाल टेक्सास की एक फेडरल जेल में सजा काट रही हैं।

थाईलैंड में डे-केयर सेंटर में गोलीबारी, 22 बच्चों समेत 34 की मौत

हमलावर पूर्व पुलिस अधिकारी बताया जा रहा

बैंकाक, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

थाईलैंड से एक बेहद दुखद और झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। दक्षिणी थाईलैंड में एक डे-केयर सेंटर में अंधाधुंध फायरिंग की घटना में 22 बच्चों समेत कुल 34 लोगों की मौत हो गई। घटना के पीछे एक पूर्व पुलिस अधिकारी का हाथ बताया जा रहा है, जिसने कथित तौर पर डे-केयर सेंटर में घुसकर इस वारदात को अंजाम दिया।

मीडिया रिपोर्ट्स से प्राप्त प्रारंभिक जानकारी अनुसार, हमलावर ने पहले बच्चों और शिक्षकों को बंधक बनाया और उसके बाद गोलीबारी शुरू कर दी। मृतकों में बड़ी संख्या में मासूम बच्चे शामिल हैं, जिससे पूरे देश में शोक और आक्रोश का माहौल है। हालांकि स्थानीय प्रशासन की ओर से अब तक आधिकारिक रूप से मृतकों की कुल संख्या की पुष्टि नहीं की गई है।

हाट याई क्षेत्र में भी गोलीबारी इसी बीच, दक्षिणी थाईलैंड के हाट याई क्षेत्र से भी गोलीबारी की एक अलग घटना की खबर है। बताया जा रहा है कि वहां एक 18 वर्षीय युवक ने एक स्कूल परिसर में फायरिंग की, जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है। सोंगखला प्रांत के स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, एक स्कूल में बंदूकधारी द्वारा छात्रों और शिक्षकों को बंधक बनाए जाने की सूचना के बाद पुलिस ने इलाके को चारों ओर से घेर लिया। सुरक्षा बलों ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अभियान शुरू किया। इसी दौरान गोलीबारी की घटना सामने आई। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस हमलावर की पृष्ठभूमि, हथियार के स्रोत और घटना के पीछे के संभावित कारणों की जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या दोनों घटनाओं के बीच कोई संबंध है या वे अलग-अलग वारदातें हैं।

केन्या में दशकों से सूखे की मार, 20 लाख से ज्यादा लोग भुखमरी का शिकार

नैरोबी। पूर्वी अफ्रीकी देश केन्या पिछले कई दशकों के भीषण सूखे का सामना कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र और कई राहत संगठनों द्वारा जारी रिपोर्टों के मुताबिक देश के उत्तर-पूर्वी इलाकों में सूखे की स्थिति बहुत ही भयावह है, जिससे 20 लाख से ज्यादा लोग भुखमरी का शिकार हैं। केन्या के राष्ट्रीय सूखा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक देश के करीब 10 जिले इस समय सूखे से जूझ रहे हैं। सोमालिया से सटे केन्या के उत्तर-पूर्वी मंडेरा जिले में स्थिति चेतावनी स्तर पर पहुंच गई है। इसका मतलब है कि पानी की गंभीर कमी के कारण पशुओं की मौत हो रही है और बच्चे कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी के आखिर में डब्ल्यूएचओ ने कहा था कि यही परेशानी सोमालिया, तंजानिया और यहां तक कि युगांडा तक फैल रही है, जहां लोग इसी तरह के मौसम और पानी की गंभीर कमी से जूझ रहे हैं। हाल के हफ्तों में सोमाली सीमा के पास सूखाग्रस्त इलाकों से झकझोर देने वाली तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें मवेशियों को बेहद कमजोर और कुपोषित हालत में देखा जा सकता है। यह इलाका जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रहा है। हाल के वर्षों में कुछ क्षेत्रों में बारिश के मौसम छोटी अवधि का हो गया है, जिससे सूखे की स्थिति पैदा हो रही है।

भोजन के तुरंत बाद ब्रश करना हो सकता है नुकसानदेह

लंदन, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

सफेद, मजबूत और चमकदार और स्वस्थ दांत हर किसी की चाहत होती है लेकिन दांतों के लिए केवल ब्रश करना ही काफी नहीं, बल्कि यह समझना भी जरूरी है कि ब्रश कब किया जाए। कई लोग सोचते हैं कि खाना खाते ही ब्रश कर लेना अच्छा होता है, जबकि डेंटल एक्सपर्ट्स के अनुसार यह आदत कई बार दांतों को फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान पहुंचा सकती है।

खाना खाने के बाद दांतों पर प्लाक जमना शुरू हो जाता है, जिसमें मौजूद बैक्टीरिया भोजन में मौजूद शुगर को एसिड में बदल देते हैं। यह एसिड दांतों की बाहरी परत यानी इनेमल को नुकसान पहुंचाता है, जिससे कैविटी, सेंसिटिविटी और मसूड़ों की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। अगर प्लाक को समय पर हटाया न जाए, तो यह कठोर होकर टार्टर में बदल जाता है, जो मसूड़ों में सूजन और खून आने जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि एसिडिक फूड्स जैसे नींबू, संतरा, कोल्ड ड्रिंक, सोडा, फ्रूट जूस या विनेगर खाने के बाद दांतों का इनेमल कुछ देर के लिए नरम हो जाता है। ऐसे में तुरंत ब्रश करने से यह नरम परत तेजी से घिस सकती है, जिससे दांतों को स्थायी नुकसान पहुंच सकता है। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि एसिडिक पेय लेने के 20 मिनट के भीतर ब्रश करने से डेंटिन तक क्षति पहुंच सकती है, जबकि 30 से 60 मिनट का अंतर रखने पर लार एसिड को न्यूट्रल कर देती है और इनेमल फिर से कठोर होने लगता है। डेंटल स्पेशलिस्ट्स के अनुसार, सामान्य भोजन के बाद कम से कम 30 मिनट और एसिडिक भोजन के बाद 30 से 60 मिनट इंतजार करना दांतों के लिए सबसे सुरक्षित है। इस बीच मुंह को सादे पानी से कुल्ला करना या शुगर-फ्री च्युइंग गम चबाना फायदेमंद होता है, क्योंकि इससे लार बढ़ती है और एसिड जल्दी कम हो जाता है। दांतों के लिए सही ब्रशिंग रूटीन में सुबह उठकर ब्रश करना और रात को सोने से पहले ब्रश करना शामिल है। दिन में दो बार ब्रश करना आदर्श माना जाता है।

नेतन्याहू की आगवानी के लिए तैयार वाशिंगटन.....ट्रंप के साथ बैठक पर दुनिया की नजरें

यरूशलेम, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

ईरान और अमेरिका के बीच जारी परमाणु वार्ताओं के बावजूद मध्य पूर्व में तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। दोनों पक्षों की ओर से जारी धमकियों और कूटनीतिक रस्साकशी के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू एक बेहद महत्वपूर्ण मिशन पर अमेरिका रवाना हो रहे हैं। पीएम नेतन्याहू वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने वाले है। रणनीतिक रूप से यह बैठक इसलिए भी खास है।

क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के बाद से दोनों नेताओं के बीच यह सातवीं आधिकारिक मुलाकात होगी, जिसने ईरान की चिंताएं बढ़ा दी हैं। अमेरिका के लिए रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इस यात्रा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी ये बार-बार होने वाली मुलाकातें इजरायल और अमेरिका के बीच के असाधारण और ऐतिहासिक संबंधों का प्रमाण हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच आज जितनी नजदीकी है, वैसी इजरायल के इतिहास में पहले कभी नहीं देखी गई। हालांकि इस यात्रा का मुख्य केंद्र गाजा की स्थिति और क्षेत्रीय सुरक्षा है, लेकिन नेतन्याहू के एजेंडे में सबसे ऊपर ईरान के साथ होने वाली परमाणु बातचीत और उससे जुड़ी इजरायली चिंताएं हैं। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि वह राष्ट्रपति ट्रंप के सामने बातचीत के उन कड़े सिद्धांतों को रखेंगे, जो न केवल इजरायल के अस्तित्व के लिए बल्कि पूरे मध्य पूर्व की शांति और सुरक्षा के लिए अनिवार्य हैं। इजरायली पक्ष का मानना है कि ईरान के साथ किसी भी नए समझौते में केवल परमाणु हथियारों को रोकने की बात नहीं होनी चाहिए, बल्कि यूरेनियम संवर्धन की किसी भी संभावना को पूरी तरह समाप्त करना होगा। इसके अलावा, इजरायल चाहता है कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर पूर्ण प्रतिबंध लगे और वह आतंकवाद की फंडिंग व समर्थन बंद करे। बैठक के समय को लेकर भी कई कयास लगाए जा रहे हैं। पहले यह यात्रा महीने के अंत में प्रस्तावित थी, लेकिन इसे अचानक समय से पहले तय किया गया। राजनीतिक विश्लेषक इसे ओमान में हाल ही में ईरान और अमेरिका के बीच हुई सकारात्मक बातचीत के प्रति इजरायल की सतर्कता के रूप में देख रहे हैं। नेतन्याहू का मानना है कि बुराई की धुरी को रोकने के लिए अमेरिका का रुख सख्त रहना चाहिए। व्हाइट हाउस में बुधवार सुबह 11 बजे होने वाली इस गोपनीय बैठक के बाद फिलहाल किसी प्रेस कान्फ्रेंस की योजना नहीं है।

बांग्लादेश चुनाव के नतीजों का इंतजार जनादेश पर हमारी नजर : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां) । भारत ने बांग्लादेश चुनाव के नतीजों का इंतजार कर अपने अगले कदम पर फैसला लेने की बात कही है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार शाम को एक ब्रीफिंग में कहा, भारत बांग्लादेश में निष्पक्ष, स्वतंत्र और विश्वसनीय चुनाव का पक्षधर है। हमें चुनाव के नतीजों का इंतजार करना चाहिए ताकि पता चल सके कि किस तरह का जनादेश आया है और उसके बाद हम वहां के मुद्दों को देखेंगे। जायसवाल ने कहा कि भारत ने न्योता मिलने के बावजूद बांग्लादेश में कोई चुनाव पर्यवेक्षक नहीं भेजा।

एक और सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, हमें पर्यवेक्षक भेजने का न्योता मिला था, लेकिन हमने चुनावों पर नजर रखने के लिए अपने पर्यवेक्षक बांग्लादेश नहीं भेजे हैं।इस बीच, स्थानीय मीडिया ने बताया कि गुरुवार को बांग्लादेश में कई पोलिंग बूथ पर हिंसा भड़क गई। वोटिंग के दौरान एक राजनीतिक दल के नेता की मौत हो गई थी।गुरुवार सुबह जल्दी पोलिंग शुरू होने के बाद घटनाएं सामने आने लगीं, जो बांग्लादेश में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति और अस्थिर सिक्योरिटी माहौल को दिखाती हैं।

बढ़ती हिंसा के बीच, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के एक नेता, मोहिबुज्जमां कोच्चि की खुलना जिले के आलिया मदरसा पोलिंग स्टेशन पर मौत हो गई।

बांग्लादेश के जाने-माने बंगाली डेली जुगांतर ने चश्मदीदों और पुलिस का हवाला देते हुए बताया कि गुरुवार सुबह पोलिंग सेंटर के पास बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के समर्थकों के बीच तनाव पैदा हो गया था।

पूर्व बीएनपी ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी यूसुफ हारुन मजनू ने कहा, सेंटर पर सुबह से ही तनाव था। आलिया मदरसे के प्रिंसिपल जमात के लिए प्रचार कर रहे थे। जब उन्हें रोकने का प्रयास किया, तो उन्होंने मोहिबुज्जमां कोच्चि को धक्का दे दिया। इस वजह से वो एक पेड़ से टकरा गए और उनके सिर में चोट लग गई। जिससे उनकी मौत हो गई।इस घटना की पुष्टि करते हुए खुलना सदर पुलिस स्टेशन के सब इंस्पेक्टर खान फैसल रफी ने कहा, जब दोनों पार्टियों के बीच तनाव बढ़ा, तो हम तुरंत मौके पर गए और दोनों को अलग किया।

खुलना सिटी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर, पार्थ रॉय ने जुगांतर को बताया कि बीएनपी नेता कोच्चि को अस्पताल में मृत लाया गया था।

गुरुवार सुबह एक और घटना में, वोटिंग के दौरान गोपालगंज सदर उपजिला के एक पोलिंग स्टेशन पर कॉकटेल बम हमले में तीन लोग घायल हो गए। यह घटना गोपालगंज जिले के रेशमा इंटरनेशनल स्कूल पोलिंग स्टेशन पर हुई।

सीएम नीतीश कुमार की बुद्धि पूरी तरह से फेल हो चुकी है : तेज प्रताप यादव

पटना, 12 फरवरी (एजेंसियां) । जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने सीएम नीतीश कुमार के लड़की वाले बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बुद्धि पूरी तरह से फेल हो चुकी है। वे अब मुख्यमंत्री की कुर्सी और उस गरिमा के लायक नहीं हैं। पटना में तेज प्रताप यादव ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि लोग अपने पैर पर खुद कुल्हाड़ी मारते हैं। लोग खुद अपनी छाप छोड़ते हैं। वह क्या कहते हैं और क्या नहीं, सभी देख रहे हैं। मुख्यमंत्री हंसी के पात्र बन चुके हैं। देशभर के लोग देख रहे हैं। उन्होंने कई राज्यों में होने वाले चुनाव पर कहा कि चुनाव होगा। हमारी पार्टी चुनाव लड़ेगी। उन्होंने बजट सत्र में नेता

प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नहीं दिखने पर कहा कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है। वे परेशान हैं। जख्म भरने में समय लगता है। तबीयत खराब होती है तो व्यक्ति उपस्थित नहीं हो पाता। तेज प्रताप यादव ने महाशिवरात्रि को लेकर कहा कि हम महादेव के भक्त हैं। महादेव की हमारे ऊपर कृपा रहती है। हम पूजा-पाठ करते रहते हैं। शिवरात्रि आ रही है, उस मौके पर पूजा होगी। हर-हर महादेव होगा।

तेज प्रताप यादव ने वंदे मातरम पर सरकार की गाइडलाइंस पर कहा कि जैसे हम तिरंगा लहराते हैं, जन मन गण गाते हैं, तो सब खड़े होते हैं। वंदे मातरम का भी सम्मान करना है। वंदे मातरम, भारत माता की जय, तो बोलना ही बोलना है। उन्होंने सीएम ममता बनर्जी के एसआईआर को लेकर दिए बयान पर कहा कि सीएम ममता बनर्जी एसआईआर और यूजीसी को लेकर क्या कह रही हैं, क्या नहीं। यह उनका मामला है। हम इसमें कुछ नहीं बोलेंगे।तेज प्रताप यादव ने सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी पर कहा कि षड्यंत्र तो होता ही है, जैसे हमारे साथ षड्यंत्र हुआ। सभी लोगों के साथ षड्यंत्र हो रहा है। षड्यंत्र लगातार चलता है।

टीडीपी ने 'विवादित' विधायक को दी कड़ी चेतावनी, अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं

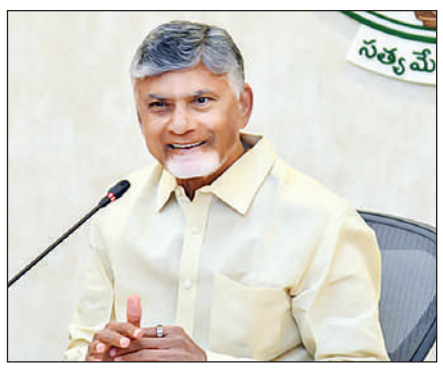

अमरावती, 12 फरवरी (एजेंसियां) । तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) नेतृत्व ने पार्टी के 'विवादित' विधायक कोलिकापुडी श्रीनिवास राव को कड़ी चेतावनी दी है और साफ कर दिया है कि आगे किसी भी तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

टीडीपी के प्रदेश अध्यक्ष पल्ला श्रीनिवास ने गुरुवार को राव से मुलाकात कर उन्हें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की ओर से सख्त संदेश दिया। सूत्रों के अनुसार, पार्टी ने तिरुवुरु से विधायक राव द्वारा पहले दी गई चेतावनियों के बावजूद अन्य नेताओं को निशाना बनाए जाने को गंभीरता से लिया है। पल्ला श्रीनिवास ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पार्टी से बड़ा कोई व्यक्ति नहीं है।प्रदेश अध्यक्ष ने विधायक से कहा कि पार्टी के बिना उनकी व्यक्तिगत हैसियत कुछ भी नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया पर विधायक और उनके समर्थकों द्वारा अन्य नेताओं के खिलाफ की गई विवादित टिप्पणियों को लेकर भी कड़ी नाराजगी जताई।राव को बताया गया कि इस तरह का व्यवहार जनता के बीच पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा रहा है। पल्ला श्रीनिवास ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू इस मामले को लेकर गंभीर हैं और यदि राव ने अपना रवैया नहीं बदला तो पार्टी उन्हें विधायक के रूप में मान्यता देना बंद कर सकती है।इस पर विधायक ने सफाई देते हुए कहा कि अनुभव की कमी के कारण उनसे गलती हुई।

उन्होंने भविष्य में अपने व्यवहार में सुधार लाने का आश्वासन दिया और वरिष्ठ नेताओं से मार्गदर्शन मांगा।कोलिकापुडी श्रीनिवास राव का पार्टी के कुछ नेताओं, जिनमें सांसद केशिनेनी चिन्नी भी शामिल हैं, के साथ गंभीर मतभेद रहा है। 2024 में एनटीआर जिले की तिरुवुरु सीट से चुनाव जीतने के बाद से ही वह विवादों में रहे हैं।पिछले वर्ष उन्हें पार्टी की अनुशासन समिति के समक्ष भी पेश होना पड़ा था। जनवरी में एक महिला, जो विधायक के व्यवहार से आहत बताई गई, ने आत्महत्या का प्रयास किया था।

कर्नाटक में नेतृत्व संकट पर कांग्रेस विधायक का दावा 80-90 विधायक चाहते हैं शिवकुमार बनें सीएम

बेंगलुरु, 12 फरवरी (एजेंसियां) । कर्नाटक में नेतृत्व को लेकर चल रही खींचतान के बीच कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन ने गुरुवार को दावा किया कि पार्टी के लगभग 80 से 90 विधायक चाहते हैं कि डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाया जाए। शिवकुमार के समर्थक हुसैन ने कहा कि कई विधायक मानते हैं कि शिवकुमार संघर्ष और कड़ी मेहनत के कारण मुख्यमंत्री पद के हकदार हैं। रामनगर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कांग्रेस विधायक हुसैन ने कहा कि यह सरकार के कामकाज के लिए अच्छा होगा और आने वाले चुनाव को देखते हुए भी जरूरी है। इसी पृष्ठभूमि में हम शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि

सिद्दारमैया के साथ कौन-कौन विधायक जुड़े हुए हैं। इसी तरह यह भी स्पष्ट नहीं है कि शिवकुमार के साथ कितने विधायक हैं। उन्होंने कहा, ''सभी 140 विधायक बदलाव की उम्मीद कर रहे हैं और लगभग 80 से 90 विधायक नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। हम सभी शिवकुमार का समर्थन कर रहे हैं।''

इस बीच सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेतृत्व ने मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के करीबी माने जाने वाले कुछ विधायकों के विदेश दौरे को गंभीरता से लिया है। पार्टी के कर्नाटक प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने उन विधायकों के नाम मांगे हैं, जो इस दौरे में शामिल थे।

सूत्रों ने बताया कि राज्य में नेतृत्व को लेकर चल रही चर्चाओं को शांत करने के उद्देश्य से यह विदेश दौरा आयोजित किया गया था। यह भी कहा गया कि मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने विशेष सत्र के तुरंत बाद बजट की तैयारी से संबंधित बैठकें काफी पहले शुरू कर दी थीं।

वहीं, उपमुख्यमंत्री शिवकुमार अपने विभाग से जुड़ी एक बैठक में शामिल नहीं हुए। उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्होंने पहले से अनुमति ले ली थी।

सुरजेवाला ने विदेश दौरे की प्रकृति, उसमें शामिल विधायकों के किसी विशेष गुट से जुड़े होने और क्या यह दौरा राजनीतिक कारणों से किया गया था, इन सभी मामलों में विस्तृत जानकारी मांगी है।

राज्य के पशुपालन मंत्री के. वेंकटेश ने कहा कि कुछ नेताओं ने उन्हें विदेश यात्रा पर साथ चलने के लिए कहा था। लेकिन, उन्होंने जाने से इनकार कर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस यात्रा का आयोजन उनके मंत्रालय की ओर से नहीं किया गया था। विधायकों के विदेश दौरे के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक और विधान परिषद सदस्य अपने निजी खर्च पर विदेश यात्रा कर रहे हैं।

इस बीच, कर्नाटक में संभावित नेतृत्व परिवर्तन के संकेतों के बीच डीके शिवकुमार ने बताया कि उन्होंने नई दिल्ली में सोनिया गांधी के आवास, 10 जनपथ, पर पार्टी नेताओं से मुलाकात की है। उन्होंने कहा, समय ही इसका जवाब देगा।

डीआरआई ने हेरोइन की खेप जब्त की, दो तस्कर गिरफ्तार

कछार (असम), 12 फरवरी (एजेंसियां) । म्यांमार से लगातार हो रही नशे की तस्करी के बीच असम राइफल्स और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए असम के कछार जिले में 3.2 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त की। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि इस मामले में दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। कछार जिले में नशे की तस्करी की सूचना मिलने पर असम राइफल्स के जवानों ने बुधवार की रात डीआरआई के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाया। कछार, श्रीभूमि (पहले करीमगंज) और हैलाकांडी जिलों की मिजोरम के साथ 164 किलोमीटर से ज्यादा लंबी सीमा लगती है। म्यांमार के पास होने की वजह से मिजोरम नशे की तस्करी का एक बड़ा रास्ता बन गया है।

अभियान के दौरान संयुक्त टीम ने नेशनल हाईवे-306 पर 3.2 करोड़ रुपए की हेरोइन ले जा रहे दो लोगों को पकड़ लिया। यह हाईवे पहाड़ी मिजोरम के लिए मुख्य सड़क मार्ग है।तस्करी में इस्तेमाल

की गई गाड़ी और आरोपियों के पास से मिला एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया।असम राइफल्स और डीआरआई इस क्षेत्र में नशा विरोधी अभियानों में लगातार सक्रिय हैं और नशे के नेटवर्क को तोड़ने के लिए नियमित कार्रवाई कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह जब्ती नशे की तस्करी रोकने की दिशा में एक बड़ी सफलता है।पुलिस को शक है कि ये नशीले पदार्थ म्यांमार से लाए गए और मिजोरम के रास्ते असम पहुंचाए गए, जहां से इन्हें देश के अन्य हिस्सों में भेजा जाना था।असम राइफल्स ने 10 फरवरी को राज्य पुलिस और सब्सिडियरी इंटेलिजेंस ब्यूरो (एसआईबी) के साथ मिलकर मिजोरम के सैतुअल जिले के नगोपा इलाके में 3.518 किलोग्राम मॉर्फीन (कीमत करीब 3.5 करोड़ रुपए) जब्त की थी और दो तस्करों को गिरफ्तार किया था।उस कार्रवाई के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने एक वाहन को रोका और जांच के बाद 3.518 किलोग्राम मॉर्फीन बरामद की। इसे कासिम और मुकीम अली नाम के दो लोग ले जा रहे थे।मिजोरम की म्यांमार के साथ 510 किलोमीटर लंबी बिना बाड़ वाली अंतरराष्ट्रीय सीमा और बांग्लादेश के साथ 318 किलोमीटर लंबी पहाड़ी व खुली सीमा है। इसी कारण यह राज्य सीमा पार तस्करी के लिए संवेदनशील माना जाता है।म्यांमार का चिन राज्य नशीले पदार्थों, विदेशी सिगरेट, सुपारी, दुर्लभ वन्यजीव और अन्य अवैध सामान की तस्करी का बड़ा केंद्र माना जाता है। ये सामान मिजोरम के छह जिलों चम्फाई, सियाहा, लॉन्गतलाई, हनहथियाल, सैतुअल और सेरछिप के रास्ते लाया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गुजरात के सभी स्कूलों में आवारा कुत्तों का सर्वे कराने के निर्देश

गांधीनगर, 12 फरवरी (एजेंसियां) । सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद गुजरात सरकार ने राज्य के सभी शैक्षणिक संस्थानों में आवारा कुत्तों की संख्या का तत्काल सर्वे शुरू करने के निर्देश जारी किए हैं। स्कूल कमिश्नर कार्यालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र भेजा है, जिसमें तीन दिनों के अंदर विस्तृत रिपोर्ट भेजने को कहा गया है। यह कार्रवाई सार्वजनिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की जा रही है, क्योंकि आवारा कुत्तों के हमलों से बच्चों और आम लोगों को खतरा है। सर्कुलर में स्पष्ट किया गया है कि सुप्रीम कोर्ट के सुओ मोटो रिट याचिका (सिविल) नंबर 5/2025 के तहत जारी निर्देशों का पालन करते हुए यह सर्वे जरूरी है।

स्कूल कमिश्नर ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को आदेश दिया है कि वे अपने क्षेत्र के सभी स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में कुत्तों की सटीक संख्या दर्ज करें। इसमें सीबीएसई संबद्ध स्कूल भी शामिल हैं। सर्वे में स्कूल परिसर, आसपास के इलाके और संबंधित स्थानों पर मौजूद कुत्तों की जानकारी ली जाएगी।

सर्वे की रिपोर्ट जिला स्तर पर तैयार कर गुजरात एनिमल वेलफेयर बोर्ड को भेजी जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि वे रिपोर्ट पर हस्ताक्षर और मुहर लगाकर समय पर स्कूल कमिश्नर कार्यालय को भेजें। यह सर्वे स्कूलों के अलावा अस्पतालों, बस स्टैंडों और रेलवे स्टेशनों जैसे अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी लागू होगा, जहां आवारा कुत्तों की मौजूदगी से खतरा बढ़ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने हाल के महीनों में आवारा कुत्तों के मामले में कई राज्यों की सुनवाई की थी और सार्वजनिक स्थानों से कुत्तों को हटाने, नसबंदी-टीकाकरण कराने और शेल्टर में रखने के निर्देश दिए थे। गुजरात में यह सर्वे कोर्ट के आदेशों का पालन सुनिश्चित करने और आगे की योजना बनाने के लिए किया जा रहा है।

आईआरसीटीसी मामले में अदालत ने फैसला रखा सुरक्षित, 3 मार्च को सुनाएगी सजा

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां) । दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने गुरुवार को आईआरसीटीसी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के खिलाफ आरोप तय करने पर आदेश सुरक्षित रख लिया। कोर्ट अब 3 मार्च को अपना फैसला सुनाएगा। ईडी की चार्जशीट लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव समेत 16 आरोपियों के खिलाफ है। ईडी ने अपनी सप्लीमेंट्री चार्जशीट में लालू यादव का पूरा नाम शामिल किया था। ईडी के अनुसार, पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव पर मुख्य साजिशकर्ता होने का आरोप है। साथ ही, बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, बिहार

के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, मीसा भारती, हेमा यादव और तेज प्रताप यादव पर घोटाले से आर्थिक फायदा होने का आरोप है। वहीं, इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने आपराधिक पुनरीक्षण याचिकाओं के साथ-साथ राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव द्वारा दायर ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाने की एप्लीकेशन पर सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) को नोटिस जारी किया था।13 अक्टूबर 2025 को दिए गए एक आदेश में राऊज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, उनके बेटे तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 120बी (आपराधिक साजिश) के साथ-साथ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत ट्रायल का रास्ता साफ कर दिया, जब उन्होंने आरोपों को स्वीकार नहीं किया था। स्पेशल कोर्ट ने लालू प्रसाद यादव, उनके परिवार के सदस्यों, प्रेम गुप्ता, सरला गुप्ता और रेलवे अधिकारियों राकेश सक्सेना और पीके गोयल के

चेक बाउंस केस: राजपाल यादव को नहीं मिली जमानत, 16 फरवरी को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां) । बॉलीवुड के जाने-माने कॉमेडियन और अभिनेता राजपाल यादव लंबे समय से चल रहे चेक बाउंस मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं। उनकी जमानत याचिका पर गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई, लेकिन कोर्ट ने उन्हें राहत देने से साफ इनकार कर दिया।

अदालत ने मुरली प्रोजेक्ट कंपनी को नोटिस जारी किया। अभिनेता राजपाल यादव ने शाहजहांपुर जाकर अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए जमानत की अपील की है, लेकिन कोर्ट ने अभी इस पर अंतिम निर्णय नहीं दिया है। राजपाल यादव के वकील भाष्कर उपाध्याय ने बताया कि जमानत की सुनवाई को फिलहाल टालने का

कारण यह है कि उन्हें दूसरी पार्टी को जवाब देना है।

वकील ने कहा कि जेल में जाकर राजपाल यादव से मिलने के बाद ही वे भुगतान संबंधी निर्देश प्राप्त करेंगे। जो पैसा पांच करोड़ रुपए की इन्वेस्टमेंट के रूप में लगाया गया था, उसे देने से अभिनेता ने कभी इनकार नहीं किया। पहले भी जब भुगतान की चर्चा हुई थी, तब कंपनी ने पैसे लेने से मना किया था।

भाष्कर उपाध्याय ने बताया कि 2012 के एग्रीमेंट के आधार पर मामला चल रहा है। इस दौरान राजपाल यादव ने पहले से ही तीन महीने की सजा काट ली है। राजपाल यादव को पैसे किसने दिए? इसके बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता, क्योंकि यह पारिवारिक मामला है।

उन्होंने कहा कि फिलहाल पांच करोड़ में से ढाई करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है और सोमवार को कोर्ट में इस पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

दरअसल, राजपाल यादव ने 2010 में अपनी डायरेक्टोरियल फिल्म 'अता-पता लापता' बनाने के लिए मेसर्स मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से लगभग पांच करोड़ रुपए का लोन लिया था। फिल्म आर्थिक रूप से सफल नहीं हुई, जिससे भुगतान में देरी हुई और कई चेक बाउंस हो गए। इसके बाद नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के तहत उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्हें कई अवसर दिए, लेकिन बार-बार भुगतान न करने के कारण अदालत ने उन्हें नोटिस जारी किया और 4 फरवरी को आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया था।

अब इस मामले की सुनवाई 16 फरवरी को होगी।

अलग-अलग शैलियों के गीत गाकर महसूस हुई भारतीय संगीत की असली ताकत : श्रेया

भारतीय संगीत की दुनिया में श्रेया घोषाल का नाम बेहद सम्मान के साथ लिया जाता है। पिछले दो दशकों से ज्यादा समय से श्रेया हिंदी सिनेमा के संगीत को अपनी आवाज से नए मुकाम पर पहुंचाती आई हैं। उन्होंने कई भाषाओं में अपनी मधुर आवाज का जादू बिखेरा है। हाल के दिनों में उनके कई नए गाने रिलीज हुए हैं, जिनमें 'इंकलाबी जिद्दी', 'मातृभूमि', 'असलू सिनेमा', 'गाना गुंजूर', 'ओ माई री', और 'थलोड़ी मरायुवथेविदे नी' जैसे गीत शामिल हैं। इनमें से किसी गाने में देशभक्ति और क्रांति का स्वर है, तो किसी में रिश्तों की कोमल भावनाएं और लोक संगीत की खुशबू है, तो वहीं किसी में आधुनिक सिनेमा की एनर्जी है।

इन गानों को लेकर श्रेया घोषाल ने कहा, ''एक के बाद एक इतने अलग-अलग तरह के गाने गाना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा है। अलग-अलग भावनाओं और संगीत शैलियों के बीच लगातार काम करना यह एहसास कराता है कि भारतीय संगीत वास्तव में कितना विशाल और बहुआयामी है। हर गीत अपनी एक अलग संस्कृति और कहानी से जुड़ा होता है, लेकिन इन सबकी जड़ में भावना और कहानी ही होती है, जो सीधे दिल तक पहुंचती है।''

श्रेया ने कहा, ''एक गायक के तौर पर इतनी विविध कहानियों को आवाज देना बेहद संतोषजनक है। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे ऐसे संगीत सफर का हिस्सा बनने का मौका मिला, जो भारतीय संगीत की एकता और समृद्धि को दर्शाता है। संगीत भाषा या क्षेत्र का मोहताज नहीं होता, बल्कि भावनाओं की सच्चाई ही उसे श्रोताओं से जोड़ती है।''श्रेया घोषाल को 'डायनामिक्स की रानी' कहा जाता है। 'बैरी पिया' और 'डोला रे डोला' जैसे गीतों ने उन्हें पहले ही कदम पर राष्ट्रीय पहचान दिला दी। इसके बाद, उन्होंने 'धीरे जलना', 'ये इश्क हाय', 'फेरारी मोन', 'जीव रंगला', और 'मायावा थूयावा' जैसे गीतों के लिए कई प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किए, जिनमें पांच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, और तेलंगाना के राज्य पुरस्कारों के साथ-साथ बीएफजेए अवॉर्ड भी शामिल हैं।

नैना के ज़रिए संदीपा धर ने भाई-बहन कम्पैरिजन वाली संस्कृति पर उठाए सवाल

जैसे-जैसे 20 फरवरी को रिलीज़ होने जा रही दो दीवाने सहर में की तारीख करीब आती जा रही है, वैसे-वैसे इस फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह भी बढ़ता जा रहा है। फिलहाल इस फिल्म के साथ फिल्म के ट्रेलर में नज़र आई संदीपा धर का हालिया सोशल मीडिया नोट चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसने दर्शकों के दिलों को छू लिया है। इस नोट में संदीपा ने भावनात्मक पंक्तियों के माध्यम से नैना से परिचय कराते हुए बताया है कि नैना एक ऐसा किरदार है, जो शूटिंग खत्म होने के बाद भी उनके साथ बना रहा। हालांकि इस प्रेम कहानी के परे, नैना की यात्रा में छिपी सामाजिक सच्चाई इस फिल्म को खास तौर पर प्रासंगिक बनाती है। रवि उद्यावर के निर्देशन में बनी और संजय लीला भंसाली फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म भले ही एक लव स्टोरी के रूप में प्रस्तुत की जा रही हो, लेकिन संदीपा के शब्द इसके भीतर छिपी बातों को उजागर करते हैं। ये वो बातें हैं, जिन पर कभी खुलकर बात नहीं होती। संदीपा ने भावनात्मक लहजे में लिखा है, सुंदर। सफल। अमीर परिवार में शादी हुई नैना को हर कोई परफेक्ट मानता है। इनफैक्ट कागज़ पर वह वही आदर्श छवि है, जिसे समाज सराहता है। लेकिन इस परफेक्शन की कीमत क्या है। उस सजी-संवरी छवि के पीछे एक ऐसी स्त्री है, जिसने धीरे-धीरे अपनी पहचान खो दी है। एक सच्चाई जो कई भारतीय घरों में अनकही रह जाती है। इसके अलावा संदीपा ने भारतीय परिवारों में आम तौर पर होने वाले भाई-बहन की तुलना पर भी बात की है। यह एक ऐसी चर्चा है, जिस पर कम ही बातें होती है, लेकिन जो बच्चे के आत्मसम्मान पर गहरा असर डालती है। परफेक्ट बच्चा बनाम दूसरा बच्चा। एक जो अपेक्षाओं पर खरा उतरता है, और दूसरा जो अभी खुद को खोज रहा है। हालांकि भारतीय परिवारों में इस तुलना को अक्सर प्रेरणा का नाम दिया जाता है, लेकिन कई बार वही तुलना चुपचाप भावनात्मक दरार बन जाती हैं।

नैना के माध्यम से संदीपा एक बड़े सवाल को सामने रखती हैं। वो लिखती हैं, क्या आज भी एक महिला की सफलता इस बात से तय होती है कि वह तयशुदा भूमिकाओं में कितनी सहजता से फिट बैठती है? क्यों बाहरी मान्यता को आंतरिक संतोष से ज्यादा महत्व दिया जाता है? और क्यों परफेक्ट बनने की चाहत अक्सर आत्म-विलुप्ति की मांग करती है?

गौरतलब है कि फिल्म दो दीवाने सहर में कहानी की खूबसूरती यह है कि यह परंपराओं को खलनायक नहीं बनाती, बल्कि एक आईना दिखाती है। यह स्वीकार करती है कि भारत में प्रेम कहानियां सिर्फ दो लोगों की नहीं होतीं, बल्कि वे परिवार, सामाजिक प्रतिष्ठा, छवि और उस अदृश्य चेकलिस्ट से भी जुड़ी होती हैं, जो तय करती है कि क्या सही है। संदीपा के अनुसार दो दीवाने सहर में दो अपूर्ण लोगों की सच्चे प्यार और खुद को पाने की कहानी और रोमांस नहीं है, बल्कि खुद को हासिल करने की भी यात्रा है। संदीपा धर के अनुसार सही मायनों में यह कहानी आदर्श बेटी, आदर्श पत्नी या आदर्श बहन के दायरे से बाहर निकलकर अपनी पहचान दोबारा खोजने की भी है। विशेष रूप से ऐसे समय में, जब मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत पहचान और भावनात्मक स्वतंत्रता पर बातचीत मुख्यधारा का हिस्सा बन रही है, नैना की यात्रा बेहद प्रासंगिक महसूस होती है।

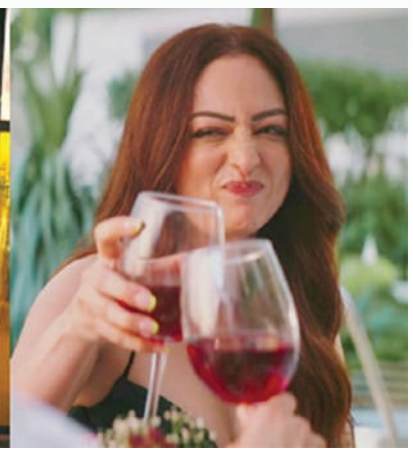

अभिनेत्री सम्युक्ता का सबसे दमदार रूप: स्वयंभू के टीज़र में वॉरियर अवतार ने मचाया तहलका

अपनी पिछली फिल्मों की कामयाबी पर सवार सम्युक्ता ने स्वयंभू के टीज़र में ऐसा पावरफुल इम्पैक्ट छोड़ा है कि नज़र हटाना मुश्किल हो जाए। इस बार वो नज़र आती हैं एक भयंकर योद्धा के रूप में, जो अफरातफरी को चीरते हुए पूरे कॉन्फिडेंस और इंटेंसिटी के साथ आगे बढ़ती है। गूंथी हुई चोटी, युद्ध के लिए तैयार तेवर, और रफ-टफ योद्धा वेशभूषा में सम्युक्ता कच्ची ताकत और अटूट इरादे का प्रदर्शन करती दिखती हैं। उनका किरदार शब्दों से नहीं, एक्शन से बोलता है और हर फ्रेम ये इशारा देता है कि वो अपने करियर के सबसे साहसी क्रिएटिव फेज़ में कदम रख चुकी हैं। ये भूमिका इसलिए भी खास लगती है क्योंकि इससे पहले उनका परफॉर्मेंस ट्रैक रिकॉर्ड बेहद मजबूत रहा है। भीमला नायक में उन्होंने अपनी दमदार मौजूदगी से सबको प्रभावित किया, बिम्बिसार में पौराणिक दुनिया को एक्सप्लोर किया, विरुपाक्ष में थ्रिल का तड़का लगाया और सर में जमीन से जुड़ा अभिनय पेश किया। अब स्वयंभू में ऐसा लगता है जैसे इन सभी अनुभवों का संगम दिख रहा हो और सम्युक्ता खुद का और भी ताकतवर संस्करण बनकर सामने आई हों।

टीज़र में वो एक निडर और बेखौफ योद्धा के रूप में दिखती हैं, जो जेंडर की तय सीमाओं को चुनौती देते हुए तीखे एक्शन सीक्वेंस में कमान अपने हाथ में लेती है। कभी धनुष-बाण साधती हुई, तो कभी तलवार लहराती हुई - हर सीन इस बात का सबूत है कि इस किरदार के लिए उन्होंने जबरदस्त शारीरिक ट्रेनिंग और तैयारी की है।

सम्युक्ता कहती हैं, स्वयंभू मेरे दिल के बेहद करीब है क्योंकि मैंने हमेशा ऐसे किरदार चुने हैं जो मुझे मेरे कम्फर्ट ज़ोन से बाहर ले जाएं। इस भूमिका ने मुझे शारीरिक और मानसिक, दोनों स्तर पर ऐसी चुनौती दी जैसा पहले कभी महसूस नहीं किया। एक गांव की महिला की आत्मा और शक्ति को समझने से लेकर घुड़सवारी और तीरंदाजी की कड़ी ट्रेनिंग तक, ये सफर बेहद गहन और परिवर्तनकारी रहा। इस किरदार में वो सब कुछ है जिसका एक अभिनेता सपना देखता है - ताकत, संवेदनशीलता और एक मजबूत आवाज़।

इस उग्र योद्धा रूप में ढलना मेरे करियर के सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक रहा है। स्वयंभू के अलावा भी सम्युक्ता के पास कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइनअप में हैं, जहां वो अपनी बढ़ती रेंज दिखाती नजर आएंगी। जल्द ही वो ब्लैक गोल्ड में एक सशक्त पुलिस अधिकारी के रूप में फिल्म को लीड करेंगी और साथ ही पुरी जगन्नाध की स्लम डॉग में विजय सेतुपति और तब्बू के साथ स्क्रीन साझा करती दिखाई देंगी।

आयशा शर्मा की क्रिएटिव यात्रा में नया मोड़: अब बनीं लेखिका भी अभिनेत्री

आयशा शर्मा अपनी रचनात्मक पहचान को एक नया आयाम दे रही हैं। अब वे पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के साथ बतौर लेखिका डेब्यू कर रही हैं। सोशल मीडिया पर अपनी दमदार मौजूदगी और एक गहराई से जुड़ी कम्युनिटी के लिए जानी जाने वाली आयशा शर्मा ने धीरे-धीरे अपनी एक अलग आवाज़ बनाई है, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। इस किताब के जरिए वह अभिव्यक्ति का एक और रास्ता तलाश रही हैं-एक ऐसा रास्ता जो ठहराव, आत्मचिंतन और भावनात्मक ईमानदारी को जगह देता है। उनकी पहली किताब सौ छोटे-छोटे ध्यानपूर्ण विचारों का संग्रह है, जो ताकत, कोमलता और आत्म-प्रेम के इर्द-गिर्द बुना गया है। रोजमर्रा की भावनाओं से जुड़ी यह किताब खास तौर पर उन लोगों के लिए है जो थकान, आत्म-संदेह और हर वक्त खुद को साबित करने के दबाव से जूझ रहे हैं। यह किताब हल देने का दावा नहीं करती, बल्कि एक ऐसा स्पेस बनाती है जहाँ पाठक खुद को पहचान सकें और एक सुकून भरी तसल्ली महसूस कर सकें। किताब के पीछे की भावना साझा करते हुए आयशा शर्मा कहती हैं, मेरा मानना है कि सही किताब आपको सही समय पर मिलती है। उम्मीद है यह किताब आपको तब मिले जब आपको इसकी सबसे ज्यादा जरूरत हो। और जब मिले, तो आपको ऐसा महसूस हो जैसे किसी ने चुपचाप आपको गले लगा लिया हो। मेरे पास सारे जवाब नहीं हैं, लेकिन अगर मेरी लिखी बातों में आपको लगे कि 'ये तो वही एहसास है जिसे मैं हमेशा महसूस करती थी, पर शब्द नहीं दे पाती थी, तो मेरे लिए वही काफी है।

आयशा शर्मा के लिए लेखन उनकी डिजिटल मौजूदगी का स्वाभाविक विस्तार है, जहाँ आत्म-विकास, भावनात्मक संतुलन और अंदरूनी सफर जैसे विषय पहले से ही उनके दर्शकों से गहराई से जुड़ते हैं। यह नया अध्याय उनकी उस कोशिश को दर्शाता है जिसमें वह अभिनय, डिजिटल कहानी कहने और अब लेखन-तीनों के बीच सहजता से सफर करती हुई एक मुकम्मल क्रिएटिव पहचान गढ़ रही हैं।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'दो दीवाने सहर में' के साथ शुरू किया अपना रोमांटिक हीरो का सफर

सिद्धांत चतुर्वेदी अपने सिनेमाई सफर के एक नए अध्याय में कदम रख रहे हैं, जहां वह पहली बार पूरी तरह से रोमांटिक हीरो की भूमिका निभाते नजर आनेवाले हैं। फिलहाल फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के जरिए वह अपने अब तक के इंटेंस और लेयर्ड किरदारों से अलग, संवेदनशील, आकर्षक और भावनात्मक अंदाज में दिखाई देंगे। कई लोग इसे उनका 'लवर बॉय एरा' भी कह रहे हैं। संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म के साथ सिद्धांत एक ऐसे सिनेमा जगत में प्रवेश कर रहे हैं, जहां उन्हें 'भंसाली हीरो' की पहचान मिल रही है। ये वो दुनिया है, जहां प्रेम काव्यात्मक होता है, भावनाएं गहरी होती हैं और कहानी कहने के कई अंदाज होते हैं। ये कहें तो गलत नहीं होगा कि भंसाली से जुड़ा प्रोजेक्ट अपने आप में एक विरासत और भव्यता का प्रतीक माना जाता है, और इस जोन में सिद्धांत का आना उनके करियर के विस्तार और विकास का संकेत देता है। गौरतलब है कि फिल्म में पहली बार उनकी जोड़ी मृणाल ठाकुर के साथ बनी है, जो फिल्म की ताजगी को और भी खास बनाती है। फिलहाल दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर शुरुआती झलकियों ने ही दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी है और सिद्धांत को रोमांटिक हीरो के तौर पर स्थापित कर दिया है। ऐसे में यह कहें तो गलत नहीं होगा कि 20 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही फिल्म 'दो दीवाने सहर में' से भंसाली हीरो के तौर पर सिद्धांत चतुर्वेदी की जगह पूरी तरह से पक्की हो गई है।

फाल्गुन संक्रांति पर सूर्य का कुंभ राशि में प्रवेश

जानें स्नान दान मुहूर्त और राशियों पर प्रभाव

सूर्य और शुक्र की युति कुंभ राशि में होने से कल यानी शुक्रवार को शुक्रादित्य योग बन रहा है। इसे वैदिक ज्योतिष में अत्यंत शुभ फल देने वाला राजयोग माना जाता है। यह योग जातक को धन–संपदा, विलासिता पूर्ण जीवन और मान–सम्मान प्रदान करता है। मेष और वृषभ सहित कुछ राशियों के लिए सूर्य–शुक्र की युति विशेष रूप से फलदायी रहने वाली है। इन राशियों को करियर में सफलता और धन लाभ के कई अप्रत्याशित मौके मिलेंगे। शुक्र के प्रभाव के कारण सुख–सुविधाओं में इजाफा होगा और प्रेम जीवन में मधुरता आएगी।

मेष राशि – मेष राशि के जातकों को आज के दिन हर नए काम के कानूनी पहलुओं पर अच्छी तरह से गौर करके चलना होगा। व्यापार के सिलसिले में किसी की सलाह लेने की जरूरत पड़ सकती है। आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा।

वृष राशि – वृष राशि के जातकों के लिए आज दिन की शुरूआत व्यवसाय से जुड़ी समस्याओं को हल करने से होगी। किसी कॉम्पिटिशन में आपकी जीत हो सकती है, बशर्ते आप पूरी मेहनत और लगन से जुट जाएं। प्यार के मामले में आज का दिन ठीक है।

मिथुन राशि – मिथुन राशि वालों को आज दूसरों की भावनाओं को पहचानना होगा। अगर उनके अनुसार चलेंगे तो आपको काफी आत्म संतोष होगा। कभी–कभार दूसरों की बात सुनने में कोई परहेज नहीं है। ऑफिस में भी टीमवर्क के जरिए ही आप किसी कठिन प्राब्लम का हल निकालने में सफल हो पाएंगे।

कर्क राशि – आज के दिन कर्क राशि वालों के पास खुद को साबित करने के कई मौके आएंगे। उन मौके को पहचान कर उन पर खरा उतरना आपकी जिम्मेदारी है। यह भी सोच लीजिए कि मौके बार–बार दरवाजे पर दस्तक नहीं देंगे। आर्थिक दृष्टि से दिन अच्छा रहेगा।

सिंह राशि – सिंह राशि के जातकों को आज किसी जानकार को छोटा मोटा कर्ज देना पड़ सकता है। आज आपको दिन से पहले हिस्से में दूसरों की आर्थिक मदद करने में ही अपना समय गुजारना पड़ सकता है। किसी कठिन समस्या का हल निकल आएगा। बड़ों से सलाह लेना अच्छा रहेगा। किसी अपने से थोड़े समय के लिए दूर जाने की स्थिति आ सकती है।

कन्या राशि – कन्या राशि के लोगों के ऊपर आज ढेर सारी जिम्मेदारियां आ सकती हैं। घर के सभी पुराने लटके हुए कामों को पूरा करने का मौका मिलेगा। दिन के दूसरे हिस्से में अपने प्रिय के साथ घूमने फिरने का प्लान बनाया जा सकता है। बिजनेस में किसी तरह का जोखिम उठाने का काम करना फायदेमंद नहीं होगा।

तुला राशि –शुक्रवार का दिन तुला राशि वालों के लिए अपनी पुरानी देनदारी चुकाने का होगा। कुछ जरूरी सामान की शापिंग करनी पड़ सकती है। अपनी जेब का खास ख्याल रखें। ऐसी चीजें कतई न खरीदें जो फिलहाल आपके काम में आने वाला नहीं ह। आपके ओरिज़नल आइडियाज पसंद किए जाएंगे।

वृश्चिक राशि –आज वृश्चिक राशि के जातकों का दिन बहुत बिजी रखेगा। दिन के पहले हिस्से में कुछ जरूरी फोन और ईमेल्स का जवाब देना जरूरी होगा। कोई पुराना दोस्त अचानक आपके सामने आकर खड़ा हो सकता है। अगर आपसे उधार मांगे तो पहले आप अपनी सेविंग्स पर जरूर नज़र डाल लें।

धनु राशि –धनु राशि वालों को आज आपके कर्मक्षेत्र में कुछ नए अधिकार दिए जा सकते हैं। किसी क्रियेटिव काम में भी आपकी रुचि बढ़ेगी। जरूरी सामान की खरीदारी में शाम का समय बीतेगा। घर में बड़े बुजुर्गों से बहसबाजी में न उलझें तो अच्छा है उनकी राय भी सुन लें क्या पता कभी वक्त पड़ने पर काम जा जाएं।

मकर राशि –मकर राशि के जातक सुबह से ही किसी नए प्रोग्राम को लेकर आपके अन्दर नई शक्ति और एनर्जी रहेगी। किसी लव अफेयर को लेकर भी आप काफी एक्साइटेड रहेंगे। दिल की बात जुबान पर लाने का यह सबसे अच्छा समय है। ऑफिस में आपके प्रमोशन या सैलरी बढ़ाने की बात चल रही है।

कुंभ राशि –कुंभ राशि के जातकों के लिए शुक्रवार का दिन लाभ दिलाने वाला रहेगा। आज दिन के पहले हिस्से में आपको छुटपुट धन का लाभ होने की संभावना है। कोई भी नौकरी शुरूआत में छोटी या बड़ी नहीं होती। एक बार एक्सपीरिएंश हो जाए तो बस दुनिया अपनी मुट्ठी में ही समझिए।

मीन राशि –मीन राशि के जातक आज अपने में मस्त रहेंगे। किसी भी विरोधी की आलोचना की तरफ बिल्कुल ध्यान न लगाएं। अपना काम करते रहें। सफलता एक दिन जरूर आपके कदम चूमेगी। आप अपने सोशल सर्कल में मेलजोल बढ़ाने में कामयाब हो जाएंगे। मान सम्मान में बढ़ोत्तरी हो सकती है।

शनि की राशि में सूर्य का गोचर और बदलेगा कई राशियों का भाग्य

हिंदू ज्योतिष में ग्रहों के गोचर को जीवन में होने वाले बदलावों का बड़ा संकेत माना जाता है। हर ग्रह तय समय पर अपनी राशि बदलता है और उसका प्रभाव सभी बारह राशियों पर किसी न किसी रूप में दिखाई देता है। सूर्य को ज्योतिष में आत्मबल, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक प्रतिष्ठा का कारक माना गया है। जब सूर्य राशि परिवर्तन करते हैं तो करियर, धन, रिश्ते और दैनिक जीवन से जुड़े कई क्षेत्रों में बदलाव महसूस किए जाते हैं। 13 फरवरी 2026 को सूर्य मकर राशि से निकलकर कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे। यह गोचर इसलिए खास माना जा रहा है क्योंकि मकर और कुंभ, दोनों ही शनि की राशियां हैं। यानी सूर्य लगातार दूसरी बार शनि की राशि में भ्रमण करेंगे। ज्योतिषीय दृष्टि से यह एक महत्वपूर्ण संयोग माना जाता है, जिसका असर कुछ राशियों के लिए सकारात्मक बदलाव लेकर आ सकता है। इस गोचर से कई लोगों को करियर में गति, आर्थिक मामलों में राहत और निजी जीवन में स्थिरता का अनुभव हो सकता है।

सूर्य गोचर का राशियों पर प्रभाव

मेष राशि–मेष राशि वालों के लिए यह सूर्य गोचर नए अवसरों के संकेत दे रहा है। कार्यक्षेत्र में लंबे समय से अटके काम गति पकड़ सकते हैं और जिम्मेदारियों में बदलाव देखने को मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए नई भूमिका या बेहतर प्रस्ताव सामने आ सकता है। आर्थिक स्थिति में धीरे–धीरे सुधार के योग हैं और भविष्य से जुड़ी योजनाओं पर काम आगे बढ़ सकता है। पारिवारिक माहौल संतुलित रहेगा और वरिष्ठ लोगों का सहयोग मनोबल बढ़ाएगा।

मिथुन राशि –मिथुन राशि के जातकों के लिए यह समय भाग्य का साथ देने वाला हो सकता है। धन से जुड़ी उलझनें कम होंगी और पुराने प्रयासों का परिणाम मिलने की संभावना बनेगी। शिक्षा से जुड़े लोगों के लिए यह गोचर सकारात्मक रहेगा, जिससे पढ़ाई में फोकस और आत्मविश्वास बढ़ सकता है। विदेश या दूर स्थानों से जुड़े अवसर भी सामने आ सकते हैं। रिश्तों में स्थिरता आएगी और घर का वातावरण पहले से अधिक सहज महसूस होगा।

तुला राशि –तुला राशि वालों के करियर में इस सूर्य गोचर के बाद सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं। कार्यस्थल पर आपकी मेहनत की पहचान बढ़ेगी और वरिष्ठों का भरोसा मजबूत होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा और किसी नई जिम्मेदारी से लाभ की उम्मीद की जा सकती है। प्रतियोगी परीक्षाओं या किसी विशेष लक्ष्य की तैयारी कर रहे लोगों के लिए समय अनुकूल संकेत दे रहा है। पारिवारिक संबंधों में भी आपसी समझ बेहतर होगी।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के लिए यह गोचर विशेष महत्व रखता है क्योंकि सूर्य इसी राशि में प्रवेश कर रहे हैं। इससे जीवन में आत्मविश्वास और स्पष्टता बढ़ सकती है। सामाजिक स्तर पर मान–सम्मान में वृद्धि के संकेत हैं और लोगों के बीच आपकी पहचान मजबूत हो सकती है। पारिवारिक जीवन में चल रही खटास कम होने की संभावना है। यात्रा से जुड़े मामलों में लाभ मिल सकता है और लंबे समय से रुके काम पूरे होने के संकेत दिखाई दे रहे हैं।

महाशिवरात्रि पर भोलेनाथ को अक्षत के साथ चढाएं यह दाल, शिव पुराण मे बतया गया है बड़ा लाभ

महाशिवरात्रि का शिव भक्तों के लिए सबसे बड़ा उत्सव है। इस दिन माता पार्वती और भगवान शिव एक हुए थे। इस दिन भगवान शिव माता पार्वती के साथ शादी के बंधन में बंधे थे। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति सच्चे दिल से भगवान शिव और माता पार्वती का अभिषेक करता है उसकी सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। साथ ही उनका आशीर्वाद भी बना रहता है। शिवपुराण के अनुसार, महाशिवरात्रि के मौके शिवलिंग की विशेष पूजा अर्चना करने से सारी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। आइए जानते हैं शिवलिंग पर क्या चढ़ाना चाहिए।

महाशिवरात्रि पर शिवलिंग पर चढ़ाएं ये 4 चीजें

* अक्षत का पूजा में विशेष महत्व बताया गया है। शिव पुराण के अनुसार, महाशिवरात्रि के दिन शिवलिंग पर 108 गिनकर अक्षत अर्पित करें। आप चाहे तो बिना गिने भी अक्षत अर्पित कर सकते हैं लेकिन, इस बात का ख्याल रखें कि अक्षत अखंड हो टूटे हुए न हों।

* शिवपुराण में बताया गया है कि अगर किसी व्यक्ति को आर्थिक परेशानियों ने घेरा हुआ है तो ऐसे में महाशिवरात्रि के मौके पर शिवलिंग पर अरहर की दाल चढ़ाना अत्यंत शुभ फलदायी माना गया है। ऐसी मान्यता है कि शिवलिंग पर अरहर की दाल चढ़ाने से व्यक्ति को धन–ऐश्वर्य और सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन में आ रहे दुखों से भी राहत मिलती है।

* शिवपुराण में बताया गया है कि महाशिवरात्रि के दिन अक्षत, अरहर दाल के अलावा मूंग की दाल भी अर्पित करनी चाहिए। मान्यता है कि अगर आपको कोई कार्य पूरा नहीं हो रहा है या अगर आपकी कोई इच्छा अधूरी है तो ऐसे में कोशिश करनी चाहिए कि आप भगवान शिव को मूंग की दाल अर्पित करें। ऐसी मान्यता है कि इस उपाय को करने से भगवान शिव जल्दी प्रसन्न होते हैं।

* शिवपुराण में बताया गया है कि शिवलिंग पर उड़द की दाल अर्पित करने से व्यक्ति को कारोबार में सफलता मिलती है। साथ ही आरोग्य में भी वृद्धि होती है। साथ ही जीवन में आने वाले संकट दूर होते हैं। साथ ही जीवन में खुशियां आती हैं।

* शिवपुराण में बताया गया है कि इन सभी चीजों को सोमवार के दिन भी आप अर्पित कर सकते हैं लेकिन, महाशिवरात्रि के मौके पर इन चीजों को शिवलिंग पर अर्पित करने से आपको दोगुना और जल्दी फल मिलता है। साथ ही भगवान शिव के साथ साथ माता पार्वती की कृपा भी प्राप्त होती है।

जब मन अशांत हो तो क्या करें, ज्योतिष शास्त्र के ये उपाय दूर करेंगे आपकी समस्या

अक्सर जब किसी व्यक्ति के जीवन में हलचल होती है, जब जीवन में वाद–विवाद, कलह–क्लेश, अपेक्षाओं का पूरा न होना, परिस्थितयां अनुकूल न होना जैसी स्थितियां आती हैं, तब उस व्यक्ति का मन किसी भी कार्य में नहीं लगता और नकारात्मक सोच–विचार घर करने लगते हैं, ऐसे में ज्योतिषीय उपायों का सहारा लेना सही रहता है। जहां मनोविज्ञान व्यक्ति के व्यक्तित्व, उसकी मानसिक क्षमता, उस व्यक्ति के बारे में असंख्य जानकारी उपलब्ध कराता है, वहीं ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों की स्थिति के द्वारा भी व्यक्ति के मन की परतों को खोलकर भीतर छिपे रहस्यों को उजागर किया जा सकता है।

उदाहरण के तौर पर किसी भी व्यक्ति की जन्मकुण्डली में यदि चन्द्रमा निर्बल हो, पीड़ित हो, नीच अवस्था में हो, तो उस व्यक्ति को निर्णय लेने में कठिनाई होती है और जीवन में जरा–सी विपरीत परिस्थिति सामने आने पर उसका मन तुरन्त विचलित हो जाता है। विचलित मन के प्रभाव से व्यक्ति के कार्य करने की क्षमता पर भी असर पड़ता है और नकारात्मक सोच–विचार घर करने लगते हैं। जब मन में नकारात्मक सोच–विचार ज्यादा आए, तो व्यक्ति को स्वयं को किसी ऐसे कार्य में लगाने का प्रयास करना चाहिए, जिसमें उस व्यक्ति की रुचि हो। ज्योतिष शास्त्र में उपायों के माध्यम से मन को सबल बनाने के विभिन्न माध्यम बताए जाते हैं, जो व्यक्ति को नकारात्मक परिस्थिति से लड़ने और अपने अनुकूल बनाने में मददगार साबित होते हैं।

मन को सबल बनाने के उपाय

जन्मकुण्डली में चन्द्रमा निर्बल होने पर शिव जी की शरण में जाना चाहिए।

प्रत्येक सोमवार शिवजी को जल एवं अक्षत चढ़ाने से व्यक्ति का मन शांत हो जाता है।

पूर्णिमा के दिन चांदी के अर्द्धचन्द्रमा में मोती जड़वाकर धारण करने से सुरक्षा कवच का कार्य होताहै, जिससे व्यक्ति का मन विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार रहता है।

प्रत्येक पूर्णिमा को व्रत रखकर सफेद वस्तुओं का दान करना भी श्रेयस्कर उपाय है, जिससे जन्मकुण्डली में मौजूद पीड़ित चन्द्रमा को बल प्राप्त होता है।

जन्मकुण्डली में चन्द्रमा यादि राहु के साथ स्थित हो, तो वह ग्रहण योग का सृजन करता है, अतः प्रत्येक सोमवार दो बड़े बताशे का दान अवश्य करना चाहिए।

ज्योतिष शास्त्र में चन्द्रमा माता का कारक है, अतः कोई भी विपरीत परिस्थिति हो, तो अपनी माता से सलाह लेकर ही कार्य–व्यवहार करें और उनकी सेवा करने से न चूकें।

महाशिवरात्रि पर करें यह विशेष उपाय, दूर होगा प्रतिकूल ग्रहदशा का नकारात्मक प्रभाव

महाशिवरात्रि पर शिवजी का पूजन–अर्चन, व्रत से अनिष्ट ग्रहों की शांति सहज ही सरल रूप में होती है। जन्मकुण्डली में अगर कालसर्पदोष विद्यमान हो, अथवा राहु–केतु की महादशा अथवा अन्तर्दशा पीड़ा दे रही हो, या फिर शनि की साढ़ेसाती अथवा ढैय्या कष्टकारी हो तो महाशिवरात्रि के दिन शिवजी का पूजन, व्रत विशेष राहत दिलाता है। शिवजी की पूजा सौभाग्य में वृद्धि, विवाह, संतान प्राप्ति, धन प्राप्ति आदि अनेक प्रयोजन से की जाती है।

मनचाहा वर प्राप्त करने का उपाय

धन प्राप्ति के लिए शिव ताण्डव स्तोत्र का पाठ शिवरात्रि के दिन अवश्य करना चाहिए। शिवरात्रि के दिन शिव–पार्वती की पूजा करने से विवाह योग्य कन्याओं को मनचाहा वर प्राप्त होता है। शिवरात्रि के दिन व्रत रखकर महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से उस घर–परिवार में कोई अकाल मृत्यु नहीं होती तथा घर के सभी सदस्य स्वस्थ रहते हैं। शिवरात्रि से बड़ा कोई परमतत्व नहीं है, शिवरात्रि व्रत एवं शिव पूजन के प्रभाव से असम्भव भी सम्भव हो जाते हैं, तथा मनुष्य पृथ्वी के समस्त सुखों को प्राप्त करता हुआ अन्त में मोक्ष को प्राप्त कर लेता है।

शिवरात्रि के दिन शिव जी का अभिषेक जिसे रूद्राभिषेक कहा जाता है, कराना बेहद कारगर सिद्ध होता है। रूद्राभिषेक विभिन्न कामनाओं के लिए रामबाण उपाय है। जो भक्त अनिष्ट ग्रह दशाओं के कारण कष्ट में हों और उन्हें अपनी ग्रहदशा की जानकारी न हो, वे मात्र शिवजी पर नाग–नागिन का एक चांदी का जोड़ा शिवरात्रि के दिन चढ़ा दें तो भगवान शिव की कृपा से उनके सभी कष्ट दूर हो जाते हैं।

महाशिवरात्रि पूजन विधान

शिवरात्रि में चार बार पूजन का चार प्रहर में विधान आता है और चार बार रुद्राभिषेक भी सम्पन्न करना चाहिए, प्रथम प्रहर में दुग्ध द्वारा शिव के ईशान स्वरूप को, द्वितीय प्रहर में दधि द्वारा अघोर स्वरूप को, तृतीय प्रहर में घृत द्वारा वामदेव रूप को तथा चतुर्थ प्रहर में मधु द्वारा सद्योजात स्वरूप को अभिषेक कर पूजन करना चाहिए। यदि साधक चार बार पूजन न भी कर सके तो प्रथम प्रहर में एक बार तो पूजन अवश्य ही करे। महाशिवरात्रि की रात्रि महा सिद्धिदायिनी होती है। इस समय में किए गए दान पुण्य, शिवलिंग की पूजा, स्थापना का विशेष फल प्राप्त होता है।

कुंडली बताए वर–वधु का आंतरिक स्वभाव, जिससे तय होता है सुखी वैवाहिक जीवन

जन्मपत्री का मिलान अगर देखा जाए तो केवल मंगल विचार और गुण मिलान ही संपूर्ण मिलान नहीं होता, एक–दूसरे की जन्म कुंडली में स्थित ग्रहों के शुभाशुभ परिणाम को भी देखना चाहिए, जैसे मंगली दोष देखा जाता है इस प्रकार से भावी वर–वधु की आयु, धन की स्थिति, सौभाग्य–दुर्भाग्य, संतान का योग, मानसिक स्थिति को भी ध्यान में रखना चाहिए। जन्मपत्री में चंद्रमा मन का कारक है, अतः चंद्रमा के साथ राहु की युति अथवा चन्द्र ग्रह का पीड़ित होना व्यक्ति को मानसिक अवसाद देता है।

चन्द्र तथा मंगल की युति व्यक्ति के अंदर आक्रोश पैदा करती है तथा व्यक्ति को क्षणिक गुस्से वाला बनाती है। इसी प्रकार अन्य ग्रहों की स्थिति, युति, बलबाल द्वारा विवाह से पूर्व जातक का स्वभाव, चरित्र, व्यवहार, कार्य करने की क्षमता इत्यादि का आकलन करना चाहिए, जिसके कारण विवाह के बाद दांपत्य जीवन में कष्टों का सामना न करना पड़े। अगर मनोवैज्ञानिकों की मानें तो मनुष्य के व्यक्तित्व को बाहरी एवं आंतरिक दो तरह से जाना जा सकता है, ज्यादातर लोग विवाह करते समय बाहरी व्यक्तित्व की चकाचौंध देखकर विवाह तय कर देते हैं और

आंतरिक व्यक्तित्व पर ध्यान ही नहीं देते।

शादी तय करते समय ज्यादातर लोग सरकारी नौकरी, जमीन–जायदाद, बिजनेस, वाहन आदि को प्राथमिकता देते हैं, उसके बाद लड़का देखने में कितना सुंदर है अथवा लड़की कितनी सुंदर है, आदि बाहरी व्यक्तित्व पर ही ध्यान देते हैं, परंतु होने वाले भावी वर–वधु का अंदरूनी स्वभाव कैसा है, इसको नजरअंदाज कर देते हैं, जिसके कारण वर्तमान समाज में दांपत्य जीवन में उलझन, परेशानी और तनाव को देखा जा सकता है, इसीलिए जन्मपत्री को स्थूल रूप की अपेक्षा सूक्ष्म रूप से मिलवाना चाहिए। कुछ लोग कंप्यूटर सॉफ्टवेयर पर खुद ही गुण मिलान देख लेते हैं जो की वास्तविक मिलान का कुछ प्रतिशत हिस्सा ही है। जन्मपत्री मिलान केवल मंगली मिलान और गुण मिलान न होकर वर एवं वधु, एक–दूसरे के सभी ग्रहों का सामंजस्य, शुभाशुभ योग देखकर ही निर्धारित किया जा सकता है, जिसके लिए किसी विशेषज्ञ की आवश्यकता है जिसे वर्षों का अनुभव हो। अतः माता–पिता स्वयं जन्मपत्री ना मिलाकर किसी अच्छे सलाहकार से ही जन्मपत्री मिलवाए जिससे कुंडली मिलान के बाद तलाक, मनमुटाव आदि समस्याओं का सामना न करना पड़े।

शुभ लाभ

संपादकीय

पाकिस्तान की नौटंकी खत्म

पाकिस्तान की यही नियति थी। उसे इसी तरह चाटना था। उसने सिर्फ बांग्लादेश की पैरोकारी और अंततः 'मुस्लिम ब्रदरहुड' की खातिर टीम इंडिया से मैच खेलने का बहिष्कार किया था। यह टी-20 विश्व कप का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का आयोजन है। पाकिस्तान हो या कोई अन्य देश हो, इस आयोजन के बेमानी बहिष्कार के मायने गंभीर और संवेदनशील होते हैं। देश अपनी पहचान तक खो सकते हैं, लंबी पाबंदियां झेलनी पड़ सकती हैं और आर्थिक नुकसान असहनीय होता है। पाकिस्तान ने 1970-71 के दौर में बांग्लादेश के 'मुक्ति संग्राम' के दौरान लाखों बेगुनाह लोगों की लाशें बिछाई थीं, औरतों के साथ वहशी बलात्कार किए गए थे, बच्चों के कत्लेआम किए गए थे, बांग्लादेश उस दौर को कैसे भूल सकता है? पाकिस्तान के साथ नए रिश्तों की पींगें कैसे बढ़ा सकता है? कोई तानाशाह, संवेदनहीन व्यक्ति भी इन सवालों के जवाब नहीं दे सकता। बहरहाल पाकिस्तान की विडंबना देखिए कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी ऐलान किया था कि उनकी क्रिकेट टीम भारत के साथ मैच नहीं खेलेगी, लेकिन दो दिन बाद ही उन्हें अपनी नौटंकी वापस लेनी पड़ी कि दोस्तों का आग्रह है, लिहाजा 15 फरवरी को भारत-पाकिस्तान मैच में उनकी टीम खेलेगी। कितना बौना, असहाय, नासमझ है पाकिस्तान का वजीर-ए-आजम! यह बौनापन इसलिए भी गौरतलब और चिंतनीय है, क्योंकि पाकिस्तान का 'संवैधानिक शाह' जनरल मुनीर और उसके साले, पाक गृहमंत्री, पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी अंदरूनी तौर पर चाहते थे कि भारत के साथ मैच खेला जाना चाहिए। लिहाजा कुछ शर्तों का भी ढोंग किया गया। मसलन-आईसीसी निर्देश दे कि भारत-पाक द्विपक्षीय श्रृंखला खेली जाए। बेशक श्रृंखला का आयोजन किसी तटस्थ मैदान पर किया जाए। आईसीसी भारत, पाक, बांग्लादेश क्रिकेट की त्रिपक्षीय श्रृंखला के लिए भी निर्देश दे। यह भी शर्त रखी गई कि टीम इंडिया बांग्लादेश का दौरा करे। गौरतलब यह है कि आईसीसी ने तीनों ढोंगिया शर्तें खारिज कर दीं और साफ किया कि यह उसका विशेषाधिकार नहीं है। आईसीसी ने भारत के साथ मैच खेलने का पाकिस्तान का आखिरी फैसला जानना चाहा। ये औपचारिकताएं अंतरराष्ट्रीय मंच पर करनी जरूरी हैं। अलबत्ता पीसीबी को आगाह किया गया कि यदि मैच का बहिष्कार किया जाता है, तो उसे करीब 315 करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ सकता है। पाकिस्तान पर कई पाबंदियां थोपी जा सकती हैं। आईसीसी मैचों की मेजबानी की सूची से उसे बाहर किया जा सकता है। पाकिस्तान को कुल करीब 1000 करोड़ रुपए की चपत लग सकती है। आखिर भूखा, नंगा, कटोरा देश इतने बड़े नुकसान की भरपाई कैसे कर सकता है? सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, चीन, तुर्किए सरीखे देशों ने 'उधारी' देने से इंकार कर दिया है, बल्कि चीन तो कर्ज के पैसे वापस मांग रहा है। ऐसे हालात के तहत घबराते, डरते, कांपते हुए पीसीबी को मैच खेलने की हामी भरनी पड़ी। आईसीसी ने इतना जरूर माना कि टी-20 विश्व कप से हटने पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड पर कोई जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। सहमति यह भी बनी कि 2031 से पहले बांग्लादेश किसी आईसीसी आयोजन की मेजबानी करेगा। दरअसल यह विषय इसलिए बेहद गंभीर है, क्योंकि आईसीसी के राजस्व में से मात्र 6 फीसदी से भी कम हिस्सा पीसीबी का है, जबकि बीसीसीआई को 38 फीसदी हिस्सा दिया जाता है। यह भी एक कारण था, जो आईसीसी पाकिस्तान के बहिष्कार से नाराज थी। हालांकि पीसीबी ने 15 फरवरी का मैच कोलंबो (श्रीलंका) में खेलने की रजामंदी दे दी है, लेकिन कुछ भारतीय पाक से क्रिकेट नहीं चाहते।

> पाकिस्तान ने 1970-71 के दौर में बांग्लादेश के 'मुक्ति संग्राम' के दौरान लाखों बेगुनाह लोगों की लाशें बिछाई थीं, औरतों के साथ वहशी बलात्कार किए गए थे, बच्चों के कत्लेआम किए गए थे, बांग्लादेश उस दौर को कैसे भूल सकता है? पाकिस्तान के साथ नए रिश्तों की पींगें कैसे बढ़ा सकता है? कोई तानाशाह, संवेदनहीन व्यक्ति भी इन सवालों के जवाब नहीं दे सकता। बहरहाल पाकिस्तान की विडंबना देखिए कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी ऐलान किया था कि उनकी क्रिकेट टीम भारत के साथ मैच नहीं खेलेगी, लेकिन दो दिन बाद ही उन्हें अपनी नौटंकी वापस लेनी पड़ी कि दोस्तों का आग्रह है, लिहाजा 15 फरवरी को भारत-पाकिस्तान मैच में उनकी टीम खेलेगी। कितना बौना, असहाय, नासमझ है पाकिस्तान का वजीर-ए-आजम! यह बौनापन इसलिए भी गौरतलब और चिंतनीय है, क्योंकि पाकिस्तान का 'संवैधानिक शाह' जनरल मुनीर और उसके साले, पाक गृहमंत्री, पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी अंदरूनी तौर पर चाहते थे कि भारत के साथ मैच खेला जाना चाहिए। लिहाजा कुछ शर्तों का भी ढोंग किया गया। मसलन-आईसीसी निर्देश दे कि भारत-पाक द्विपक्षीय श्रृंखला खेली जाए। बेशक श्रृंखला का आयोजन किसी तटस्थ मैदान पर किया जाए। आईसीसी भारत, पाक, बांग्लादेश क्रिकेट की त्रिपक्षीय श्रृंखला के लिए भी निर्देश दे। यह भी शर्त रखी गई कि टीम इंडिया बांग्लादेश का दौरा करे। गौरतलब यह है कि आईसीसी ने तीनों ढोंगिया शर्तें खारिज कर दीं और साफ किया कि यह उसका विशेषाधिकार नहीं है। आईसीसी ने भारत के साथ मैच खेलने का पाकिस्तान का आखिरी फैसला जानना चाहा। ये औपचारिकताएं अंतरराष्ट्रीय मंच पर करनी जरूरी हैं। अलबत्ता पीसीबी को आगाह किया गया कि यदि मैच का बहिष्कार किया जाता है, तो उसे करीब 315 करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ सकता है। पाकिस्तान पर कई पाबंदियां थोपी जा सकती हैं।

रोलिंग्स ने उम्मीद जताई कि नए व्यापार समझौते की वजह से विशाल आबादी वाला भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण बाजार हो सकता है

कृषि उपज के लिए बाजार को खोलना यानी बवंडर को निमंत्रण

उमेश चतुर्वेदी

इसमें दो राय नहीं है कि संयुक्त राज्य अमेरिका बरसों से भारतीय कृषि बाजार में बड़ी और व्यापक पहुंच हासिल करने की कोशिश में है। हाल ही में अमेरिका के साथ भारत ने महत्वपूर्ण व्यापार समझौता किया है। इसके तहत अमेरिकी बाजारों में भारतीय सामान 18 प्रतिशत के ही टैरिफ पर उपलब्ध हो सकेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय सामानों पर मनमाने तरीके से थोपे गए पचास प्रतिशत के टैरिफ के मुकाबले मौजूदा व्यापार समझौते के तहत अमेरिका की ओर से प्रस्तावित 18 प्रतिशत का टैरिफ कम ही कहा जाएगा। हालांकि अतीत के करीब तीन प्रतिशत के मुकाबले फिर भी यह बहुत ज्यादा है। बहरहाल इसी समझौते के मद्देनजर जिस तरह से अमेरिकी कृषि मंत्री ब्रुक लेस्ली रोलिंग्स ने खुशी जताई, उससे भारतीय किसान आशंकित हो उठे। भारतीय किसानों के आशंकित होने की वजह रोलिंग्स का बयान ही नहीं, अमेरिकी कृषि विभाग की कोशिशें भी हैं। रोलिंग्स ने व्यापार समझौते पर तीन फरवरी को एक्स पर खुशी जताते हुए लिखा कि यह समझौता अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारत के विशाल बाजार में अधिक निर्यात करने में मदद करेगा, जिससे अमेरिकी कृषि उत्पादों की कीमतें बढ़ेंगी। इससे ग्रामीण अमेरिका में नकदी आएगी। रोलिंग्स यहीं पर नहीं रूके। उन्होंने सिर्फ 2024 के आंकड़ों का हवाला देते हुए लिखा कि भारत के साथ कृषि कारोबार के चलते अमेरिका को 1.3 अरब डॉलर का घाटा हो रहा है। रोलिंग्स ने उम्मीद जताई कि नए व्यापार समझौते की वजह से विशाल आबादी वाला भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण बाजार हो सकता है। रोलिंग्स की इस खुशी की वजह से भारतीय किसानों का आशंकित होना जायज है। अमेरिका का कृषि व्यापार घाटा पचास अरब डॉलर है, इसलिए वह लगातार कोशिश करता रहा है कि भारत अपने कृषि बाजारों को खोले। भारत की चिंता की वजह उसकी खेती-किसानी वाली बड़ी जनसंख्या है। भारत के छियासी प्रतिशत किसान सीमांत या लघु हैं। जिनकी जोत दो हेक्टेयर से कम है। भारत में खेती पर करीब 10.7 करोड़ परिवार निर्भर हैं। यह जनसंख्या का करीब बासठ प्रतिशत है। अगर अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजारों में घुसने की अनुमति मिलती है तो भारी सब्सिडी के चलते भारतीय बाजार अमेरिकी कृषि उत्पादों से भर जाएंगे। इससे भारतीय उत्पादों की मांग घट सकती है। इससे भारतीय किसानों के सामने संकट उठ खड़ा हो सकता है। किसानों की आशंकाओं को विपक्षी दलों ने अपने ऊंचे सुरों से और बढ़ाया ही है। लेकिन कृषि, किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह का कहना है कि भारत-अमेरिकी व्यापार समझौते में भारतीय कृषि और डेयरी क्षेत्र के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया गया है और किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं। चौहान का यह भी कहना है कि इस कारोबारी समझौते से देश के मुख्य खाद्यान्नों, मिलेट्स, फलों, सब्ज़ियों और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह अलग रखा गया है। इस

> अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय सामानों पर मनमाने तरीके से थोपे गए पचास प्रतिशत के टैरिफ के मुकाबले मौजूदा व्यापार समझौते के तहत अमेरिका की ओर से प्रस्तावित 18 प्रतिशत का टैरिफ कम ही कहा जाएगा। हालांकि अतीत के करीब तीन प्रतिशत के मुकाबले फिर भी यह बहुत ज्यादा है। बहरहाल इसी समझौते के मद्देनजर जिस तरह से अमेरिकी कृषि मंत्री ब्रुक लेस्ली रोलिंग्स ने खुशी जताई, उससे भारतीय किसान आशंकित हो उठे। भारतीय किसानों के आशंकित होने की वजह रोलिंग्स का बयान ही नहीं, अमेरिकी कृषि विभाग की कोशिशें भी हैं। रोलिंग्स ने व्यापार समझौते पर तीन फरवरी को एक्स पर खुशी जताते हुए लिखा कि यह समझौता अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारत के विशाल बाजार में अधिक निर्यात करने में मदद करेगा, जिससे अमेरिकी कृषि उत्पादों की कीमतें बढ़ेंगी। इससे ग्रामीण अमेरिका में नकदी आएगी।

लिहाज से देखें तो इस कारोबार समझौते से देश के कृषि और डेयरी क्षेत्र पर किसी प्रकार का खतरा नहीं है। शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक, इस समझौते से भारतीय किसानों को नए अवसर मिलेंगे, क्योंकि इस समझौते में कृषि क्षेत्र को नुकसान पहुंचाए, ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया है। भारत अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों को चावल का बड़ा निर्यातक है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, भारत की ओर से अमेरिका समेत कई देशों को करीब 63 हजार करोड़ के चावल का निर्यात कर चुका है। भारत सरकार का दावा है कि नए टैरिफ समझौते से भारतीय किसानों के चावल और मसालों के साथ ही टेक्सटाइल का निर्यात बढ़ेगा। भारत-अमेरिकी समझौते के तहत भारत को अमेरिका से पांच सौ अरब डॉलर का सामान पांच सालों में खरीदना है। वैसे समझौते पर जो संयुक्त वक्तव्य जारी हुआ है, उसके तहत भारतीय कृषि बाजार को भी खोलने की बात कही गई है। लेकिन सरकारी सूत्रों का कहना है कि इस समझौते से, भारतीय चावल, गेहूं, सोया और मक्का जैसे अनाजों को बाहर रखा गया है और साथ ही ट्रेड डील से चीनी और डेयरी प्रोडक्ट्स भी बाहर हैं। ऐसा करने की वजह यह है कि भारतीय किसान और डेयरी उद्योग को कारोबारी परेशानियां न झेलनीं पड़ें। वैसे भी भारत लंबे समय से कृषि और डेयरी उद्योग को 'रेड-लाइन' यानी किनारे रखने वाला सेक्टर मानता रहा है। इसकी वजह है कि गांवों में इनसे जुड़े काफी रोजगार हैं। इन सेक्टर को खोलने को लेकर भारत की बातचीत यूरोप और ब्रिटेन से भी अटक चुकी है। ऐसे में अमेरिका के लिए इस बाजार को खोलना भारतीय किसानों के लिए नुकसानदायक तो होगा ही, राजनीतिक बवंडर की वजह भी बन सकता है। इस बवंडर का सामना करने की हिम्मत विरली राजनीतिक ताकतें ही कर सकती हैं। इस समझौते से भारतीय निर्यातकों, खासतौर पर एमएसएमई, किसानों और मछुआरों के लिए तीन लाख अरब अमेरिकी डॉलर का बड़ा बाजार खुलने की उम्मीद है। इसकी वजह से जो निर्यात बढ़ेगा, उससे महिलाओं और युवाओं के लिए लाखों नए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना जताई जा रही है। भारत मक्का, गेहूं, चावल, सोया, मुर्गी पालन, दूध, पनीर, एथनॉल, तंबाकू, सब्जियां और मांस सहित संवेदनशील कृषि और दुग्ध उत्पादों को पूर्ण रूप से संरक्षित करेगा। दोनों देश अपने-अपने हित वाले क्षेत्रों में एक-दूसरे को तरजीही बाजार पहुंच प्रदान करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 में भारत ने अमेरिका से 2.4 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद आयात किए थे, जिनमें ज्यादातर ताजे फल, सूखे मेवे, बादाम, अखरोट मादक पेय, कच्चा कपास, वनस्पति तेल और प्रोसेस्ड सामान हैं। दूसरी तरफ भारत ने अमेरिका को 6.2 अरब डॉलर का कृषि निर्यात किया, जिनमें समुद्री उत्पाद, मसाले, डेयरी उत्पाद, चावल, जड़ी-बूटियों के आयुर्वेदिक उत्पाद प्रमुख रहे। यह भारत के कुल 53.2 अरब डॉलर सालाना के कृषि निर्यात का 11.74 प्रतिशत है। कृषि और डेयरी उत्पाद के कारोबार के इसी असुंलन की वजह से अमेरिका भारतीय बाजार में घुसने की लगातार कोशिश कर रहा है। लेकिन भारतीय सूत्र इससे साफ इनकार कर रहे हैं। भारत के सामने संकट यह है कि अगर उसने इस क्षेत्र को खोला तो छोटे और सीमांत किसानों के सामने जो चुनौतियां खड़ी होंगी, उनसे वह कैसे निबट पाएगा।

देश दुनिया से

एआई पर लगाम, झूठ पर विरामः नया डिजिटल फरमान

डिजिटल दुनिया में अब लापरवाही और देरी की कोई जगह नहीं बची है। एक झूठी खबर या फर्जी वीडियो कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है और समाज में उथल-पुथल मचा सकता है। इसी गंभीर खतरे को समझते हुए भारत ने तकनीकी इतिहास में एक सख्त और निर्णायक कदम उठाया है। 10 फरवरी 2026 को जारी संशोधित आईटी नियमों के तहत सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अवैध और हानिकारक सामग्री हटाने के लिए केवल तीन घंटे का अल्टीमेटम दिया है, जो 20 फरवरी 2026 से लागू होगा। पहले जहां कंपनियों को 36 घंटे का समय मिलता था, अब वह घटकर मात्र तीन घंटे रह गया है। यह फैसला साफ संदेश देता है कि भारत अब डीपफेक, फर्जी खबरों और डिजिटल अराजकता के खिलाफ किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं करेगा। इन नए नियमों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू एआई-जनरेटेड सामग्री पर विशेष ध्यान देना है। अब सभी कृत्रिम रूप से तैयार किए गए ऑडियो, वीडियो और चित्रों को स्पष्ट रूप से लेबल करना अनिवार्य होगा। प्लेटफॉर्म्स को यह सुनिश्चित करना होगा कि उपयोगकर्ता यह घोषणा करें कि उनकी सामग्री एआई से बनी है या नहीं। साथ ही, जहां संभव हो, स्थायी मेटाडेटा को एम्बेड करना होगा, ताकि मूल स्रोत का पता लगाया जा सके। यह व्यवस्था डीपफेक और फर्जी वीडियो के बढ़ते खतरे पर रोक लगाने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। इससे महिलाओं, सार्वजनिक हस्तियों और आम नागरिकों की गरिमा सुरक्षित होगी और समाज में विश्वास का वातावरण बनेगा। तीन घंटे की समयसीमा पहली नजर में सोशल मीडिया कंपनियों के लिए कठिन लग सकती है, लेकिन वास्तव में यह एक सकारात्मक और रचनात्मक दबाव है। मेटा, यूट्यूब और एक्स जैसे बड़े प्लेटफॉर्म्स अब अपनी तकनीकी क्षमताओं को और अधिक मजबूत करेंगे। एआई आधारित मॉडरेशन सिस्टम, ऑटोमेटेड डिटेक्शन टूल्स और रियल-टाइम मॉनिटरिंग तकनीकों का तेजी से विकास होगा। भारत का विशाल डिजिटल बाजार कंपनियों को मजबूर करेगा कि वे बेहतर और अधिक जिम्मेदार प्रणालियां विकसित करें। इससे न केवल भारत में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी डिजिटल सुरक्षा के मानक ऊंचे होंगे। यह नियम कंपनियों को नवाचार के लिए प्रेरित करता है, न कि उन्हें सीमित करता है। इस नीति का सबसे बड़ा लाभ महिलाओं, बच्चों और कमजोर वर्गों को मिलेगा। गैर-सहमति वाली अंतरंग तस्वीरों और वीडियो के मामलों में अब केवल दो घंटे की समयसीमा तय की गई है, जो पीड़ितों को त्वरित राहत प्रदान करेगी। पहले ऐसी सामग्री घंटों या दिनों तक वायरल हो जाती थी, जिससे मानसिक और सामाजिक नुकसान होता था। अब हटाने की प्रक्रिया इतनी तेज होगी कि नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकेगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह नियम राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और बाल यौन शोषण से जुड़ी सामग्री पर विशेष ध्यान देता है। इससे डिजिटल हिंसा में कमी आएगी और समाज में सुरक्षा की भावना मजबूत होगी। नियमों की मजबूती को और बढ़ाने के लिए सरकार ने प्लेटफॉर्म्स पर अनुपालन की जिम्मेदारी को और सख्त किया है। यदि कोई इंटरमीडियरी इन निर्देशों का पालन नहीं करता, तो उसे सुरक्षित हार्बर संरक्षण खोने का खतरा होगा, जो कंपनियों को और अधिक जिम्मेदार बनाएगा। साथ ही, उपयोगकर्ता शिकायतों के निवारण को और मजबूत किया गया है, जिससे पीड़ितों को तेज न्याय मिलेगा। प्लेटफॉर्म्स को अब हर तिमाही उपयोगकर्ताओं को एआई दुरुपयोग के खतरों पर स्पष्ट चेतावनी जारी करनी होगी, ताकि लोग स्वयं सतर्क रहें। ये प्रावधान डिजिटल पारिस्थितिकी को अधिक जवाबदेह और सक्रिय बनाते हैं, जहां सुरक्षा केवल नियमों से नहीं, बल्कि सामूहिक जागरूकता से भी मजबूत होगी। एआई कंटेंट पर लेबलिंग और ट्रेसेबिलिटी का प्रावधान भारत के डिजिटल इतिहास में एक मील का पत्थर है। अब फर्जी वीडियो और झूठी खबरों की पहचान करना पहले से कहीं अधिक आसान होगा। मेटाडेटा को हटाना या बदलना अपराध की श्रेणी में आएगा, जिससे अपराधियों के लिए छिपना कठिन हो जाएगा। यह व्यवस्था लोकतंत्र की रक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, क्योंकि चुनावी समय में गलत सूचनाएं सबसे बड़ा खतरा बन जाती हैं। भारत अब जिम्मेदार एआई गवर्नेंस का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत कर रहा है, जहां नवाचार और सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखा गया है। इन नियमों के लागू होने से प्लेटफॉर्म्स का अनुपालन स्तर बढ़ेगा और उपयोगकर्ताओं का अनुभव अधिक सुरक्षित बनेगा। अब लोग बिना भय के अपनी बात साझा कर सकेंगे, क्योंकि उन्हें भरोसा होगा कि हानिकारक सामग्री पर तुरंत कार्रवाई होगी। शिकायत निवारण तंत्र को भी मजबूत किया गया है, जिससे उपयोगकर्ताओं को तेजी से न्याय मिलेगा। पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने से डिजिटल इकोसिस्टम अधिक विश्वसनीय बनेगा। भारत का इंटरनेट अब केवल विशाल ही नहीं, बल्कि सुरक्षित और भरोसेमंद भी होगा, जो डिजिटल विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा। दीर्घकालिक दृष्टि से यह नियम डिजिटल साक्षरता और जागरूकता को भी बढ़ावा देगा। लोग एआई से बनी सामग्री को पहचानना सीखेंगे और फर्जी खबरों के प्रति अधिक सतर्क होंगे। सरकार, शैक्षणिक संस्थान और तकनीकी कंपनियां मिलकर जागरूकता अभियान चलाएंगी। इससे समाज में डिजिटल जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी। सुरक्षित और नियंत्रित वातावरण के कारण विदेशी और घरेलू निवेश में भी वृद्धि होगी, क्योंकि नवाचार के लिए स्थिरता आवश्यक होती है। यह नीति भारत को एक वैश्विक डिजिटल लीडर के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि कुछ आलोचक इसे कठोर और अव्यावहारिक मानते हैं, परंतु डिजिटल युग की तीव्र गति को देखते हुए यह समयसीमा आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। आज कोई भी सूचना कुछ ही पलों में करोड़ों लोगों तक पहुंच जाती है, जिससे उसके प्रभाव भी उतने ही व्यापक और गहरे होते हैं। ऐसे में केवल त्वरित और निर्णायक कार्रवाई ही वास्तविक सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है। सरकार ने संतुलन साधने का प्रयास किया है, ताकि न तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अनावश्यक अंकुश लगे और न ही लापरवाही को बढ़ावा मिले। भारत का तीन घंटे का अल्टीमेटम यह स्पष्ट संदेश देता है कि डिजिटल स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी उतनी ही अनिवार्य है। निस्संदेह, यह कदम हमें एक सुरक्षित, पारदर्शी और सशक्त डिजिटल भविष्य की दिशा में अग्रसर करेगा।

आप का नज़रिया

आर्थिक प्रस्तुति के कठघरे

आर्थिक प्रस्तुति की महीन कताई में कई सुर्खियां निकलीं, तो शिमला के गलियारों में कड़े कदमों के पदचाप ने बिजलियां गिरा दीं। ये बिजलियां पूरे हिमाचल में कौंध पैदा करती हैं, लेकिन राजधानी की कानाफूसी में अपने ही समीकरण चुनने की वकालत है। कोई पूछ रहा कि क्यों आर्थिक संकट की वास्तविकता से पर्दे हटाए गए, तो कहीं नर्म कालीनों के नीचे सिसकियां गवाह बन गईं। बात आरडीजी से निकली, लेकिन दूर के निठल्ले वातावरण और निर्धन वजूद में तपी अमीर होने की ख्वाहिशों में दफन हो गईं। यहां तनाव और दबाव के बीच कुछ रक्षा कवच भी हैं। सरकार ने तर्कों का जो खजाना खोला है, वह पहली बार बता रहा है कि इस हमाम में हमारे कपड़े कब-कब, किसने-किसने चुराए हैं। ऐसा भी नहीं कि आज का संकट कल के सफर को बैसाखियां नहीं पहनाएगा। यह भारत के संघीय ढांचे की चूलें हिला रहा और गुण-दोष के आलम में सारी रेत छान रहा है। इसलिए आर्थिक प्रस्तुति के बहाने हिमाचल अपने कई रोगों के लक्षण देख सकता है। आर्थिक प्रस्तुति की नौबत क्यों आई और क्यों कल्याणकारी राज्य होने का दंभ ढह गया। यह महीना इसी सदी का, आर्थिक लापरवाही का या भ्रमित वाहवाही का। जो भी हो, प्रस्तुति के सामने एक नई दीवार चिनी जा सकती है। कुछ प्रतिबंधों की भाषा लिखी जा सकती है। सहमे वातावरण के आगोश में कर्मचारी वर्ग की दौलत, स्थायी मांगें और सरकारी नौकरी की डींगें आज अगर कठघरे में खड़ी हैं, तो यह कारवां ही बदनसीबी का था। प्रदेश को संभलना चाहिए था जब कालचक्र में राज्य का सोना जल रहा था। विडंबना यह कि कर्मचारी व पेंशनधारकों के कुनबे में आकर राज्य का बजट जलता रहा, लेकिन करीब साढ़े चार लाख कर्मचारियों-पेंशनरों के इर्द-गिर्द सरकारें आती रहीं, सरकारें जाती रहीं। क्या तब शांता कुमार सरकार दोषी थी जब 'नो वर्क नो पे' का फार्मूला, सरकारी कार्य संस्कृति को बताया जा रहा था। क्या तब मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू गलत थे, जब उनकी सरकार ने आते ही करीब एक हजार संस्थान बंद कर दिए या शिमला की सुस्ती से कुछ कार्यालय निकाल कर बाहर भेजने शुरू किए थे। हैरत है कि सरकार के फैसलों पर अदालतों का चक्रव्यूह, आर्थिक स्थिति के विपरीत निर्देश देने की उदारता दिखा देता है, जबकि राज्य की हैसियत तिनके बटोरने जैसी है। प्रदेश में आर्थिक व प्रशासनिक सुधारों को लेकर सियासी सियार रंग बदलते रहे। सत्ता को कोसना और विपक्ष में माहौल का खौलना, एक परंपरा बन गई। पिछली आधा दर्जन सरकारों की नाव जिस मिशन रिपीट को खोजती रही, वहां एक पैटर्न यह भी देखा गया कि अनावश्यक घोषणाओं ने बजट के चीथड़े कर दिए। यहां सत्ता के बंटवारे मंत्रियों के अखाड़े बनते गए और हमने देखा इन्हीं आंखों से कि कुछ लाभकारी विधानसभा क्षेत्रों में खीर बंटती रही। यह खेल, यह परिदृश्य आज भी जारी है और बलि का बकरा एडीबी की उधारी में काटा जा रहा है। कितने होटल व पर्यटन इकाइयां एचपीटीडीसी के नाम चलीं, मगर बही खातों में नाकामियों के कांटे उगते रहे। इस प्रदेश में परिवहन मंत्री होने का जलवा बसों की सेहत के लिए नुकसान देता रहा, क्योंकि हर बार मंत्री महोदय को अपने क्षेत्र में बस डिपो खोलने का प्रभाव जमाना था। कांगड़ा का सबसे पुराना व सबसे बड़ा बस डिपो बैजनाथ में था, लेकिन राजनीति ने इसे जोगिंद्रनगर, पालमपुर, नगरोटा बगवां, जयसिंहपुर में नए डिपो खोलकर अप्रासंगिक-अलाभकारी बना दिया। यहां जश्न की राख पे, नंगे शरीर नाच रहे। वे मुसाफिर बन के, यहां वक्त काट रहे। राजनीति बताए कि क्यों नहीं आर्थिक विडंबनाओं की प्रस्तुति हो और यह जो विपक्ष प्रदेश की वित्तीय स्थिति पर मंद-मंद मुस्करा या कर्मचारी वर्ग को बरगला रहा, इन कांटों पर उसे भी चलना पड़ेगा। ढह तो सरकारी ढांचा रहा है, वरना साढ़े चार लाख लोगों के कर्मचारी टीले के सामने अगर 25 लाख प्राइवेट कर्मचारियों, व्यापारियों, स्वरोजगार प्राप्त लोगों की क्षमता को पुष्ट और प्रोत्साहित किया होता, तो खजाने में आज बिच्छू नहीं काट रहे होते। सुक्खू सरकार की आर्थिक प्रस्तुति के पैमानों में एक न एक दिन विपक्ष, सरकारी क्षेत्र, बुद्धिजीवी वर्ग तथा राजनीति को सुरक्षा कवच पहनने के लिए सख्त अनुशीलन करना ही पड़ेगा।

> सरकार ने तर्कों का जो खजाना खोला है, वह पहली बार बता रहा है कि इस हमाम में हमारे कपड़े कब-कब, किसने-किसने चुराए हैं। ऐसा भी नहीं कि आज का संकट कल के सफर को बैसाखियां नहीं पहनाएगा। यह भारत के संघीय ढांचे की चूलें हिला रहा और गुण-दोष के आलम में सारी रेत छान रहा है। इसलिए आर्थिक प्रस्तुति के बहाने हिमाचल अपने कई रोगों के लक्षण देख सकता है। आर्थिक प्रस्तुति की नौबत क्यों आई और क्यों कल्याणकारी राज्य होने का दंभ ढह गया। यह महीना इसी सदी का, आर्थिक लापरवाही का या भ्रमित वाहवाही का। जो भी हो, प्रस्तुति के सामने एक नई दीवार चिनी जा सकती है। कुछ प्रतिबंधों की भाषा लिखी जा सकती है। सहमे वातावरण के आगोश में कर्मचारी वर्ग की दौलत, स्थायी मांगें और सरकारी नौकरी की डींगें आज अगर कठघरे में खड़ी हैं, तो यह कारवां ही बदनसीबी का था। प्रदेश को संभलना चाहिए था जब कालचक्र में राज्य का सोना जल रहा था। विडंबना यह कि कर्मचारी व पेंशनधारकों के कुनबे में आकर राज्य का बजट जलता रहा, लेकिन करीब साढ़े चार लाख कर्मचारियों-पेंशनरों के इर्द-गिर्द सरकारें आती रहीं, सरकारें जाती रहीं।

कुछ अलग

लिंक बनाए राखिए...

वे इंकधारी जीव हैं तो मैं लिंकधारी। लिंकधारी जीव इंकधारी जीवों पर हर समय भारी पड़ते रहे हैं। इंकधारी जीव तरह तरह की इंकों से अपने नाक मुंह नीले लाल काले किए रहते हैं तो लिंकधारी पुरस्कारों से। लिंकधारी जीव के चलते ऊंचे ऊंचे लिंकों के चलते मैं ऑफिस में कोई काम नहीं करता। काम करे मेरी जूती! मैं तो अपनी कुर्सी का काम दूसरों को लताड़ झाड़ कर करवाता हूं। काम से मुझे स्कूल टाइम से ही अलर्जी थी। मेरा मानना है, ऑफिस में काम वे करते हैं जो वेतन को काम से जोड़ते हैं। मैंने वेतन को काम से जोडऩे की गलती कभी नहीं की। मैंने हमेशा वेतन को काम से अलग रखा है। जो वेतन को अपने ऑफिस के काम से अलग रखते हैं, नौकरी का असली स्वाद वे ही चखते हैं। शेष तो थाली में बचा चाटते हैं। मेरा सर्विस का सर्विसशास्त्र कहता है कि वेतन वेतन होता है, काम काम! नौकरी में वेतन को काम से जोडऩे वाले पढ़े लिखे होने के बाद भी बिल्कुल अनपढ़ होते हैं, गंवार होते हैं। और जो नौकरी को वेतन समझते हैं, वे अव्वल दर्जे के समझदार होते हैं। व्यवस्था के झंडाबरदार होते हैं।

दृष्टि कोण

सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रतिबंध क्यों जरूरी

आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 2025-2026 ने चेतावनी दी है कि डिजिटल लत भारत के युवाओं के लिए एक प्रमुख खतरा है और सुझाव दिया है कि सरकार आयु-आधारित पहुंच सीमा पर विचार कर सकती है, क्योंकि युवा उपयोगकर्ता बाध्यकारी उपयोग और हानिकारक सामग्री के संपर्क में आने के लिए अधिक संवेदनशील होते हैं। अभी हाल में ही ऑस्ट्रेलिया एवं न्यूजीलैंड ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया है। इसके अतिरिक्त फ्रांस सरकार ने 15 साल से कम उम्र के बच्चों और किशोरों की डिजिटल सुरक्षा एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए सोशल मीडिया पर पूरी तरह पाबंदी लगाने का कानून पेश किया गया है। यह सत्य है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एवं इंटरनेट ने सूचना के प्रसार एवं लोकतांत्रिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन आज यह बच्चों एवं युवा वर्ग का ध्यान भटकाने का मुख्य कारक बन गया है। गलत सूचना के दुष्प्रचार के लिए यह प्लेटफार्म एक शक्तिशाली हथियार बन चुके हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जरूरत से ज्यादा सक्रिय रहने के कारण आज युवाओं में चिंता, धैर्य की कमी, आत्महत्या, अकेलापन, अपनी भावनाओं को व्यक्त न करना, सामाजिक मेल जोल न रखना, चिड़चिड़ापन, नशे की प्रवृत्ति का बढऩा, वास्तविकता से दूर रहना, दिखावा करना आदि लक्षण सामने आ रहे हैं। सोशल मीडिया ट्रायल वास्तव में सोशल मीडिया के अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग का एक खतरनाक परिणाम है, जहां कानूनी कार्यवाही पूरी होने से पहले ही सोशल मीडिया पर वायरल सामग्री और अधूरी जानकारी के आधार पर आम जनता द्वारा किसी व्यक्ति को दोषी या निर्दोष घोषित कर देना है। आज के समय में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जाति, धर्म और वर्ग से संबंधित व्हाट्सएप ग्रुप बने हुए हैं, जो बहुत ही गहराई और चुपचाप तरीके से अलगाव, ध्रुवीकरण, जातिवाद, आतंकवाद और धार्मिक कट्टरता को बढ़ावा दे रहा है। देश में चुनावी प्रक्रिया के दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाई

जा रही भ्रामक जानकारी गलत सूचनाएं, और भ्रामक प्रचार स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए एक बड़ी चुनौती और अभिशाप के रूप में उभर रहे हैं। सोशल मीडिया के बढ़ते आकर्षण के बीच बिना सोचे-समझे अनजान लोगों से दोस्ती, वर्चुअल रिलेशनशिप, ऑनलाइन शादियां और फिर जल्दी रिश्ता टूटना, युवा पीढ़ी में सामाजिक विघटन का एक बड़ा कारण बन रहा है। आज के दौर में बच्चे व युवा वास्तविक दुनिया व रील दुनिया के बीच में अंतर स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं। जिससे कि आज बच्चे वास्तविकता से दूर जा रहे हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि माता-पिता की निगरानी, डिजिटल डिटॉक्स, और स्कूलों में डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों के माध्यम से इस बढ़ते मानसिक स्वास्थ्य संकट का गंभीरता से समाधान किया जाना चाहिए। प्रशासनिक अधिकारी अब ड्यूटी के दौरान रील बनाने और सोशल मीडिया का उपयोग करने में आगे हैं, जिसे अक्सर शो-ऑफ और प्रसिद्धि की रेस के रूप में देखा जाता है। हालांकि, यह सरकारी नीति के खिलाफ है। एक कथन है कि जब व्यक्ति वास्तविक जिंदगी में असफल हो जाता है या वह बिना मेहनत के कुछ पाना चाहता है तो व्यक्ति रील (बनावटी) लाइफ का सहारा लेता है। समाजशास्त्र और सामाजिक मनोविज्ञान के परिप्रेक्ष्य से यह कथन, कि 99 फीसदी व्यक्ति अपनी वास्तविक सच्चाई छुपाते हैं और सोशल मीडिया इसे छुपाने का एक कारगर हथियार बन गया है, काफी हद तक आधुनिक जीवन की वास्तविकता को दर्शाता है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि सोशल मीडिया पर जो दिखता है वह हमेशा पूरी सच्चाई नहीं होती।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। पैसों के मामलों में आपको परिवार के सभी लोगों को स्पष्ट होने की सलाह देनी चाहिए। दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। हालांकि आपका साथी समझदारी दिखाते हुए आपको शांत कर देगा। जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है।पारिवारिक विवादों के कारण आज आपका वैवाहिक जीवन प्रभावित रह सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आस-पास के लोगों का सहयोग आपको सुखद अनुभूति देगा। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आपके महंगे तोहफ़े भी आपके प्रिय के चेहरे पर मुस्कान लाने में नाकाम साबित होंगे,दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। अपने जिगरी यारों के साथ आज आप खाली समय का आनंद लेने का विचार बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। शाम को साथियों का साथ मज़ेदार रहेगा। नौकरी बदलना मददगार साबित होगा। आप अपनी वर्तमान नौकरी को छोड़कर किसी नए क्षेत्र जैसे कि मार्केटिंग वग़ैरह में जा सकते हैं, जो आपके लिए बढ़िया रहेगा। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

कुछ दिलचस्प पढ़कर थोड़ी दिमाग़ी कसरत करें। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। आपका जीवनसाथी हाल में हुई खटपट को भुलाकर अपने अच्छे स्वभाव का परिचय देगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। प्रेम-जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। आपका व्यक्तित्व और लोगों से थोड़ा अलग है आप अकेले वक्त बिताना पसंद करते हैं। आज आपको अपने लिए वक्त तो मिलेगा लेकिन ऑफिस की कोई समस्या आपको सताती रहेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल-कूद को शामिल किया जाना चाहिए। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं- लेकिन आज अपने ख़र्चों को बहुत ज़्यादा बढ़ाने से बचें। रिश्तेदारों से सहयोग मिलेगा और दिमाग़ी बोझ से छुटकारा मिलेगा। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता । आप ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करें या आपका बटुआ खो भी सकता है- ऐसे मामलों में सा-वधानी की कमी आपको नुक़सान पहुँचा सकती है। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। करिअर में तरक़्क़ी के लिए नयी क्षमताएँ विकसित करना और नयी तकनीकें सीखना महत्व-पूर्ण रहेगा। हवन का आयोजन घर मे होगा। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोले । मीटिंग में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। बिना किसी पूर्व सूचना के आज आपका कोई रिश्तेदार आपके घर पधार सकता है जिसकी वजह से आपका कीमती समय उनकी खातिरदारी में जाया हो सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। प्यार-मोहब्बत के मामले में दबाव बनाने की कोशिश न करें। अगर आप यक़ीन करते हैं कि वक़्त ही पैसा है तो आपको अपनी क्षमताओं को शीर्ष पर पहुँचाने के लिए ज़रूरी क़दम उठाने होंगे। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपने घर में या उसके आस-पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज आपको कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। अपने प्रिय की नाराज़गी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। जिस पहचान और पुरस्कार की उम्मीद आप कर रहे थे, वह बाद के लिए टल सकती है और आपको हताशा का सामना करना पड सकता है। अपने व्यक्तित्व और रंग-रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 फरवरी 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी दोपहर 02:29 तक
नक्षत्र : मूल सायं 04:13 तक
योग : वज्र रात्रि 03:22 तक
करण : बालव दोपहर 02:29 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:43, सूर्यास्त 06:16 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:42, सूर्यास्त 06:24 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:36, सूर्यास्त 06:16 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:34, सूर्यास्त 06:09 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : विजया एकादशी व्रत ,
कुंभ संक्रांति पुण्यकाल सूर्योदय से दोपहर 12:53 तक, गण्डमूल सायं 04:13 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में

जनआकांक्षाओं को समर्पित बजट से जयपुर के विकास को मिलेगी नई दिशा

जयपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी एवं संवेदनशील नेतृत्व में प्रस्तुत वित्त वर्ष 2026-27 का बजट राजधानी जयपुर के लिए विकास की नई इबारत लिखने जा रहा है। जनआकांक्षाओं को समर्पित इस बजट में विरासत संरक्षण से लेकर आधुनिक आधारभूत संरचना, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और औद्योगिक विकास तक समग्र प्रावधान किए गए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रतिबद्धता और स्पष्ट विजन के परिणामस्वरूप जयपुर अब सुनियोजित, संतुलित और सर्वांगीण विकास की दिशा में नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होगा। वित्त मंत्री दिया कुमारी द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत वित्त वर्ष 2026-27 का बजट केवल आंकड़ों का संकलन नहीं बल्कि जनभावनाओं, जनअपेक्षाओं और जनआकांक्षाओं को साकार करने का रोडमैप है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में प्रस्तुत इस जनकल्याणकारी बजट में राजधानी जयपुर को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाली अनेक ऐतिहासिक घोषणाएं की गई हैं। प्रदेश में आवागमन को सुगम बनाने हेतु लगभग 1800 करोड़ रुपये की लागत से राज्य राजमार्ग, आरओबी, आरयूबी, फ्लाइओवर, एलिवेटेड रोड एवं ब्रिज निर्माण कार्य प्रस्तावित किए गए हैं। जयपुर जिले में विद्याधरनगर में 20 करोड़ रुपये से विभिन्न सड़क विकास कार्य, वैशाली नगर में 5 करोड़ रुपये से मुख्य मार्गों का सौंदर्यकरण, आमेर, चौमूं, दूदू, जमवारामगढ़, झोटवाड़ा, सांगानेर, चाकसू एवं बगरू सहित विभिन्न क्षेत्रों में सड़क निर्माण एवं उन्नयन कार्यों के लिए करोड़ों रुपये का प्रावधान किया गया है। दूदू से लालसोट वाया फागी-चाकसू-तूंगा 675 करोड़ रुपये की लागत से 135 किलोमीटर लंबा राज्य राजमार्ग विकसित किया जाएगा तथा जयपुर जिले में 9 आरओबी एवं आरयूबी बनाए जाएंगे।

जयपुर शहर के यातायात प्रबंधन को आधुनिक स्वरूप देने के लिए करीब 1000 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। 560 करोड़ रुपये की लागत से अरण्य भवन से जगतपुरा आरओबी तक 4.40 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड रोड का निर्माण होगा। पुरानी चुंगी, अजमेर रोड पर अंडरपास निर्माण, 30 करोड़ रुपये से यातायात सुरक्षा कार्य, बेनाड़ रोड, कालवाड़ रोड, खातीपुरा रोड एवं मानसरोवर में सेक्टर सड़क विकास तथा व्यापक ड्रेनेज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

पेयजल उपलब्धता को सुदृढ़ बनाने के लिए 650 करोड़ रुपये की लागत से सूरजपुरा से चाकसू तक नई ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण किया जाएगा, जिससे चाकसू, बस्सी सहित 1092 गांवों की लगभग 20 लाख आबादी को लाभ मिलेगा। ग्रीष्म ऋतु में पेयजल संकट से निपटने हेतु 600 ट्यूबवेल एवं 1200 हैंडपंप लगाए जाएंगे तथा प्रत्येक जिला कलक्टर को समर कंटिजेंसी हेतु 1 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे। जयपुर में 10 करोड़ रुपये की लागत से सेंटर ऑफ ऐक्सिलेंस फॉर वाटर मैनेजमेंट की स्थापना भी की जाएगी।

विद्युत तंत्र के विस्तार हेतु मंडा (चौमूं) में 220 केवी जीएसएस, बगरू रवाण में 132 केवी जीएसएस तथा मुहाना, सामोद एवं साली में 33/11 केवी जीएसएस स्थापित किए जाएंगे। औद्योगिक विकास को नई गति देने के लिए फागी, चौमूं, मौजमाबाद एवं दूदू में नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाएंगे तथा बिचून, विश्वकर्मा, सीतापुरा एवं ईपीआईपी सहित औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास हेतु 1000 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। शिक्षा एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए बगरू महाविद्यालय को यूजी से पीजी में क्रमोन्नत किया जाएगा। साइंस पार्क जयपुर में स्पेस गैलरी एवं चिल्ड्रन गैलरी का निर्माण होगा। खेल अधोसंरचना के विकास हेतु महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है तथा चित्रकूट स्टेडियम में विभिन्न विकास कार्य किए जाएंगे। चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के अंतर्गत एसएमएस मेडिकल कॉलेज में सेंटर ऑफ एक्सिलेंस इन मेंटल हेल्थ की स्थापना, जेके लोन चिकित्सालय में 75 करोड़ रुपये की लागत से 500 बेड का आईपीडी टावर एवं पेडियाट्रिक न्यूरोलॉजी विभाग की स्थापना, आयूएचएस चिकित्सालय में 200 बेड का पेडियाट्रिक आईपीडी एवं आईसीयू विकास तथा एसएमएस अस्पताल में 12 मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर स्थापित किए जाएंगे। विभिन्न क्षेत्रों में नए स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण एवं उन्नयन भी किया जाएगा।

पर्यटन एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के तहत आमेर किले एवं आमेर कस्बे में 50 करोड़ रुपये से विश्वस्तरीय पर्यटन सुविधाएं विकसित की जाएंगी। रायसर जमवारामगढ़ स्थित बाकी माता मंदिर में रोप-वे निर्माण तथा जवाहर कला केन्द्र में 15 करोड़ रुपये से शिल्पग्राम का नवनिर्माण किया जाएगा। राजस्थान मंडपम के साथ विश्वस्तरीय एग्जिबिशन स्पेस का निर्माण भी प्रस्तावित है।

ज्ञान को कर्म में बदलें, यही दीक्षांत का सच्चा संदेश : बागडे

जोधपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि जीवन के नए चरण की शुरुआत है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अर्जित ज्ञान को कर्म में बदलते हुए राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनें। राज्यपाल ने कहा कि जिस समाज में बेटियां आगे बढ़ती हैं, वही समाज तेजी से विकास करता है-यह गर्व का विषय है कि आज स्वर्ण पदकों में बड़ी संख्या में बेटियां अग्रणी रही हैं। राज्यपाल बागडे गुरुवार को जोधपुर में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के 22वें दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने भारतीय ज्ञान परंपरा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की शिक्षा परंपरा सदियों से समग्र विकास, नैतिक मूल्यों और आत्मबोध पर आधारित रही है। उन्होंने कहा कि हमारे वेद, उपनिषद और गुरुकुल प्रणाली ने केवल विद्या नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा दी है। विश्वविद्यालयों का दायित्व है कि वे आधुनिक विज्ञान और तकनीक के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा का समन्वय करें। इससे विद्यार्थी केवल कुशल पेशेवर ही नहीं, बल्कि संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। उन्होंने आह्वान किया कि युवा

विधानसभा क्षेत्र धोद में 282 आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित : दिया कुमारी

जयपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

उप मुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने गुरूवार को विधानसभा में कहा कि विधान सभा क्षेत्र धोद में कुल 282 आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित हैं,जिनमें से 62 आंगनबाड़ी केन्द्र स्वयं के भवनों में, 22 किराये के भवनों में, 142 विद्यालयों में, 48 अन्य राजकीय भवनों में एवं 8 निजी निःशुल्क भवनों में संचालित हैं। उन्होंने बताया कि 2 आंगनबाड़ी केन्द्रों सांवलोदा पुरोहितान एवं सांवलोदा लाडखानी के भवन निर्माणाधीन हैं। उप मुख्यमंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य गोरधन द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नवीन आंगनबाड़ी केन्द्र खोलने के लिए निर्धारित मापदण्ड तय किये गए हैं। इसके तहत 400 से 800 की आबादी पर एक आंगनबाड़ी केन्द्र खोला जाता है। इसी प्रकार 800 से 1600 की आबादी पर 2 केन्द्र, 1600 से 2400 की आबादी पर 3 केन्द्र तथा इसके पश्चात् प्रत्येक 800 के गुणक पर एक आंगनबाड़ी केन्द्र खोलने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि जनजातीय इलाकों, पहाड़ी, मरुस्थलीय एवं दुर्गम स्थानों पर 300 से 800 की आबादी पर एक आंगनबाड़ी केन्द्र खोला जाता है। एक केन्द्र के लिए न्यूनतम 600 वर्ग फीट भूमि की अनिवार्यता है। महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों के नवीन भवनों का निर्माण नरेगा योजना के अन्तर्गत कन्वर्जेन्स के माध्यम से करवाया जा रहा है।

हरियाणा सीएम बताएं, उनकी सरकार बढ़ोतरी करने की बजाय पेंशन काट क्यों रही है: दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि नायब सिंह सैनी को राज्य का मुख्यमंत्री बने दो साल पूरे होने वाले हैं, लेकिन इन दो सालों में अब तक नायब सरकार ने बुजुर्गों को एक रुपए भी बढ़ाकर बुढ़ापा पेंशन नहीं दी है। उन्होंने कहा कि बुढ़ापा पेंशन बढ़ाने की बजाय नायब सरकार ने हजारों बुजुर्गों की पेंशन जरूर काटी है। दुष्यंत चौटाला ने सीएम से सवाल करते हुए पूछा कि बीजेपी सरकार बुढ़ापा पेंशन की बढ़ोतरी की घोषणा करने के बाद उसे लागू करने में आनाकानी क्यों कर रही है? चार महीने पहले बुढ़ापा पेंशन में बढ़ोतरी की वाहवाही लेकर सरकार बुजुर्गों, विधवाओं और विकलांगों का हक क्यों दबाए हुए है। यही नहीं, हजारों बुजुर्गों को इस योजना से बाहर क्यों किया जा रहा है? पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि नायब सैनी मार्च 2024 में प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे और 17 अक्टूबर 2025 को नायब सरकार की पहली वर्षगांठ पर दिवाली गिफ्ट के नाम पर

खुद मुख्यमंत्री ने बुढ़ापा पेंशन 200 रुपए बढ़ाने की घोषणा की थी और कहा था कि एक नवंबर 2025 से 3200 रुपए बुढ़ापा पेंशन का फैसला लागू हो जाएगा।

दुष्यंत चौटाला ने कहा कि ये घोषणा केवल झूठी वाहवाही वाली घोषणा बनकर ही रह गई है, क्योंकि दिवाली के बाद अब होली का त्यौहार भी आने वाले है, लेकिन अभी तक एक रुपए भी बढ़कर बुढ़ापा पेंशन बुजुर्गों को नहीं मिली। उन्होंने कहा कि इस बार भी बुजुर्गों को पूर्व गठबंधन सरकार द्वारा बढ़ाई गई तीन हजार रूपए प्रतिमाह के हिसाब से बुढ़ापा पेंशन मिली है। उन्होंने कहा कि आज भी भाजपा सरकार उतनी ही पेंशन दे रही है जितनी गठबंधन सरकार के तहत हमने बढ़वाई थी।

पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार जननायक चौधरी देवीलाल द्वारा बुजुर्गों के सम्मान में लागू की गई बुढ़ापा पेंशन योजना का मजाक बना रही है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा कभी परिवार पहचान पत्र में आय ज्यादा दिखाकर पेंशन काटी जा रही है तो कभी झूठी घोषणाएं करके बुजुर्गों के साथ बड़ा धोखा किया जा रहा है।

दुष्यंत चौटाला ने कहा कि बुढ़ापा पेंशन बुजुर्गों का हक है और उस पर किसी भी हाल में आंच नहीं आनी चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि बुजुर्गों को न केवल बढ़ी हुई पेंशन मिलनी चाहिए बल्कि जिन हजारों बुजुर्गों की पेंशन सरकार द्वारा काटी गई है, उसे भी तुरंत बहाल किया जाए।

हरियाणा में संगठित अपराध का नेटवर्क सक्रिय है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं: सैलजा

चंडीगढ़, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री कुमारी सैलजा ने हरियाणा में लगातार बढ़ती रंगदारी, फिरौती और गैंगस्टर गतिविधियों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और जनता भय के माहौल में जीने को मजबूर है। कुमारी सैलजा ने कहा कि रोहतक जिले में पूर्व विधायक बलराज कुंडू से 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगकर दो दिन का अल्टीमेटम देना अत्यंत गंभीर विषय है। इसी प्रकार फरीदाबाद के एक उद्योगपति से 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगना और चेतावनी स्वरूप गोलियां भेजना अपराधियों के बढ़ते दुस्साहस को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सिरसा जिले में भी दो कारोबारियों से पांच-पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने की घटनाएं सामने आई हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश में संगठित अपराध का नेटवर्क सक्रिय है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। व्यापारी, उद्योगपति, दुकानदार, शिक्षण संस्थान संचालक, अस्पताल प्रबंधन और यहां तक कि जनप्रतिनिधि भी सुरक्षित नहीं हैं।

कुमारी सैलजा ने प्रदेश की वर्तमान सरकार और मुख्यमंत्री नायब सैनी से सवाल किया कि आखिर कानून व्यवस्था किसके नियंत्रण में है? क्या सरकार किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रही है? क्या प्रशासन तब जागेगा जब खतरा सीएम हाउस तक पहुंचेगा। उन्होंने मांग की कि प्रदेश में सक्रिय गैंगस्टरों और रंगदारी नेटवर्क के विरुद्ध सख्त और निर्णायक अभियान चलाया जाए, पीड़ितों को तत्काल सुरक्षा प्रदान की जाए तथा हालिया घटनाओं में संलिप्त अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कठोरतम दंड दिलाया जाए। कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार का पहला दायित्व नागरिकों को भयमुक्त वातावरण देना है। यदि आम जनता और जनप्रतिनिधि स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे, तो यह शासन और प्रशासन की गंभीर विफलता है। हरियाणा की जनता जवाब भी चाहती है और सुरक्षा भी।

विकसित उद्योग, विकसित श्रमिक पर रहेगा सरकार का फोकस: नायब सिंह

चंडीगढ़, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार का मुख्य फोकस विकसित उद्योग , विकसित श्रमिक पर रहेगा ताकि राज्य की प्रगति और अधिक तेजी से हो सके। मुख्यमंत्री बुधवार को चंडीगढ़ में इंडस्ट्री -लेबर फ्रेंडली कॉउन्सिल की प्रथम बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख प्रधान सचिव राजेश खुल्लर , गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल , उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित अग्रवाल , श्रम विभाग के प्रधान सचिव श्री राजीव रंजन, मुख्यमंत्री के उपप्रधान सचिव यशपाल के अलावा अन्य अधिकारी तथा कॉउन्सिल के सदस्य उपस्थित थे। मुख्यमंत्री व काउंसिल के चेयरपर्सन नायब सिंह सैनी ने बताया कि जब तक किसी प्रदेश में उद्योग निर्बाध गति से नहीं चलेंगे और वहां के श्रमिक खुशहाल नहीं होंगे तब तक वह प्रदेश आर्थिक रूप से प्रगति नहीं कर सकता। इन दोनों वर्गों में

सामंजस्य होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इसी मैत्री एवं भाईचारे की भावना को ध्यान में रख कर ही इंडस्ट्री -लेबर फ्रेंडली काउंसिल का गठन किया गया है। इस प्रकार की काउंसिल गठित करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार उद्योगों को ईज ऑफ़ डूइंग तथा श्रमिकों को ईज ऑफ़ लिविंग देने की नीति पर काम कर रही हैं। यह कॉउन्सिल उद्योगों एवं श्रमिकों से संबंधित सरकार की घोषणाओं की भी समीक्षा करेगी और श्रमिकों की सुरक्षा , उद्योग -श्रमिक विवाद को सुलझाने , आईटीआई जैसे तकनीकी संस्थानों में श्रमिकों के कौशल विकास को अपग्रेड करने से संबंधित सुझाव भी देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कॉउन्सिल के माध्यम से राज्य के उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों की उत्पादकता बढ़ाने पर भी विशेष बल रहेगा , क्योंकि उत्पादकता बढ़ने से जीडीपी में भी बढ़ौतरी होगी जो कि देश एवं प्रदेश के विकास का मुख्य आधार है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में करीब दो लाख सूक्ष्म एवं मध्यम दर्जे के उद्योग इंडस्ट्रियल एरिया से बाहर चल रहे थे जिसके कारण उनको कई प्रकार की सुविधाएँ नहीं मिल पा रही थी। अब प्रदेश सरकार ने गत 25 दिसंबर 2025 को एक पोर्टल लांच कर दिया है जिस पर ये उद्योग अपना पंजीकरण करके नियमित हो जाएंगे तथा उनको सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

उन्होंने बताया कि कुछ इंडस्ट्रियल एरिया में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण से एचएसआईआईडीसी में प्लॉट को स्थानांतरित करने में आ रही परेशानियों को भी सुलझा लिया गया है। इसी प्रकार उद्योगपतियों की इएसआईसी अस्पतालों के लिए जमीन को भी रियायती दरों पर देने के लिए सरकार ने मंजूरी दे दी है। इंडस्ट्रियल एरिया में सस्ती दरों पर मजदूरों के लिए डोरमेट्री आवास बनाने की प्रक्रिया तेजी से जारी है। उन्होंने बताया कि कई जिलों में इंडस्ट्रियल एरिया में जगह की कमी को देखते हुए मल्टीलेवल पार्किंग भी बनाई जाएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में उद्योगों के लिए वातावरण को और अधिक अनुकूल बनाने का प्रयास कर रही है ताकि निवेशक प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश करें। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन विकसित भारत-2047 का लक्ष्य हासिल करने में आसानी होगी।

इंस्पेक्टर को गाली देने के मामला : जग्गा रेड्डी के खिलाफ मामला दर्ज

संगारेड्डी, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। संगारेड्डी नगर पुलिस ने कांग्रेस नेता टी जग्गा रेड्डी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। एक वीडियो सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई, जिसमें जग्गा रेड्डी को संगारेड्डी नगरपालिका की 34वीं वार्ड में एक मतदान केंद्र पर ड्यूटी पर तैनात इंस्पेक्टर वी शिव कुमार को गाली देते हुए दिखाया गया है। यह घटना बुधवार को हुई।पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 223, 351, 352, 132, 329, 191(2) रीड विद 190 और टीईएमए की धारा 215(1)(बी) के तहत मामला दर्ज किया है। यह शिकायत के विनय कुमार ने दर्ज कराई है, जिन्हें नगरपालिका चुनावों के दौरान उड़न दस्त टीम के अधिकारी के रूप में तैनात किया गया था।

संगारेड्डी के अतिरिक्त जिलाधिकारी (स्थानीय निकाय) के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए, विनय कुमार ने शिकायत दर्ज की। इससे पहले उन्हें जग्गा रेड्डी द्वारा कथित तौर पर पुलिस अधिकारी को गाली देने के वीडियो क्लिप प्राप्त हुए और संगारेड्डी में नगरपालिका कार्यालय में पीड़ित से बातचीत की।

अपने बयान में, इंस्पेक्टर शिव कुमार ने बताया कि उन्होंने जग्गा रेड्डी के अनुयायी अद्दू को मतदान केंद्र के निषेधित क्षेत्र से दूर जाने के लिए कहा था। अद्दू उसी वार्ड से कांग्रेस प्रत्याशी हमीदा बेगम के पति हैं। मतदान को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए यह कदम उठाया गया था।

शिव कुमार के अनुसार, अद्दू ने कथित तौर पर उन्हें धमकी दी और चेतावनी दी कि वह जग्गा रेड्डी से शिकायत करेंगे। इंस्पेक्टर के मुताबिक, कुछ ही मिनटों बाद जग्गा रेड्डी घटनास्थल पर पहुंचे और बिना तथ्यों की जांच-पड़ताल किए उन्हें गाली दी। विनय कुमार ने घटना से संबंधित बयान दर्ज करने और सबूत एकत्र करने के बाद शिकायत दर्ज की। फिलहाल इस मामले की जांच जारी है।

जग्गा रेड्डी ने मतदान केंद्र घटना को भूल गया बताया, निरीक्षक पर लगाया दोष

संगारेड्डी, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस नेता टी जग्गा रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने बुधवार को शाम 5 बजे तक संगारेड्डी नगर निगम के 34वें वार्ड के मतदान केंद्र पर अपने आचरण को भूल चुके थे, जो उस घटना के केवल तीन घंटे बाद था जब उन्होंने कथित तौर पर एक पुलिस अधिकारी को गाली दी और मतदान प्रक्रिया को बाधित करने के लिए मतदान केंद्र में प्रवेश करने का प्रयास किया था।

उन्होंने हालांकि निरीक्षक वी शिवा कुमार पर अपने प्रतिद्वंद्वी दल का समर्थन करके चुनाव दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। जग्गा रेड्डी ने आरोप लगाया कि शिवा कुमार ने कांग्रेस प्रत्याशी हमीदा बेगम के पति और कांग्रेस कार्यकर्ता अदू को कॉलर पकड़कर बाहर निकाल दिया था, जिसके कारण उन्हें अपने समर्थकों के समर्थन में घटनास्थल पर पहुंचने के लिए मजबूर होना पड़ा। ङ्गङ्गमैंने शिवा कुमार के खिलाफ उच्च अधिकारियों से शिकायत करने का फैसला नहीं किया था क्योंकि मैं उस अधिकारी को उसी तरह से व्यवहार करना चाहता था जैसा उसने कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ किया था।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि जांच अधिकारी और अदालत यह तय करेंगे कि वास्तव में किसने गलती की थी। ङ्गङ्गमैं अदालत के फैसले का स्वागत करूंगा।

बीआरएस नेताओं केटी रामाराव और टी हरीश राव के जवाब में, जग्गा रेड्डी ने तेलंगाना आंदोलन के दौरान अधिकारियों के आचरण पर सवाल उठाने वाले उनके बयानों के वीडियो पोस्ट किए।

खेल से मानसिक स्वास्थ्य में योगदान : मुदम सुनीता

मंचेरियाल, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । चौटापल्ली की सरपंच मुदम सुनीता और तंदूर की पूर्व सांसद मसादी श्रीदेवी ने कहा है कि खेल मानसिक शांति, शारीरिक स्वास्थ्य, और भाईचारे को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गुरुवार को मंचेरियाल जिले के तंदूर मंडल के चौटापल्ली गांव में दिग्गज मसादी विष्णुवर्धन की क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित किया और खिलाड़ियों का परिचय कराकर टॉस फेंककर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर, मुदम सुनीता ने कहा कि खेल मानसिक शांति के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। उन्होंने बताया कि खेलों में जीत-हार स्वाभाविक है और खेलों के माध्यम से मित्रता एवं भाईचारे की भावना को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे भाईचारे के साथ खेलों में भाग लें और विवाद से दूर रहते हुए जश्न मनाएँ।प्रतियोगिताएँ चौतापल्ली, अंकुशम, बोयापल्ली, द्वारकापुर, और कासीपेट की पांच ग्राम पंचायतों के बीच आयोजित की जा रही हैं, जिसमें कुल 6 फ्रेंचाइजी टीमें भाग लेंगी। यह खेल प्रतियोगिता 7 दिनों तक चलेगी। विजेता टीम को 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार और एक शील्ड मिलेगा, जबकि उपविजेता को 8,000 रुपये का नकद पुरस्कार और एक शील्ड प्रदान की जाएगी।

कार्यक्रम में मसादी श्रीरामुलु, मसादी तिरुपति, मुदम रघु, सुंडिला भूमया, डीटी राव, चिमाला रायलिंगु, बैरी श्रीनु, आयोजक और अन्य कई लोग उपस्थित थे।

डोंगली मंडल में मुख्यमंत्री सहायता निधि के चेक वितरित

मदनूर, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल विस क्षेत्र के माननीय विधायक टोटा लक्ष्मी कांता राव के आदेश पर, डोंगली मंडल कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष गजानन देशाई के नेतृत्व में मुख्य मंत्री सहायता निधि के चेक का वितरण किया गया।

इस अवसर पर, गजानन देशाई ने लाभार्थियों को बताते हुए कहा कि तेलंगाना की कांग्रेस सरकार गरीब जनता के हित के लिए समर्पित है। उन्होंने उल्लेख किया कि हर गरीब परिवार को राशन कार्ड का वितरण किया जा रहा है और धान फसल उगाने वाले किसानों को 500 रुपये का बोनस दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि महा लक्ष्मी योजना के अंतर्गत महिलाओं को नि:शुल्क बस सेवा प्रदान की जा रही है और गरीब परिवारों को 200 यूनिट बिजली मुफ्त दी जा रही है। देशाई ने स्थानिक जनता से कांग्रेस पार्टी को आशीर्वाद देने की अपील की। इस कार्यक्रम में डोंगली मंडल के अध्यक्ष के साथ विभिन्न गांवों के सरपंच और कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

तांडूर में मिलावटी खोया निर्माण इकाई पर छापा, 2 गिरफ्तार

विकाराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। विकाराबाद जिला पुलिस मिलावटी खाद्य पदार्थों के निर्माण और बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी, जो जन स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करते हैं, जिला पुलिस अधीक्षक स्नेहा मेहरा ने कहा।

तांडूर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में मिलावटी खोया तैयार करने और बेचने की विश्वसनीय सूचना पर कार्य बल की टीम ने निरीक्षक एमडी अनवर पाशा के नेतृत्व में आकस्मिक छापा मारा। जांच के दौरान लगभग 120 किलोग्राम मिलावटी खोया जब्त किया गया।

पुलिस ने इस अवैध गतिविधि में शामिल दो व्यक्तियों - राजस्थान के प्रकाश विष्णु और चंद्रयंगुट्टा के मोहम्मद सलमान - को गिरफ्तार किया। जब्त मिलावटी खोया और आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए तंदूर पुलिस को सौंप दिया गया। तंदूर पुलिस स्टेशन पर मामला दर्ज कर जांच जारी है, अधिकारियों ने बताया।

स्नेहा मेहरा ने चेतावनी दी कि खाद्य मिलावट करने और जनता की जान को खतरे में डालने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जनता से सतर्क रहने और मिलावटी खाद्य पदार्थों के निर्माण या बिक्री की किसी भी घटना की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील भी की।

कोण्डगट्टू मंदिर में पशुओं के प्रति क्रूरता का आरोप लगाया कार्यकर्ताओं ने

करिमनगर, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। इंडिया के स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन (एसएएफआई) के सदस्यों ने बुधवार को जगतियाल जिले के मल्लियाल मंडल के कोण्डगट्टू स्थित रेणुका येल्लम्मा मंदिर में पशु क्रूरता का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

एसएएफआई के क्रूरता रोकथाम प्रबंधक अदुलापुरम गौतम ने मल्लियाल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की। उन्होंने आरोप लगाया कि सुबह लगभग 9:05 बजे, बाइंडला राजू नामक व्यक्ति ने मंदिर परिसर में एक भेड़ के गले को काटकर मार डाला, जिसे स्थानीय रूप से गावु पट्टाडम कहा जाता है।

शिकायत के अनुसार, गौतम और क्रूरता रोकथाम सहायक विनय ने घटना को देखा और मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड किया। शिकायतकर्ता ने कहा कि यह कार्य तेलंगाना एनिमल्स एंड बर्ड्स सैक्रिफाइसेस प्रोहिबिशन एक्ट, 1950 के प्रावधानों का उल्लंघन करता है, जो मंदिर परिसर और सार्वजनिक पूजा स्थलों पर पशु बलि को प्रतिबंधित करता है। उन्होंने प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स एक्ट, 1960 और भारतीय न्याय संहिता के प्रासंगिक प्रावधानों का भी हवाला दिया।एसएएफआई ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि ऐसे अभ्यास विधि द्वारा प्रतिबंधित होने के बावजूद जारी हैं।पुलिस ने कहा कि उन्हें शिकायत डिजिटल साक्ष्य के साथ प्राप्त हुई है और जांच के हिस्से के रूप में सामग्री की जांच की जाएगी।

नगरपालिका चुनाव परिणाम के बाद विजय रैलियों पर रोक

आसिफाबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला एसपी नितिकापंत ने स्पष्ट किया है कि नगरपालिका चुनाव परिणाम के बाद किसी भी प्रकार की विजय रैली, जुलूस, या पटाखों की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि जो उम्मीदवार चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करेंगे तो उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

एसपी ने यह भी कहा कि विजय रैलियां केवल निर्दिष्ट तिथियों पर आयोजित की जा सकती हैं। मतगणना केंद्रों पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी पुलिस तैनाती की जाएगी।

163 बीएनएसएस बल मतगणना केंद्रों के बाहर लगाया जाएगा ताकि कोई अनियंत्रित गतिविधि न हो। उन्होंने जनता, प्रत्याशियों और विजेताओं से आचार संहिता का पालन करने की अपील की और इसे ध्यान में रखते हुए कहा कि परिणामों के बाद किसी भी प्रकार की विजय रैली, बाइक रैली, डीजे, अलाव और जुलूस पूरी तरह से प्रतिबंधित हैं।

नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों को रिमांड पर लिया जाएगा, और शांति एवं सुरक्षा को भंग करने वाले कार्यों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मतगणना प्रक्रिया को कुशलतापूर्वक संचालित करने की आवश्यकता : दीपक तिवारी

आसिफाबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। द्वितीय आम नगरपालिका चुनावों के संदर्भ में, जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी ने वोटों की गिनती प्रक्रिया को प्रभावी रूप से संचालित करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह बात आसिफाबाद और खगज नगर नगर पालिकाओं में हुए चुनावों के संबंध में आयोजित एक कार्यक्रम में कही।

जिला कलेक्ट्रेट भवन के सम्मेलन हॉल में, दीपक तिवारी ने नगर निगम चुनाव के सामान्य पर्यवेक्षकों के साथ आलोक कुमार और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि आसिफाबाद नगर निकाय चुनाव का मतगणना केंद्र समाज कल्याण गुरुकुल स्कूल एवं कॉलेज में स्थापित किया गया है।मतगणना केंद्र में दो मतगणना हॉल बनाए गए हैं, जिसमें प्रत्येक हॉल में पांच टेबल हैं। हर राउंड में 20 वार्डों की गिनती दो राउंड में पूरी की जाएगी। मतगणना कर्मचारी चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार काम करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक टेबल पर अभ्यर्थियों के एजेंट उपस्थित रहेंगे, ताकि प्रत्येक मतपत्र की जांच और गिनती को गहनता से किया जा सके। दीपक तिवारी ने कर्मचारियों से अपील की कि वे मतगणना प्रक्रिया को बिना किसी गलती के कुशलतापूर्वक संचालित करें। प्रत्येक टेबल पर एक पर्यवेक्षक और दो मतगणना सहायक नियुक्त किए जाएंगे, जिन्हें सुबह 6:30 बजे तक मतगणना केंद्र पर पहुंचना होगा।

शर्मनाक है कि रेवंत रेड्डी छात्रों के मुद्दों को नज़रअंदाज़ कर रहे : हरीश राव

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री और बीआरएस एलपी के डिप्टी लीडर हरीश राव ने आरोप लगाया है कि यह शर्मनाक है कि एजुकेशन मिनिस्टर रेवंत रेड्डी राज्य के किसी न किसी स्कूल में खाने में मिलावट की वजह से हर दिन बीमार पड़ रहे स्टूडेंट्स की स्थिति का रिव्यू करने के लिए समय नहीं निकाल रहे हैं। उन्होंने एक ट्वीट के ज़रिए संगारेड्डी ज़िले के नारायण खेड़ मंडल में एसटी आश्रम स्कूल के स्टूडेंट्स के मिलावटी खाना न लेने की मांग को लेकर सड़कों पर उतरने और हैदराबाद के बाहरी इलाके उस्मानिया यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स के विरोध प्रदर्शन पर अपनी चिंता ज़ाहिर की, जिसमें खाना अच्छा नहीं था। उन्होंने कहा कि यह दुख की बात है कि लगातार मोटरसाइकिल चलाने वाले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के पास गुरुकुलों में मौजूद खराब हालात का रिव्यू करने का समय नहीं है। सीएम ने हैदराबाद एयरपोर्ट के पास से हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर शुरू करने की मांग की उस्मानिया जाकर रिबन काटने के अलावा, पिछले ढाई साल में क्या प्रोग्रेस हुई है? उन्होंने सवाल किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इस कहावत का एक परफेक्ट उदाहरण हैं कि अगर बातें किलों से बाहर जाती हैं, तो काम हद से बाहर जाते हैं। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी, जो राज्य के विकास का दावा करते हुए अब तक 62 बार दिल्ली जा चुके हैं, उन्होंने जो कुछ भी हासिल किया है, वह हाल के केंद्रीय बजट से ही हुआ है। एक तरफ, गुरुकुलों की साख खराब करने वाले रेवंत रेड्डी पर उम्मीदें बढ़ाने और कमीशन लेने के लिए यंग इंडिया स्कूल के नाम पर बड़ा ड्रामा करने का आरोप है।

नारायणखेड़ में आदिवासी कल्याण आवासीय विद्यालय में घटिया भोजन के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन

संगारेड्डी, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नारायणखेड़ के आदिवासी कल्याण आवासीय विद्यालय के छात्रों ने गुरुवार को प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने प्रबंधन पर घटिया गुणवत्ता का भोजन परोसने और छात्रावास में प्रदर्शित मेन्यू की अनदेखी करने का आरोप लगाया। छात्रों के बार-बार अपील के बावजूद प्रबंधन ने वही भोजन पर-ोसना जारी रखा, जैसा उन्होंने कहा।छात्र नाश्ते के दौरान बाहर निकल आए और विरोध के तौर पर अपनी थालियां सड़क पर फेंक दीं, तथा छात्रावास प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की।छात्रावास वॉर्डन और स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि निर्धारित मेन्यू के अनुसार ही भोजन परोसा जाए।

चुनाव मतगणना के मद्देनजर आज ट्रैफिक प्रतिबंध

बेल्लमपल्ली, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। म्युनिसिपल चुनावों की काउंटिंग के चलते, पुलिस ने 13 फरवरी को ट्रैफिक पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। वन टाउन सीआई श्रीनिवास राव ने बताया कि काउंटिंग प्रक्रिया के कारण कांटा चौराहे से नए बस स्टैंड तक सभी गाड़ियों की आवाजाही पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी।

आसिफाबाद की ओर जाने वाले वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे नए बस स्टैंड से कन्नाला फ्लाईओवर के रास्ते दूसरा मार्ग अपनाएं। वहीं, मंचेरियाल की ओर जाने वालों को कांटा चौराहे से कैलटेक्स मार्ग लेने की हिदायत दी गई है। नगर के नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे इस दौरान पुलिस के साथ सहयोग करें।

यूपी बजट को सत्ता पक्ष ने विकास, रोजगार और सशक्तीकरण से जोड़ा, सपा ने कहा- 'ढकोसला'

लखनऊ , 12 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के 9.12 लाख करोड़ रुपए के बजट को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। एक ओर सत्ता पक्ष इसे विकास, रोजगार और सशक्तीकरण का रोडमैप बता रहा है, वहीं समाजवादी पार्टी (सपा) इसे 'ढकोसला बजट' करार दे रही है। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए आईएएनएस से कहा, अब उनके पास केवल विरोध करने के अलावा कुछ बचा नहीं है। उनके विधायक विधानसभा में कहते हैं कि सब कुछ अच्छा है और सरकार को धन्यवाद देते हैं। उनके विधायक खुद बजट की तारीफ कर रहे हैं और कह रहे हैं कि बजट अच्छा है। मंत्री अनिल राजभर ने निशाना साधते हुए कहा, समाजवादी पार्टी की परेशानी यह है कि उत्तर प्रदेश का बजट अब पाकिस्तान के बजट से बड़ा हो गया है। सरकार ने ऐसा बजट पेश किया है, जो राज्य के समग्र विकास, महिलाओं के सशक्तीकरण, युवाओं को रोजगार देने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए है। यही वजह है कि खासकर समाजवादी पार्टी चिंतित है।

मंत्री संजय निषाद ने कहा, बजट में जनता से जो वादा किया गया था, वह पूरा किया गया है। हमने समाज के हर वर्ग के लिए काम किया है। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि अगर इन्होंने अच्छा बजट पेश किया होता, तो जनता इन्हें सत्ता से बाहर क्यों करती ?दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी के विधायक राहुल लोधी ने बजट पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, आज तक कोई एक वादा पूरा नहीं हुआ है। मैं जनता से कहना चाहता हूं कि इस 'ढकोसला बजट' पर भरोसा न करें। समाजवादी पार्टी पर भरोसा करके चुनाव जिताएं, ताकि आपके सारे सपने पूरे किए जा सकें।

स्टोक्स जून में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से कर सकते हैं वापसी

लंदन, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स की सर्जरी सफल रही है और वह अब उससे उबर रहे हैं। स्टोक्स की जून में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी होने की संभावना है। तब इंग्लैंड को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। इससे पहले वह काउंटी चैंपियनशिप में डरहम की ओर से खेलकर अपनी फिटनेस हासिल करने का प्रयास करेंगे।

स्टोक्स इस दौरान खेल से संबंध बनाये रखने के लिए कोचिंग भी करना चाहते हैं। वह अबू धाबी में पाकिस्तान शाहीन के खिलाफ व्हाइट-बाल सीरीज के लिए मोईन अली और एंड्रयू फ्लिंटाफ के साथ इंग्लैंड लायंस के कोचिंग स्टाफ में भी शामिल हैं। चयनकर्ताओं के मुताबिक, फरवरी और मार्च में होने वाली इस सीरीज में तीन टी20 मैचों के लिए 17 खिलाड़ियों की टीम और पांच 50-ओवर के मैचों के लिए 16 खिलाड़ियों का ग्रुप होगा। स्टोक्स के सामने असली चुनौती टेस्ट कप्तान के रूप में इंग्लैंड के प्रदर्शन को को फिर से बेहतर बनाना है। टीम की आकामक बैजबाल रणनीतिक पिछले कुछ समय में असफल रही है और उसे एशेज सहित कई बड़ी सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। हाल ही में आस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में 4-1 से हार के बाद स्टोक्स और मैकुलम की कप्तान-कोच की जोड़ी पर सवाल उठे थे। स्टोक्स को चोट तब लगी थी जब वह नेट्स के किनारे खड़े थे। पिछले सप्ताह उन्होंने सोशल मीडिया में कहा था कि उन्हें सर्जरी करानी है। स्टोक्स गत माह सिडनी में आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के दौरान एडक्टर इंजरी के कारण खेल से बाहर हो गये थे।

भारतीय बल्ले विश्वस्तरीय, उनको लेकर मेरे बयान को गलत समझा गया : राजपक्षा

कोलंबो। श्रीलंकाई बल्लेबाज भानुका राजपक्षा ने भारतीय खिलाड़ियों के बल्ले को लेकर दिये गये अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा है कि उनकी बात का गलत अर्थ निकाला गया है। वह तो भारतीय क्रिकेट और उनके खेल से जुड़े साजो सामान की की प्रशंसा ही कर रहे थे। इससे पहले राजपक्षा ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों के बैट इसने अच्छे दिखते है जैसे की वे मोडिफाइड हों। ऐसा लगता है उनपर रबड़ की एक परत लगी हुई है और सबसे खास बात ये है कि कोई अन्य इन बल्लों को नहीं खरीद सकता है। श्रीलंकाई क्रिकेटर की इस टिप्पणी को बैट-टैंपरिंग के रूप में लिय गया। ये भी कहा गय कि वह भारतीय बल्लेबाजों के बल्लों पर सवाल उठाल रहे हैं। उनपर मानकों से हटकर अगल बल्ला इस्तेमाल करने का आरोप लगा रहे हैं। इसी विवाद को लेकर अब राजपक्षा ने कहा है कि उनकी बात को गलत समझा गया है। राजपक्षा ने कहा था, हम जो सबसे अच्छे बल्ले पा सकते हैं, उससे भी कहीं बेहतर बल्ले भारतीय खिलाड़ियों के पास हैं। ऐसा लगता है कि जैसे उस पर रबड़ की कोई परत सी लगी हुई हो। मैं ये कल्पना नहीं कर सकता कि ऐसे बल्ले बनना कैसे संभव हो सकता है। खास बात से है कि इनका दूसरे खरीद तक नहीं रहे राजपक्षा के इस बयान के बाद भारतीय टीम के बल्लों को लेकर सवाल उठने लगे थे। ये कहा जाने लगा कि क्या भारतीय खिलाड़ी किसी खास तरह का बल्ला या माडिफाइड बैट का इस्तेमाल कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

बार्सिलोना एससी के खिलाफ मैच में लियोनेल मेसी चोटिल, इंटर मियामी का प्री-सीजन फिनाले स्थगित

मियामी। मेजर लीग साकर (एमएलएस) क्लब इंटर मियामी को अपने स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी की चोट के कारण बड़ा झटका लगा है। क्लब ने बुधवार को जानकारी दी कि मेसी बाएं हैमस्ट्रिंग में मांसपेशियों में खिंचाव (मसल स्ट्रेन) के चलते प्रशिक्षण सत्र में हिस्सा नहीं ले सके। उनकी इसी चोट के कारण टीम का प्री-सीजन फिनाले मुकाबला भी स्थगित कर दिया गया है। क्लब के अनुसार, दो बार के मौजूदा लीग मोस्ट वाल्यूबल प्लेयर मेसी को यह चोट पिछले सप्ताह इक्वाडोर में बार्सिलोना स्पोर्टिंग क्लब के खिलाफ खेले गए प्री-सीजन मैच के दौरान लगी थी। उस मुकाबले में मेसी ने गोल भी किया था, लेकिन दूसरे हाफ में उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया गया था। इसके बाद उनके मेडिकल परीक्षण कराए गए, जिनमें बाएं हैमस्ट्रिंग में मांसपेशियों में खिंचाव की पुष्टि हुई। इंटर मियामी ने आधिकारिक बयान में कहा, मेसी की ट्रेनिंग में वापसी उनके क्लिनिकल और फंक्शनल सुधार पर निर्भर करेगी, जिसका आकलन आने वाले दिनों में किया जाएगा। क्लब ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। मेसी की चोट के चलते इंटर मियामी और इक्वाडोर के क्लब इंडिपेंडिएंते डेल वाए के बीच शुक्रवार को प्यूर्टो रिको के जुआन रामोन लोब्रीएल स्टेडियम में खेला जाने वाला मैत्री मैच अब 26 फरवरी तक के लिए टाल दिया गया है। गौरतलब है कि इंटर मियामी को अपना एमएलएस अभियान 21 फरवरी से शुरू करना है। ऐसे में मेसी की फिटनेस टीम के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गई है। अब देखना होगा कि वह सीजन के शुरुआती मुकाबलों तक पूरी तरह फिट हो पाते हैं या नहीं।

बटलर ने सबसे ऊंचा कैच पकड़ने का विश्व रिकार्ड बनाया

मुम्बई। इंग्लैंड की टीम के विकेटकीपर जोस बटलर ने भारत में जारी टी20 विश्कप के दौरान सबसे ऊंचा कैच पकड़ने का विश्व रिकार्ड अपने नाम किया है। इससे पहले ये रिकार्ड आस्ट्रेलिया के टिमोथी शैनन जेबेसीलन के नाम दर्ज था। टिमोथी ने सिडनी में 19 नवंबर 2021 को 119.86 मीटर करीब 393 फीट 2.897 इंच ऊंचाई वाला कैच पकड़ा था। बटलर ने ये रिकार्ड इंग्लैंड के ही पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन की देखरेख में बनाया है। बटलर के लिए सबसे ऊंचा कैच पकड़ना आसान नहीं था। उन्होंने करीब 60 मिनट तक इसके लिए तैयारी की थी और अंत में इसे पूरा किया। बटलर ने इसके बाद 122 मीटर ऊपर से ड्रोन से गिराए गए इस कैच को पकड़ा, ये तब लगभग 400 फीट जमीन से ऊपर था। गौरतलब है कि अभी तक किसी ने भी 120 मीटर से ऊपर का कैच नहीं पकड़ा है। बटलर को 60 मिनट इस रिकार्ड कैच के लिए मिले थे। 50 मीटर के कैच से उन्होंने शुरुआत की थी। पहले कुछ प्रयासों में तो उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था कि उनके साथ क्या हो रहा है। वीडियो में बटलर केविन पीटरसन से ये कहते हुए भी नजर आए कि ये करना मुश्किल है, जबकि वर्ल्ड कप जीतना आसान है। बटलर ने ये भी कहा कि महेन्द्र सिंह धोनी और एडम गिलक्रिस्ट ने भी अब तक कभी इस प्रकार से कैच नहीं पकड़ा है। बटलर के लिए पहले गुलाबी गेंद हवा में ड्रोन से गिराई जा रही थी, जिसे वह पकड़ नहीं पा रहे थे तो उन्होंने सफेद गेंद से कैच पकड़ने के लिए कहा। सफेद गेंद से परेशानी पैदा कर रही थी तो उन्होंने फिर से लाल गेंद ली।

बांग्लादेश के खेल सलाहकार फिर बयान से पलटे, टी20 विश्वकप के बहिष्कार का फैसला सरकार का था

ढ़ाका। बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने एक बार फिर अपने बयान से पलटते हुए कहा है कि टी20 विश्वकप क्रिकेट के बहिष्कार का फैसला सरकार का था। इससे पहले कल उन्होंने कहा था कि ये फैसला खिलाड़ियों और क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का था। वहीं शुरुआत में कहा था कि सुरक्षा कारणों से टीम भारत नहीं भेजी जा सकती है। नजरुल ने इस मामले में बुधवार को सफाई देते हुए कबूल किया कि वह इस मुद्दे पर सही तरह से अपनी बात नहीं रख पाये थे। उन्होंने कहा, एक बार फिर मैं कहता हूं कि विश्व कप में नहीं खेलने का फैसला सरकार का था। नजरुल ने कहा कि उनके पिछले बयान को गलत तरीके से लिया गया। बीसीबी के कार्यक्रम में उनसे ये पूछा गया कि क्या विश्व कप में नहीं खेलने का उन्हें कोई पछतावा है, न कि ये पूछा गया कि फैसला किसने लिया था। नजरुल के अनुसार सरकार ने जनवरी की शुरुआत में ही फैसला कर लिया था कि सुरक्षा चिंताओं की वजह से भारत में टीम नहीं भेजी जा सकेगी।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

भारत ने नामीबिया को 93 रन से हराया

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप 2026 में लगातार दूसरी जीत हासिल कर ली है। टीम की टक्कर दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में नामीबिया से थी। इस मैच को भारत ने 93 रनों से बड़े अंतर से अपने नाम किया। टॉस हारने के बाद पहले खेलते हुए भारत ने 9 विकेट पर 209 रन बनाए। जवाब में नामीबिया ने अच्छी शुरुआत की लेकिन स्पिन गेंदबाजों के आते ही उनकी पारी बिखर गई। टीम की पारी 19वें ओवर में 116 रनों पर सिमट गई। इस जीत के साथ ही भारत पाकिस्तान को पीछे छोड़कर ग्रुप ए के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गया है।

संजू सैमसन ने भारत के तेज शुरुआत दी। उन्होंने तीन छक्के और एक चौका लगाया लेकिन दूसरी ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद ईशान ने तिलक वर्मा के साथ दूसरे विकेट के लिए 31 गेंदों में 79 रन जुटाकर टीम को 100 के पार पहुंचा दिया। ईशान ने छठे ओवर में लगातार 4 छक्के मारे और 20 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। 7वें ओवर में भारतीय टीम 100 के पार पहुंच गई। 8वें ओवर की पहली गेंद पर आउट हुए। उन्होंने 24 गेंदों में 5 छक्कों और 6 चौकों के साथ 61 रन की पारी खेली।इसके बाद नामीबिया के स्पिन गेंदबाजों ने भारत को प्रेशर में डाल दिया। कप्तान सूर्यकुमार यादव 13 गेंदों में 12 रन बनाकर आउट हुए, जबकि तिलक ने 21 गेंदों में 3 चौकों के साथ 25 रन की पारी खेली। 12 ओवर के बाद भारत का स्कोर 4 विकेट पर 124 रन था। यहां से हार्दिक पंड्या ने शिवम दुबे (23) के साथ 39 गेंदों में 81 रन जोड़कर भारत को 200 के पार पहुंचाया। टीम इंडिया को 205 के स्कोर पर हार्दिक पंड्या के रूप में पांचवां झटका लगा। पंड्या 28 गेंदों में 4 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 52 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। नामीबिया के लिए कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने 4 ओवर में 20 रन देकर 4 विकेट झटके।

लौरेन स्टीनकैंप और जान फ्राइलिनक की सलामी जोड़ी ने नामीबिया को बेहतरीन शुरुआत दिलाई। भारत ने हार्दिक पंड्या और अर्शदीप सिंह से गेंदबाजी की शुरुआत करवाई।

फ्राइलिनक तेजी से रन बना रहे थे लेकिन चौथे ओवर में अर्शदीप सिंह का शिकार बन गए। उन्होंने 15 गेंद पर 22 रन बनाए। पावरप्ले खत्म होने तक नामीबिया का स्कोर एक विकेट पर 57 रन था। 7 ओवर के बाद टीम 67 रनों तक पहुंच चुकी थी लेकिन वरुण चक्रवर्ती के आते ही कहानी बदल गई। उन्होंने अपनी पहली ही गेंद पर लॉरेन को बोल्ड कर दिया। उन्होंने 20 गेंद पर 29 रन बनाए। नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने अक्षर पटेल के खिलाफ दो छक्के मारे। वरुण चक्रवर्ती ने अपने दूसरे ओवर में दो विकेट लिए।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

श्रीलंका ने ओमान को रौंदा

पल्लेकेले, 12 फरवरी (एजेंसियां)। श्रीलंका और ओमान के बीच टी20 वर्ल्ड कप का मुकाबला खेला जा रहा है। इस मुकाबले में श्रीलंकाई टीम ने एक बड़ी जीत दर्ज की है। इस मैच में श्रीलंका ने कमाल का प्रदर्शन किया है। फिर चाहे वो बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी। उनकी टीम ने एक बड़ी जीत दर्ज की और नेच रनरेट को भी काफी अच्छा कर लिया। श्रीलंका ने इस मैच को 105 रनों से जीता। दरअसल उनके लिए एक बड़ी जीत इसलिए भी जरूरी थी क्यों उनके ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे ने बड़ी जीत पहले ही दर्ज कर ली है। श्रीलंकाई टीम ने इस मुकाबले को जीतकर नेट रनरेट में गजब की छलांग लगाई है। उनका नेट रनरेट अब +1.000 से +3.125 हो गया है। श्रीलंका ने टूर्नामेंट में अब तक दो मुकाबले खेले हैं दोनों ही मैचों उन्हें जीत मिली है। उनके अब 4 अंक भी हो गए हैं। जिसके कारण उनकी टीम ग्रुप बी की अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई है। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले स्थान पर मौजूद थी। यह ग्रुप काफी ज्यादा रोमांचक होता हुआ नजर आ रहा है। जहां नेट रन रेट का रोल आने वाले समय में काफी अहम हो जाएगा।

श्रीलंका और ओमान के बीच खेले गए मुकाबले के बारे में बात करें तो इस मैच में ओमान की टीम ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। उनके इस फैसले को श्रीलंका के बल्लेबाजों ने पूरी तरह से गलत साबित कर दिया और श्रीलंकाई टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 225 रन बनाए। इस दौरान श्रीलंका की ओर से तीन बल्लेबाज, कुसल मेंडिस, पवन रत्नायके और दसुन शनाका ने अर्धशतक जड़ा। जिसके कारण श्रीलंकाई टीम इस विशाल स्कोर तक पहुंच सकी और ओमान को जीत के लिए 226 रनों का लक्ष्य दे डाला।रनचेज करने उतरी ओमान की टीम शुरुआत से ही इस मुकाबले में काफी कमजोर नजर आ रही थी। उन्होंने शुरुआत से ही जीत के इरादे नहीं दिखाए। ओमान की टीम इस रनचेज में 20 ओवर के दौरान 9 विकेट खोकर सिर्फ 120 रन ही बना सकी।

पाकिस्तान के स्पिनर तारिक के एक्शन पर उठे सवाल, बचाव में उतरे अश्विन

नई दिल्ली। पाकिस्तान के नये स्पिनर उस्मान तारिक के गेंदबाजी एक्शन पर एक बार फिर सवाल उठे हैं। तारिक की गेंदबाजी पर ये सवाल अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्वक मैच के बाद उठाये गये है। ये पहला अवसर नहीं है जब इस गेंदबाज के एक्शन पर सवाल उठे हैं। इससे पहले आस्ट्रेलियाई आलराउंउर कैमरून ग्रीन ने भी इस पाक गेंदबाज के एक्शन को अवैध बताया था। तारिक ने अमेरिका के खिलाफ मुकाबले में तीन अहम विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उनका अजीब सा एक्शन समझना अमेरिकी बल्लेबाजों के लिए संभव नहीं हुआ। इसी को लेकर भारतीय अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के सलामी बल्लेबाज रहे श्रीवत्स गोस्वामी ने भी सवाल उठाये हैं। गोस्वामी ने कहा कि गेंद फेंकने से पहले जिस प्रकार से तारिक रुकते हैं। वह सही नहीं है। उनका गेंदबाजी एक्शन नियमों के अनुरुप नहीं है। वहीं हैरान की बात है कि पूर्व भारतीय स्पिनर आर अश्विन ने तारिक का समर्थन करते हुए कहा गेंदबाजी के दौरान रुकने से एक्शन अवैध नहीं होता। अश्विन ने कहा, जब बल्लेबाज बिना अंपायर या गेंदबाज को बताए स्विच हिट या रिवर्स शाट खेल सकता है, तो गेंदबाज पर ही इतनी रोक क्यों लगायी गयी हैं गेंदबाज को बिना अंपायर को बताए अपना हाथ भी बदलने की अनुमति नहीं है।

कोपा डेल रे सेमीफाइनल (पहला चरण): रियल सोसिएदाद ने एथलेटिक बिलबाओ को 1-0 से हराया

मैड्रिड, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

स्पेन के प्रतिष्ठित फुटबाल टूर्नामेंट कोपा डेल रे के सेमीफाइनल के पहले चरण में रियल सोसिएदाद ने एथलेटिक बिलबाओ को 1-0 से हराकर अहम बढ़त हासिल कर ली। बुधवार को सैन मामेस स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में बेनात तुरिएंतस ने 62वें मिनट में नजदीकी दूरी से गोल दागकर टीम को जीत दिलाई।

इस जीत के साथ सोसिएदाद ने डर्बी मुकाबले में बढ़त बनाई और मार्च में होने वाले दूसरे चरण से पहले मजबूत स्थिति हासिल कर ली है। रियल सोसिएदाद लगातार तीसरी बार कोपा डेल रे के सेमीफाइनल में पहुंची है और 2019-20 में खिताब जीतने के बाद पहली बार फाइनल में जगह बनाने की कोशिश कर रही है। क्लब ने अब तक तीन बार यह ट्राफी जीती है।

वहीं, एथलेटिक बिलबाओ पिछले सात सीजन में छठी बार सेमीफाइनल में पहुंचा है। बिलबाओ ने 2024 में मल्लोर्का को हराकर खिताब जीता था, जबकि 2020-21 में बार्सिलोना और 2019-20 में रियल सोसिएदाद से फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के साथ बिलबाओ का सोसिएदाद के खिलाफ जीत का सूखा चार

मैचों तक पहुंच गया है। बिलबाओ ने इससे पहले दोनों टीमों की पिछली दो भिड़ंतों में जीत दर्ज की थी। कोपा डेल रे इतिहास में एथलेटिक बिलबाओ 24 खिताबों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि बार्सिलोना 32 खिताबों के साथ शीर्ष पर है। रियल मैड्रिड 20 ट्राफियों के साथ तीसरे स्थान पर है।

टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल गुरुवार से शुरू होगा, जिसमें एटलेटिको मैड्रिड मेजबान के रूप में मौजूदा चैंपियन बार्सिलोना का सामना करेगा। बार्सिलोना लगातार चौथे सीजन में अंतिम चार में पहुंचा है, जबकि एटलेटिको लगातार तीसरे सीजन सेमीफाइनल में खेल रहा है। एटलेटिको ने आखिरी बार 2019-20 में फाइनल में जगह बनाई थी और उसी साल खिताब जीता था।

एथलेटिक बिलबाओ ने क्वार्टरफाइनल में वालेंसिया को 2-1 से हराया था, जहां इनाकी विलियम्स ने इंजरी टाइम में विजयी गोल किया।

आईसीसी टी20 विश्व कप 2026: नेपाल का इटली से मुकाबला, पहली जीत की तलाश

काठमांडू, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत में जारी आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 में नेपाल अपने दूसरे मुकाबले में इटली का सामना करेगा। टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज करने के इरादे से नेपाल मैदान में उतरेगा।

नेपाल और इटली के बीच यह मैच भारत के मुंबई स्थित वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। नेपाल को अपने पहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ करीबी हार का सामना करना पड़ा था। 185 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नेपाल ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट के नुकसान पर 180 रन बनाए, लेकिन चार रन से मैच हार गया।

इटली के लिए यह टी20 विश्व कप डेब्यू है,

जबकि नेपाल तीसरी बार टी20 विश्व कप में हिस्सा ले रहा है। पिछले टी20 विश्व कप में बिना कोई जीत दर्ज किए बाहर होने वाला नेपाल इस बार खाली हाथ लौटना नहीं चाहता।

नेपाल के समूह में सबसे कमजोर माने जा रहे प्रतिद्वंद्वी के रूप में इटली को देखा जा रहा है। इसी कारण के मुकाबले में नेपाल को निश्चित जीत के साथ दो अंक हासिल करने की उम्मीद है। हालांकि, यदि नेपाल को हार का सामना करना पड़ता है, तो इसे एक बड़ा सेटबैक माना जाएगा।

टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में नेपाल 16वें स्थान पर है, जबकि इटली 26वें स्थान पर काबिज है। रैंकिंग में नीचे होने के बावजूद नेपाल के लिए इटली को हल्के में लेना संभव नहीं है। यूरोप क्षेत्रीय क्वालिफायर में स्काटलैंड को हराकर इटली ने विश्व कप में अपनी जगह बनाई है।

इटली की टीम में आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान जैसे टेस्ट खेलने वाले देशों से जुड़े खिलाड़ी शामिल हैं। इटली के कप्तान वेन मैडेसन दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी हैं। हालांकि, चोट के कारण वह के मुकाबले में अनुपस्थित रहेंगे।

आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 की संयुक्त मेज़बानी भारत और श्रीलंका कर रहे हैं। नेपाल अपने ग्रुप चरण के चारों मुकाबले भारत में खेलेगा। विश्व कप में इससे पहले दो बार हिस्सा ले चुका नेपाल अब तक ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सका है। इस संस्करण में नेपाल के सभी मुकाबले मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में ही खेले जा रहे हैं। ग्रुप सी में शामिल नेपाल ने अपने खेल की शुरुआत इंग्लैंड के खिलाफ की थी। इस ग्रुप में दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज, पूर्व चैंपियन इंग्लैंड के साथ स्काटलैंड और इटली भी शामिल हैं। आईसीसी रैंकिंग के आधार पर स्काटलैंड ने टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की की, जब बांग्लादेश ने भारत में विश्व कप खेलने से इनकार कर दिया।

चीन से व्यापार घाटा या रणनीतिक बढ़त ड्रैगन से आयात करना भारत के लिए है फायदे का सौदा

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत और अमेरिका के बीच संभावित ट्रेड डील की चर्चाओं के बीच, भारत और चीन के व्यापारिक रिश्तों ने एक नया और दिलचस्प मोड़ ले लिया है। वर्ष 2025 में भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 156 अरब डालर के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है। हालांकि, भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 100 अरब डालर को पार कर चुका है, लेकिन आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह घाटा पहले जैसा खतरनाक नहीं है।

वर्तमान में भारत और चीन का व्यापार इंपोर्ट टू एक्सपोर्ट माडल पर आधारित हो गया है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक निर्यात हब बनाने में ईंधन का काम कर रहा है। पिछले एक दशक में भारत सरकार ने प्रभावी कदम उठाकर भारतीय बाजारों में सस्ते चीनी माल की डंपिंग को काफी हद तक नियंत्रित किया है। इसका परिणाम यह है कि आज चीन से होने वाले कुल आयात का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा तैयार माल नहीं, बल्कि कच्चा माल और मध्यवर्ती वस्तुएं हैं। इलेक्ट्रानिक्स, मशीनरी और केमिकल्स जैसे क्षेत्रों में भारत चीन से कच्चे माल का आयात करता है, उन्हें भारत में प्रोसेस या असेंबल करता है और फिर तैयार उत्पाद को अमेरिका और यूरोप जैसे बड़े बाजारों में बेचकर मोटा मुनाफा कमाता है। इसका सबसे सटीक उदाहरण स्मार्टफोन सेक्टर है। वर्ष 2025 में भारत ने अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात करने के मामले में चीन को भी पीछे छोड़ दिया। लेकिन इस सफलता के पीछे चीन का बड़ा हाथ है, क्योंकि आईफोन और अन्य स्मार्टफोन्स के लिए जरूरी डिस्प्ले स्क्रीन, बैटरी और प्रिंटेड सर्किट बोर्ड जैसे महत्वपूर्ण पुर्जे चीन से ही आते हैं। यदि यह आयात रुक जाए, तो भारत की पूरी स्मार्टफोन इंडस्ट्री और उससे जुड़ा निर्यात ठप हो सकता है। आंकड़ों के अनुसार, भारत ने जनवरी से अक्टूबर 2025 के बीच चीन से 38 बिलियन डालर के इलेक्ट्रानिक्स पुर्जों का आयात किया, जिसकी मदद से इस वित्त वर्ष में 35 बिलियन डालर के तैयार फोन निर्यात करने का लक्ष्य रखा गया है। यही स्थिति भारत के फार्मास्युटिकल यानी दवा उद्योग की भी है। भारत को फार्मेसी आफ द वर्ल्ड कहा जाता है, लेकिन इसकी असली ताकत चीनी कच्चे माल में छिपी है। भारत अपनी दवाओं के लिए जरूरी 70 प्रतिशत एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट चीन से मंगाता है। विशेष रूप से एंटीबायोटिक्स के लिए यह निर्भरता 98 प्रतिशत तक है। बीते वर्ष भारत ने चीन से 12 बिलियन डालर का कच्चा माल मंगाकर करीब 30 अरब डालर की दवाइयां निर्यात कीं। यानी चीनी कच्चे माल की मदद से भारत ने दोगुने से भी अधिक की कमाई की।

इसी तरह टेक्सटाइल और इंजीनियरिंग क्षेत्र में भी भारतीय कंपनियां चीन से बटन, जिप, सिंथेटिक डाई और मशीनी उपकरणों का आयात कर अफ्रीका और मध्य पूर्व के देशों में तैयार माल बेच रही हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि चीन से आयातित यह कच्चा माल दुनिया के किसी भी अन्य बाजार की तुलना में सस्ता और सुलभ है। इसी स्मार्ट ट्रेड की बदौलत भारत न केवल विदेशी मुद्रा कमा रहा है, बल्कि देश के भीतर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं। भले ही व्यापारिक संतुलन चीन के पक्ष में झुका दिखे, लेकिन इस आयात के बिना भारत की मेक इन इंडिया मुहिम और वैश्विक निर्यात की रफ्तार धीमी पड़ सकती है।

न्यूज ब्रीफ

लैम्बोर्गिनी ने आखिरी हुराकान टेक्निका को किया डिलीवर

मुंबई। लैम्बोर्गिनी हुराकान की भारत में अपनी आखिरी हुराकान टेक्निका को डिलीवर कर दिया है। इसके साथ ही वी10 सुपरकार का सफर भारत में पूर्ण हुआ। लैम्बोर्गिनी ने भारत में कुल 252 हुराकान यूनिट्स बेचने का रिकार्ड बनाया। हुराकान टेक्निका, स्टैंडर्ड हुराकान और ट्रैक-फोकस्ड एसटीओ के बीच का वर्जन था, जिसे डेली ड्राइविंग के लिए परफार्मेंस और आराम का बेमिसाल काम्बो देने के लिए डिजाइन किया गया था। हुराकान टेक्निका में 5.2-लीटर का नैचुरली एस्पिरेटेड वी10 इंजन लगा था, जो 640बीएचपी पावर और 565एनएम पीक टार्क जेनरेट करता है। यह 7-स्पीड ड्यूल-क्लच ट्रांसमिशन के साथ रियर व्हील्स को पावर देता है। कंपनी के अनुसार, यह कार 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार केवल 3.2 सेकंड में पकड़ सकती है और इसकी टाप स्पीड 325 किमी प्रति घंटे है। भारत में डिलीवर की गई आखिरी हुराकान ग्रीगियो अचेसो कलर की थी। इस पर 20 इंच के एडी परसोनाम येसिर अलाय व्हील्स लगे हैं, साथ में लाइम ग्रीन ब्रेक कैलिपर्स दिए गए हैं। केबिन में आल-ब्लैक इंटीरियर को लाइम ग्रीन स्टिचिंग और पाइपिंग के साथ डेकोरेट किया गया है, जो कार को यूनीक और आकर्षक लुक देता है। हुराकान को पहली बार 2014 में एलपी 610-4 के रूप में ग्लोबली लान्च किया गया था। एक दशक से अधिक समय में इसके कई वेरिएंट आए, जिन्होंने परफार्मेंस, ऐरोडाइनैमिक्स और ड्राइविंग डायनेमिक्स को लगातार रिफाइन किया। हुराकान ने लैम्बोर्गिनी की माडर्न सुपरकार पहचान को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई और हाई-रेविंग वी10 इंजन की कैरेक्टर को भी बरकरार रखा।

ओल्ड ब्रिज म्यूचुअल फंड ने लान्च किया फ्लेक्सी कैप फंड, निवेशकों को मिलेगा बाजार चक्रों में लचीलापन

मुंबई। ओल्ड ब्रिज म्यूचुअल फंड ने अपने नए ओल्ड ब्रिज फ्लेक्सी कैप फंड के लान्च की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड डायनामिक इक्विटी स्कीम है, जो लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्माल-कैप शेयरों में निवेश का अवसर प्रदान करती है। यह फंड निवेशकों को एक ही पोर्टफोलियो के माध्यम से बाजार के बदलते चक्रों के अनुसार अपने निवेश को समायोजित करने की सुविधा देता है। ओल्ड ब्रिज फ्लेक्सी कैप फंड का न्यू फंड आफर (एनएफओ) 13 फरवरी 2026 को खुलेगा और 23 फरवरी 2026 को बंद होगा। यह स्कीम 10 रू. प्रति यूनिट के शुरुआती मूल्य पर उपलब्ध होगी। फंड हाउस ने इसमें न्यूनतम निवेश राशि एकमुश्त निवेश के लिए 5,000 रू. और एसआईपी के लिए 1,000 रू. निर्धारित की है। यह फंड बीएसई 500 टीआरआई को अपना बेंचमार्क बनाएगा। इस फंड का प्रबंधन ओल्ड ब्रिज एसेट मैनेजमेंट के संस्थापक और सीआईओ केनेथ एंड्रेडे करेंगे। भारतीय पूंजी बाजारों में 34 वर्षों का अनुभव रखने वाले एंड्रेडे का पोर्टफोलियो प्रबंधन में मजबूत ट्रैक रिकार्ड रहा है। लान्च पर उन्होंने कहा कि फ्लेक्सी-कैप दृष्टिकोण हमें लार्ज-कैप की स्थिरता और मिड व स्माल-कैप की विकास क्षमता का लाभ उठाने की अनुमति देता है। हमारा उद्देश्य टिकाऊ व्यवसायों में निवेश कर दीर्घकालिक कंपाउंडिंग का लाभ लेना है। यह फंड बाटम-अप और बिजनेस-बाय-बिजनेस निवेश दृष्टिकोण अपनाता है। इसमें पूंजी का आवंटन केवल बाजार पूंजीकरण के आधार पर करने के बजाय व्यवसाय की गुणवत्ता और विकास की निरंतरता पर आधारित होगा।

टोयोटा बना रही नई लेंड क्रूजर एफजे लान्च करने की प्लानिंग

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

साल 2028 में टोयोटा कंपनी नई एसयूवी लेंड क्रूजर एफजे लान्च करने की प्लानिंग कर रही है, जो फार्च्यूनर के नीचे वाले सेगमेंट में आएगी। इस वजह से इसकी सीधी टक्कर महिंद्रा थार रोक्स से मानी जा रही है। लान्च में अभी समय है, लेकिन इससे पहले इसका राइट-हैंड ड्राइव वर्जन टेस्टिंग के दौरान बैंकाक की सड़कों पर स्पाट किया गया है। इसकी स्पाई तस्वीरें रुशलेन/मोटर थाइलेंड ने शेयर की हैं, जिनसे पता चलता है कि यह एसयूवी डिजाइन और रोड प्रेजेंस के मामले में काफी दमदार होने वाली है।

कैमोफ्लाज से ढके टेस्ट माडल से भी इसका रफ़ एंड टफ़ लुक साफ नजर आता है। एफजे की लंबाई 4,575 मिमी, चौड़ाई 1,855 मिमी और ऊंचाई 1,960 मिमी है। 2,580 मिमी व्हीलबेस के साथ यह थार रोक्स की तुलना में लंबी और ऊंची है, जो इसे सड़क पर एक मजबूत उपस्थिति देती है। टोयोटा ने एक्सपो में इसका डिजाइन दिखाया था और इसमें सी-शेप वाले डीआरएल, मस्कुलर बंपर, मजबूत बाडीवर्क, रूफ रेल, उभरे हुए व्हील आर्च और पुल-टाइप डोर हैंडल मिलने की उम्मीद है। स्पाई तस्वीरों में इसका पिछला हिस्सा साफ दिखता है, जिसमें टेलगेट पर स्पेयर व्हील लगा हुआ है। रियर विंडस्क्रीन पर एक्सपोज्ड वाइपर, हाई-माउंटेड स्टाप लैंप और फ्लैट टेलगेट पर पुल-टाइप हैंडल दिखाई देते हैं। रियर बंपर पर पार्किंग सेंसर और रिफ्लेक्टर भी देखे जा सकते हैं। एसयूवी का सी-पिलर काफी मोटा है, जिससे इसे एक मजबूत और क्लासिक आफ-रोडर लुक मिलता है। टोयोटा इसे पांच कलर आप्शन में उतार सकती है एफजे-ऐश, प्लैटिनम वाइट पर्ल माइका, ऐटिट्यूड ब्लैक माइका, स्मोकी ब्लू और आक्साइड ब्रान्ज मेटैलिक। इंजन की बात करें तो भारत में यह फार्च्यूनर वाले 2.8-लीटर टर्बो डीजल इंजन के साथ आ सकती है। दिलचस्प बात यह है कि ग्लोबल मार्केट में उपलब्ध लेंड क्रूजर 250 में भी यही इंजन मिलता है। हालांकि, भारतीय बाजार और प्राइसिंग को ध्यान में रखते हुए कंपनी इसमें 2.4-लीटर डीजल इंजन भी दे सकती है, लेकिन इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है।

सिएरा का 1.5 लीटर टीजीडीआई हायपेरियन इंजन है सबसे तेजः सर्वे

नई दिल्ली। टाटा सिएरा के इंजनों की परफार्मेंस सामने आई है, जिससे आप अपनी ड्राइविंग स्टाइल के मुताबिक सही वेरिएंट चुन सकते हैं। आटोकार इंडिया के डेटा के आधार पर सिएरा का 1.5 लीटर टीजीडीआई हायपेरियन इंजन सबसे तेज है, जबकि नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन अपेक्षाकृत स्लो परफार्मेंस देता है। 1.5 लीटर टीजीडीआई टर्बो-पेट्रोल इंजन ने परफार्मेंस के मामले में खुद को सबसे आगे साबित किया है। यह इंजन मात्र 10.09 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेता है, जो इसे अपने सेगमेंट की सबसे फास्ट कारों में शामिल करता है। टेस्ट ट्रैक नटराक्स पर कंपनी ने इस इंजन के साथ 222 किमी प्रति घंटे की टाप स्पीड भी हासिल की थी, हालांकि प्रोडक्शन माडल में इसकी टाप स्पीड 190 किमी प्रति घंटे तक सीमित रखी गई है। इतना ही नहीं, यह इंजन शक्तिशाली होने के साथ रिफाइंड और फ्यूल-एफिशिएंट भी है। यह वेरिएंट फिलहाल सिर्फ आटोमैटिक ट्रांसमिशन में उपलब्ध है। दूसरी ओर, 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल (रेवोट्रान) इंजन थोड़ा धीमा है और 0 से 100 की स्पीड पकड़ने में 17.34 सेकंड लेता है। इसका टार्क डिलीवरी कम आरपीएम पर अच्छी है, जिससे यह शहर की ड्राइविंग के लिए बेहतर है। स्मूथ और रिफाइंड ड्राइविंग अनुभव होने के बावजूद ओवरटेकिंग के दौरान थोड़ी प्लानिंग की जरूरत पड़ती है। यह इंजन मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध है, जिसका गियरशिफ्टिंग अनुभव काफी अच्छा है। सबसे धीमा परफार्मेंस 7-स्पीड ड्यूल-क्लच आटोमैटिक के साथ आता है, जिसे 0-100 किमी/घंटा रफ्तार पकड़ने में 21.16 सेकंड लगते हैं। गियर शिफ्टिंग के समय हल्का पाज महसूस होता है, जिससे इसका एक्सेलेरेशन थोड़ा रिलैक्स्ड लगता है। अगर आप एक बैलेंस्ड और बेहतर एक्सेलरेशन वाले विकल्प की तलाश में हैं, तो 1.5 लीटर डीजल इंजन अच्छा विकल्प बनता है। यह इंजन मैनुअल और आटोमैटिक दोनों गियरबाक्स के साथ आता है और 12.87 सेकंड में 0-100 की स्पीड पकड़ सकता है। इसके परफार्मेंस के साथ फ्यूल एफिशिएंसी भी ग्राहकों को खास पसंद आएगी। अगर आप टाटा सिएरा लेने की प्लानिंग कर रहे हैं और अलग-अलग इंजन आप्शन्स के बीच उलझे हुए हैं, तो अब आपकी परेशानी खत्म हो सकती है।

मारुति सुजुकी ने रेल मार्ग से किए सबसे ज्यादा वाहन डिस्पैच, बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

साल 2025 में रेल मार्ग से सबसे ज्यादा वाहनों का डिस्पैच कर मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने एक नया रिकार्ड कायम किया है। देश भर में कंपनी ने रेलवे नेटवर्क के जरिए 5.85 लाख से ज्यादा गाड़ियां भेजीं, जो 2024 की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है। रेल का अधिक इस्तेमाल न सिर्फ लाजिस्टिक्स को तेज और प्रभावी बना रहा है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मददगार साबित हो रहा है। कंपनी के अनुसार, 2025 में रेल के जरिए वाहनों की डिलीवरी से लगभग 87,904 मीट्रिक टन सीओटू उत्सर्जन से बचाव हुआ और 6.87 करोड़ लीटर से अधिक फ्यूल की बचत हुई। पिछले एक दशक में रेल के जरिए गाड़ियों के डिस्पैच का हिस्सा 2016 के 5.1 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में लगभग 26 प्रतिशत तक पहुंच गया। साल 2025 में मारुति सुजुकी ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं। मानेसर प्लांट में देश की सबसे बड़ी इन-प्लांट रेलवे साइडिंग शुरू की गई और पहली बार रेल के जरिए कश्मीर घाटी तक पैसेंजर कारों की डिलीवरी की गई। खास बात यह रही कि गाड़ियां चिनाब ब्रिज से होकर भेजी गईं, जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है।

भविष्य की योजनाओं के तहत मारुति सुजुकी एफवाय 2030-31 तक रेल के जरिए वाहन डिस्पैच का हिस्सा 35 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रख रही है। यह रणनीति भारत के 2070 नेट-जीरो एमिशन लक्ष्य के अनुरूप है। कंपनी के एमडी और सीईओ हिसाशी ताकेउची ने कहा कि मारुति सुजुकी ने सस्टेनेबिलिटी के लिए सर्कुलर मोबिलिटी अप्रोच अपनाई है, जिसमें वाहन के डिजाइन और प्रोडक्शन से लेकर लाजिस्टिक्स और एंड-आफ-लाइफ मैनेजमेंट तक कार्बन फुटप्रिंट कम करने पर ध्यान दिया जा रहा है। उनका कहना है कि रेल लाजिस्टिक्स पर बढ़ता फोकस लागत और समय की बचत के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी एक मजबूत कदम साबित हो रहा है।

तमाशा कैफे में कपल्स के लिए खास लंच, बिल भरेगा मैनेजमेंट

हैदराबाद। इस वैलेंटाइन्स डे पर, गन्नॉक स्थित ता.मा.शा. एशियन वेज कैफे रोमांस को एक यादगार जायके के उत्सव में बदलने जा रहा है। अपने पहले वैलेंटाइन्स डे के अवसर पर, यह कैफे कपल्स को एक विशेष रूप से तैयार वैलेंटाइन्स लंच के लिए आमंत्रित कर रहा है, जिसका पूरा बिल खुद तमाशा द्वारा वहन किया जाएगा । यह उत्सव एक विशेष रिजर्वेशन-ओनली (केवल अग्रिम बुकिंग) अनुभव के रूप में डिजाइन किया गया है, जो स्वाद और साथ के एक खूबसूरत दोपहर का वादा करता है। कपल्स को एक सावधानी से तैयार किया गया 'प्रीसेट मेनू' परोसा जाएगा, जिसमें शामिल हैं: शानदार स्टार्टर्स और मुख्य व्यंजन। स्वादिष्ट डेजर्ट्स। इस खास अवसर के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए सिग्नेचर मॉकटेल्स।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना 750 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 820 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। दूसरी ओर,चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान 24 कैरेट सोना 1,59,610 रुपये से लेकर 1,59,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,46,310 रुपये से लेकर 1,46,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। जबकि चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी शुरुआती कारोबार में 2,89,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,59,760 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,59,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,59,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,59,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,46,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,59,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,59,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,46,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,59,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राजनाथ ...

महत्व का बन जाता है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि गांधी सरोवर परियोजना मूसी नदी के पारिस्थितिक बहाली और सतत विकास के लिए राज्य सरकार की व्यापक योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने बापू घाट को एक विश्व स्तरीय शैक्षिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और पर्यावरणीय लैंडमार्क के रूप में विकसित करने के सरकार के दृष्टिकोण को भी साझा किया, जो महात्मा गांधी के आदर्शों और विरासत को प्रतिबिंबित करेगा।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस पहल और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

कर्ज का...

बताया जा रहा है कि सरकार ने संपत्ति और देनदारियों के पृथक्करण की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी है।

भूगोल के आधार पर होगा कर्ज का बंटवारा

नागरिक अधिकारियों ने कहा कि देनदारियों का बंटवारा संबंधित अधिकार क्षेत्रों में निष्पादित परियोजनाओं और कार्यों के आधार पर किया जाएगा। कर्ज समान रूप से नहीं थोपा जाएगा। यदि कोई विशेष ऋण किसी विशिष्ट क्षेत्र में फ्लाईओवर, सड़क परियोजना या बुनियादी ढांचे के काम के लिए लिया गया था, तो संबंधित निगम उस देनदारी को वहन करेगा। उदाहरण के लिए, प्रमुख बुनियादी ढांचा पहल के तहत लिए गए ऋणों को ज़ोन-वार मैप किया जाएगा और तदनुसार आवंटित किया जाएगा।

महत्वपूर्ण विभागों में कर्मचारियों की भारी कमी

वित्तीय पुनर्गठन के अलावा, इस त्रिविभाजन से महत्वपूर्ण प्रशासनिक चुनौतियां पैदा होने की भी आशंका है। स्वच्छता, पशु चिकित्सा सेवाओं, बागवानी, कीट विज्ञान , खाद्य सुरक्षा और प्रवर्तन जैसे प्रमुख विभागों में पहले से ही कर्मियों की भारी कमी है।

ये विभाग तेजी से फैलते महानगर में सार्वजनिक स्वास्थ्य बनाए रखने, अपशिष्ट प्रबंधन, मच्छर नियंत्रण, आवारा पशु प्रबंधन और हरित क्षेत्र के रख-रखाव के लिए महत्वपूर्ण हैं। अब तीनों निगमों को अलग-अलग प्रशासनिक ढांचे, इंजीनियरिंग विंग, स्वास्थ्य विभाग और प्रवर्तन टीमों की आवश्यकता होगी, ऐसे में कर्मचारियों का संकट और गहरा सकता है जब तक कि कर्मियों का बड़े पैमाने पर पुनर्वितरण नहीं किया जाता। कर्मचारी यूनियनों ने चिंता व्यक्त की है कि मानव संसाधनों को मजबूत किए बिना, इस बदलाव के दौर में जनसेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सबसे अमीर...

साइबराबाद की वित्तीय मजबूती का मुख्य कारण इसका तेजी से फैलता आईटी कॉरिडोर, घने वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, प्रीमियम आवासीय लेआउट और ऊंची इमारतों की बाढ़ है। इसके अलावा, भवन निर्माण अनुमति शुल्क, इम्पैक्ट फीस और विकास शुल्क के माध्यम से भी यहाँ भारी राजस्व प्राप्त हो रहा है।

आईटी जोन खोने से जीएचएमसी के खजाने को लगेगा झटका

दूसरी ओर, आईटी कॉरिडोर वाले क्षेत्रों को खोने के बाद पुनर्गठित जीएचएमसी के राजस्व में भारी गिरावट आने की संभावना है। वर्ष 2024-25 के दौरान, तत्कालीन जीएचएमसी ने संपत्ति कर से 2,000 करोड़ रुपये और अन्य स्रोतों से 1,500 करोड़ रुपये एकत्र किए थे। लेकिन इस विभाजन के बाद, चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक जीएचएमसी का संग्रह लगभग 1,000 करोड़ रुपये पर सिमटने की उम्मीद हैजो कि इसके पिछले संग्रह का लगभग आधा है।

राजस्व सुधार के लिए जीएचएमसी अब डिजिटलीकरण और टीज-ीएसपीडीसीएल (बिजली विभाग) के डेटा के साथ संपत्ति कर डेटा के एकीकरण पर जोर दे रहा है ताकि टैक्स चोरी को रोका जा सके।

मियां-बीवी...

के लिए उत्तरदायी है। आयोग ने आगे कहा कि गर्भावस्था का ऐसा जबरन समापन एक आपराधिक अपराध है, जिसके लिए कारावास और अन्य कानूनी सजा का प्रावधान है।

आयोग ने कलवाकुर्ती के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) और वांगुर पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी (एसएचओ) को शिकायतकर्ता की समस्या का तुरंत समाधान करने और कानून के अनुसार उपचारात्मक उपाय करने की सिफारिश की है।

नागरकर्नूल के पुलिस अधीक्षक को इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी करने का निर्देश दिया गया है।

पूरे मामले की गहन जांच कर 26 फरवरी तक रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 13 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला द्वारा जन्म शताब्दी महोत्सव 15 फरवरी को

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी 15 फरवरी को रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला द्वारा भव्य जन्म शताब्दी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस पावन अवसर पर विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सेवाभावी संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों को ससम्मान आमंत्रित किया गया है।महोत्सव में भाग लेने हेतु श्री जैन सेवा संघ के चेयरमेन योगेश सिंघी, अध्यक्ष उमेश बागरेचा, मंत्री विमल मुथा, सहमंत्री योगेश सोनी एवं सुनील कावडिया, पूर्व मंत्री अशोक मुथा, कार्यकारिणी सदस्य अविनाश भंडारी, विक्रम चौधरी, महावीर तातेड तथा शासन सेवी योगेश खरगांधी को आमंत्रित किया गया है।इसके अतिरिक्त महेश बैंक के चेयरमेन एम. एम. पलोड़, पूर्व चेयरमैन रमेश बंग, वाइस चेयरमैन गोविंद राठी, निदेशक दीपक बंग, निलेश बंग, गणेश उत्सव समिति के डॉ. भगवंत राव, कच्छी मित्र मंडल के ट्रस्टी सुशील कापड़िया, शांति गुरु मंदिर के वाइस चेयरमैन शालीभद्र कटारिया, महावीर अस्पताल के ट्रस्टी डॉ. घीसुलाल जैन, अलका चौधवी, तारा होटल एवं केटरर्स के लक्ष्मण शाह तथा परशोत्तजी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है।उक्त सभी गणमान्य व्यक्तियों को जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, मुकेश चौहान, तरुण मेहता एवं अन्य सदस्यों द्वारा ससम्मान आमंत्रित किया गया है। आयोजन समिति ने समाज के अधिक से अधिक लोगों से इस ऐतिहासिक जन्म शताब्दी महोत्सव में सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है।

गौ सेवा सबसे बड़ी सेवा, राधे-राधे ग्रुप के कार्य शब्दों से परे : राजकुमारी अग्रवाल

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के समीप गौशाला के सामने जारी नियमित अन्नदान एवं गौ सेवा कार्यक्रम में सेवा, समर्पण और संस्कार का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राजकुमारी अग्रवाल ने कहा कि गौ सेवा सबसे बड़ी सेवा है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सेवा कार्यों के बारे में जो भी कहा जाए, वह शब्द कम पड़ जाते हैं।

उन्होंने कहा कि गौ माता हमारी संस्कृति, आस्था और परंपरा की आधारशिला हैं। गौ सेवा केवल एक धार्मिक कर्तव्य नहीं, बल्कि समाज और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। राधे-राधे ग्रुप जिस निष्ठा और निरंतरता के साथ जरूरतमंदों को अन्नदान कर रहा है और साथ ही गौशाला में सेवा का कार्य कर रहा है, वह वास्तव में प्रेरणादायक है।

राजकुमारी अग्रवाल ने आगे कहा कि आज के समय में जब लोग अपने व्यक्तिगत जीवन में व्यस्त हो जाते हैं, ऐसे में समाज के लिए समय निकालकर सेवा करना अत्यंत सराहनीय है। राधे-राधे ग्रुप का यह प्रयास केवल भूख मिटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में प्रेम, सहयोग और संवेदनशीलता का संदेश भी दे रहा है।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने गौशाला में गौ माता की सेवा करते हुए अन्न, चारा एवं अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया। इसके साथ ही निर्धन एवं जरूरतमंद लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन कराया गया। सेवा के इस पावन अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने एकजुट होकर समाज सेवा के इस अभियान को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

आज की सेवा स्वर्गीय श्री शिवकुमार विजयवर्गीय की पुण्य तिथि पर विजयवर्गीय परिवार की ओर से की गई।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल, गोविंदराम जी, महेश गोयल, अनिल भाई, अरुण विजयवर्गीय, पन्नालाल जी, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, स्वास्ति अग्रवाल, अर्चना शास्त्री एवं रेनू शर्मा सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

अग्रवाल केयर फाउंडेशन, भाग्यनगर गौ सेवा द्वारा श्री सूर्य देव मंदिर में गौ सेवा लाभ

हरी घांस, सब्जियां, रोटी एवं एक माह की घांस सेवा स्वरूप अर्पित

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल केयर फाउंडेशन, भाग्यनगर गौ सेवा के सदस्य मनीष अग्रवाल द्वारा गुरुवार दि. 12 फरवरी को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार श्री सूर्य देव मंदिर, अत्तापुर की गौशाला में हरी घांस, हरी सब्जियां, रोटी तथा एक माह की घांस सेवा स्वरूप प्रदान की गई। इस अवसर पर अग्रवाल केयर फाउंडेशन, भाग्यनगर गौ सेवा के सदस्यों द्वारा तन-मन से गौ सेवा की गई।

कार्यक्रम के दौरान श्री ओम अग्रवाल को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। ओम अग्रवाल ने गौ सेवा का महत्व बताते हुए सभी से अधिकाधिक लोगों को इस पुनीत कार्य से जुड़ने एवं नियमित रूप से सेवा करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि गौ सेवा भारतीय संस्कृति की आधारशिला है और समाज को इसे निरंतर आगे बढ़ाना चाहिए।

इस पुनीत कार्यक्रम में सदस्य ओम अग्रवाल, संजय पसारी, मनीष अग्रवाल, सत्यनारायण फोगला, अशोक जालान, संजय भालवाले, प्रितेष पित्ती, अंकुर बंसल, नन्दा अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल, संगीता, कुसुम गुप्ता, नम्रता, सारिका, रेखा, सुनिता, रूचि, अनिता, रीना, शीला, कुसुम, रजनी अग्रवाल, रजनी फोगला, रजनी गुप्ता, तनिषा गुप्ता, सीमा पसारी, देविका सिंघानिया, ज्योति शर्मा, तानिया, अंजु गोयल, कृष्णा पित्ती, हर्षल पित्ती, श्याम अग्रवाल, गोविंद राज अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, सुनील कुमार संघी, सुनील भूत, रितेश अग्रवाल, त्रियोगी नारायण राठी, संजय गुप्ता, राजेश शर्मा, संतोष अग्रवाल (पानी वाले) आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन सामूहिक गौ पूजन एवं सेवा संकल्प के साथ किया गया।

तेलंगाना सरकार जल्द लॉन्च करेगी कर्मचारियों के लिए नई स्वास्थ्य योजना

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। एम्प्लॉइज हेल्थ केयर ट्रस्ट ने गुरुवार को राज्य सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए एक नई स्वास्थ्य योजना शुरू करने का निर्णय लिया है। इस योजना की औपचारिक घोषणा अगले पखवाड़े के भीतर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री द्वारा की जाएगी।यह निर्णय राज्य सचिवालय में मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव की अध्यक्षता में आयोजित एम्प्लॉइज हेल्थ केयर ट्रस्ट की बैठक में लिया गया।बैठक में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी दी गई, जिसके तहत नई स्वास्थ्य योजना के लिए कर्मचारियों द्वारा उनके मूल वेतन का 1.5 प्रतिशत योगदान दिया जाएगा। साथ ही, राज्य सरकार भी इसमें कर्मचारियों के बराबर यानी 1.5 प्रतिशत का ही योगदान देगी। मुख्य सचिव ने कर्मचारी संघ के नेताओं से दिशा-निर्देशों को शीघ्र अंतिम रूप देने में सहयोग करने का आग्रह किया है।अधिकारियों ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से योजना का विवरण साझा किया:लाभार्थी: राज्य में लगभग 1.44 लाख कर्मचारी और पेंशनभोगी हैं, जिनके करीब 12.84 लाख आश्रित इस योजना के दायरे में आएंगे।

श्रेणियां: इस योजना में चतुर्थ श्रेणी, अराजपत्रित, राजपत्रित कर्मचारी और पेंशनभोगी सहित सभी श्रेणियां शामिल होंगी।

बजट: कर्मचारियों के योगदान से सालाना लगभग 528 करोड़ रुपये जुटने की उम्मीद है, जिसमें सरकार भी उतनी ही राशि मिलाएगी।

प्रतिनिधित्व: एम्प्लॉइज हेल्थ केयर ट्रस्ट में कर्मचारी संघों के छह और पेंशनभोगियों के दो प्रतिनिधि शामिल होंगे।नेतृत्व: राज्य सरकार के एक कर्मचारी को ट्रस्ट का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (उएज) नियुक्त किया जाएगा।उद्देश्य: मुख्य सचिव ने कहा कि सरकार का लक्ष्य कर्मचारियों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना है।

प्यार इंतजार कर सकता है, धोखेबाज नहीं : पुलिस आयुक्त की युवाओं को चेतावनी

वैलेंटाइन डे से पहले 'रोमांस स्कैम' को लेकर जारी की गई सार्वजनिक एडवाइजरी

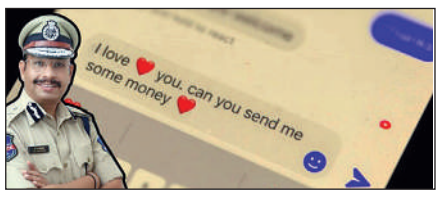

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। वैलेंटाइन डे से पहले हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने गुरुवार को एक सार्वजनिक चेतावनी जारी कर नागरिकों को रोमांस स्कैम के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और डेटिंग ऐप्स के माध्यम से प्रेम का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह सक्रिय हैं।आम जनता से सहज संवाद के लिए प्रसिद्ध सज्जनार ने जेनरेशन-ज़ेड की भाषा में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, वैलेंटाइन डे गुलाबों का दिन है, खतरे के संकेतों का नहीं।

एक्स (पूर्व ट्विटर) पर अपने संदेश में उन्होंने लिखा, वैलेंटाइन डे गुलाबों का दिन है, खतरे के संकेतों का नहीं। लेकिन जब आप डेटिंग ऐप्स और सोशल मीडिया पर प्यार की तलाश कर रहे होते हैं, तो कोई और आपके बैंक बैलेंस पर नजर रख रहा होता है।पुलिस आयुक्त ने उन सामान्य संकेतों की ओर ध्यान दिलाया, जिन्हें लोग अक्सर अनदेखा कर देते हैं। उन्होंने बताया कि अचानक और नाटकीय ढंग से ङ्कआई लव यूफ कहना, विदेश में नौकरी की कहानियां सुनाना, अचानक आपात स्थिति का हवाला देना या व्यक्ति को उसके परिवार और मित्रों से अलग-थलग करने की कोशिश करना, ये सभी धोखेबाजों की क्लासिक तरकीबें हैं।इन तरीकों से वे पहले विश्वास जीतते हैं और बाद में बिना संदेह उत्पन्न किए पैसों की मांग करते हैं।

पैसे या व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें

सज्जनार ने स्पष्ट चेतावनी दी कि किसी ऐसे व्यक्ति को कभी भी पैसे, क्रिप्टोकरेंसी, गिफ्ट कार्ड या व्यक्तिगत जानकारी न भेजें, जिससे आप व्यक्तिगत रूप से नहीं मिले हों। उन्होंने कहा, चाहे वह वीजा संबंधी समस्या हो, चिकित्सा आपात स्थिति हो या सीमा शुल्क में फंसा कोई ङ्कसरप्राइज गिफ्टफ सतर्क रहें।

उन्होंने नागरिकों को सलाह दी कि यदि किसी स्थिति में संदेह हो तो तुरंत परिवार या भरोसेमंद मित्र से परामर्श लें। इससे समय रहते धोखाधड़ी से बचा जा सकता है।

अपने संदेश के अंत में उन्होंने कहा, अगर आपको संदेह है, तो किसी भरोसेमंद दोस्त या परिवार के सदस्य से सलाह लें। प्यार इंतजार कर सकता है, लेकिन धोखेबाज नहीं।

तीन महीने बाद भी मदीना बस दुर्घटना पीड़ितों को नहीं मिला मुआवजा

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ने शीघ्र भुगतान का दिया आश्वासन

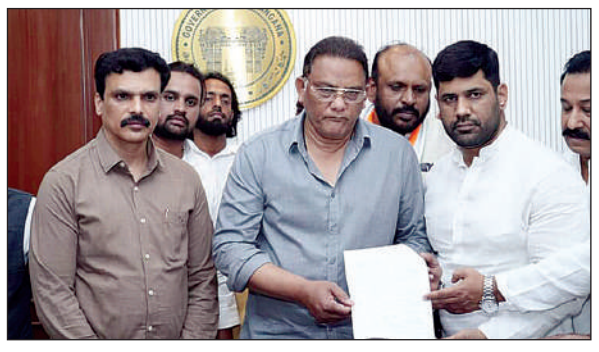

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदीना (सऊदी अरब) में हुए दुखद बस हादसे को लगभग तीन महीने बीत जाने के बाद भी, जिसमें हैदराबाद के 45 उमराह तीर्थयात्रियों की जान चली गई थी, तेलंगाना सरकार द्वारा अब तक मुआवजे की राशि जारी नहीं की गई है। पीड़ित परिवार मुआवजे की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

इस संबंध में तेलंगाना के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर प्रभावित परिजनों को शीघ्र राशि वितरण का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा अनुग्रह राशि स्वीकृत की जा चुकी है, किंतु मुख्यमंत्री की व्यस्त आधिकारिक दिनचर्याजिसमें नगर निगम चुनाव और अन्य प्रशासनिक जिम्मेदारियां शामिल हैंके कारण वितरण में विलंब हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के दिल्ली से लौटते ही प्रभावित परिवारों को चेक सौंप दिए जाएंगे।

राज्य व केंद्र से 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि स्वीकृत

राज्य सरकार की ओर से प्रत्येक पीड़ित परिवार को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि तथा केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त 2 लाख रुपये की सहायता स्वीकृत की गई है। मंत्री ने बताया कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग धनराशि के सुचारू एवं समय पर वितरण के लिए केंद्र सरकार के साथ सक्रिय समन्वय कर रहा है।

भारत बंद: तेलंगाना भर में वामपंथी और कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्र सरकार के श्रम कानूनों के खिलाफ ट्रेड यूनियनों द्वारा बुलाई गई राष्ट्रव्यापी हड़ताल के तहत, कांग्रेस, सीपीआई और सीपीआई (एम) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गुरुवार, 12 फरवरी को हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया।सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव पल्ला वेंकट रेड्डी और सीपीआई (एम) के तेलंगाना सचिव जॉन वेस्ली और अन्य नेताओं ने यहां नारायणगुडा

में एक विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।वेंकट रेड्डी ने आरोप लगाया कि केंद्र में एनडीए सरकार द्वारा 29 श्रम कानूनों को चार श्रम संहिताओं से प्रतिस्थापित करना एक श्रमिक विरोधी निर्णय है। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को कथित तौर पर कमजोर करने और एमजीएनआरईजीए को बदलने के लिए केंद्र सरकार पर हमला भी किया ।तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़, जो यहां धरना चौक पर हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए, ने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार ने श्रमिकों के अधिकारों को कमजोर किया है और अडानी-अंबानी जैसे पूंजीपतियों को बढ़ावा दिया है।एनडीए सरकार को मजदूर विरोधी और धर्मनिरपेक्ष विरोधी बताते हुए उन्होंने कहा कि मजदूरों और धर्मनिरपेक्ष सोच वाले लोगों को एकजुट होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को सत्ता से बेदखल कर देना चाहिए।हैदराबाद से लगभग 200 किलोमीटर दूर गोदावरीखानी स्थित सरकारी खनन कंपनी सिंगारेनी कोलियरीज के कर्मचारियों ने भी बंद में भाग लिया।सिंगारेनी के बड़ी संख्या में कर्मचारी अपने कर्तव्यों से अनुपस्थित रहे और क्षेत्र में आयोजित विरोध कार्यक्रमों में भाग लिया।

श्री राम दरबार मंदिर में तीन दिवसीय हनुमान कथा का शुभारंभ

भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ आध्यात्मिक आयोजन

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री राम दरबार मंदिर, तगारीनाका में तीन दिवसीय श्री हनुमान कथा का शुभारंभ आज भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। श्रद्धालुओं की उपस्थिति में निकाली गई कलश यात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया।

इस पावन अवसर पर चित्रकूट धाम के कथा व्यास पंडित प्रकाश शास्त्री जी द्वारा श्री हनुमान कथा का रसपूर्ण वाचन किया जा रहा है। उनके प्रवचनों से श्रद्धालु भाव-विभोर हो रहे हैं तथा हनुमान जी की महिमा का विस्तृत वर्णन किया गया।

कार्यक्रम में विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, रामपाल पाण्डेय, पुष्पेंद्र शुक्ला, सुरेंद्र गौतम, आदित्य नारायण मिश्रा, उमेश पाण्डेय, सुशील पाण्डेय, सोनू मिश्रा, सौरभ पाण्डेय, मानेंद्र द्विवेदी, नितिन, भूपेंद्र गौतम, देवेन्द्र द्विवेदी सहित अनेक भक्तगण उपस्थित रहे।

आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया तथा आगामी दो दिनों तक कथा श्रवण हेतु बड़ी संख्या में भक्तों के पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

किस्मत वालों को मिलता है सेवा करने का अवसर : आशा गुप्ता

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में सेवा का भाव और समर्पण देखने को मिला।

इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर अपने विचार व्यक्त करते हुए आशा गुप्ता ने कहा कि सेवा करने का अवसर हर किसी को नहीं मिलता, यह सौभाग्य केवल किस्मत वालों को प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने आप को धन्य मानते हैं कि ईश्वर ने हमें जरूरतमंदों की सेवा का अवसर प्रदान किया है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, हरीश तोलाराम हिंदुजा, संजय गुप्ता, जयप्रकाश सारड़ा, विकास अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, मीना गुप्ता, कुसुम सराफ, वरुण सराफ, विशाल सराफ, निखिल सराफ, दिनेश गोयल, स्वाति अग्रवाल, जिया अग्रवाल, मनीष अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

आज की सेवा जिया अग्रवाल के जन्म दिवस पर गोयल परिवार की ओर से तथा स्वर्गीय श्री विष्णु प्रसाद जी सराफ पुण्यतिथि पर सराफ परिवार मैसर्स सराफ एंड कंपनी की ओर से की गई।

सभी सदस्यों ने सेवा को ही सच्ची साधना बताते हुए कहा कि अन्नदान से बढ़कर कोई दान नहीं है। भूखे को भोजन कराना ही मानवता की सच्ची पूजा है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर चलाया जा रहा यह अन्नदान अभियान समाज में सेवा, संस्कार और सहयोग की भावना को मजबूत कर रहा है।

अंत में सभी ने संकल्प लिया कि यह सेवा अभियान निरंतर जारी रहेगा और अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य से जोड़ा जाएगा।

साइबराबाद पुलिस के 24वें गठन दिवस पर जागरूकता एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित

गुरुमूर्ति नगर स्कूल में मिठाई व पुस्तक वितरण, विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
साइबराबाद पुलिस के 24वें गठन दिवस के अवसर पर सभी पुलिस विभाग को हार्दिक बधाई दी गई। इस उपलक्ष्य में गुरुमूर्ति नगर गवर्नमेंट स्कूल में मिठाई एवं पुस्तक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों में उत्साह का वातावरण रहा और पुलिस अधिकारियों ने बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त गुड्स रोड पर स्थित स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों को कानून व्यवस्था, ट्रैफिक नियमों एवं साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण परामर्श दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों से अनुशासन, सुरक्षा और जिम्मेदारी का पालन करने का आह्वान किया। इस अवसर पर बालानगर पुलिस एसीपी नरेश रेड्डी, सर्कल इंस्पेक्टर नरसिम्हा राजू, सब इंस्पेक्टर विनोद कुमार, हाजी, सरिता, ट्रैफिक पुलिस एसीपी गिरि प्रसाद, सर्कल इंस्पेक्टर श्रीनिवास राव, सब इंस्पेक्टर भानु प्रसाद, हरिनाथ, श्रीनिवास तथा ट्रैफिक एवं लॉ एंड ऑर्डर पुलिस के जवानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

साथ ही इस अवसर पर हिंदू सेवा संघ के अध्यक्ष प्रमोद कुमार मोदी को भी सेवा कार्य करने एवं सेवा भाव प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में सभी ने साइबराबाद पुलिस की निरंतर उत्कृष्ट सेवा की सराहना की।

परीक्षा से घबराएं नहीं, प्राणायाम व मुद्रा ज्ञान अपनाएं : राजेश तोषनीवाल

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। परीक्षाओं को सामने देखकर घबराने की आवश्यकता नहीं है। हमारे ऋषि-मुनियों ने एकाग्रता, आत्मविश्वास और मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए अनेक प्राणायाम एवं मुद्रा ज्ञान बताए हैं। इसी विषय पर आज सामाजिक कार्यकर्ता राजेश तोषनीवाल ने इंडियन पब्लिक स्कूल, सीताराम बाग में विद्यार्थियों को विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान राजेश तोषनीवाल ने सभी स्कूल के बच्चों को प्राणायाम एवं विभिन्न मुद्राओं का व्यावहारिक अभ्यास करवाया। उन्होंने बताया कि नियमित रूप से इन एक्सरसाइज़ को करने से मानसिक तनाव कम होता है, स्मरण शक्ति बढ़ती है और परीक्षा के समय आत्मविश्वास बना रहता है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रतिदिन इन अभ्यासों को करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर सहयोगी प्रिंसिपल रीना सिंह एवं जयश्री रगा ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया और विद्यार्थियों को प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के मार्गदर्शन से विद्यार्थियों को परीक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के उत्साह और नियमित अभ्यास के संकल्प के साथ हुआ।

ढोला की ढाणी में धार्मिक यात्रा की तैयारी की बैठक आयोजित की गई। जिसमें वैष्णव सत्संग मंडल सुल्तान बाजार के सदस्य ओमप्रकाश शारदा गुप्ता , राधेश्याम दुर्गा राठी, बद्री प्रसाद सुरेखा सारडा, गोपीकिशन इंदिरा बंग, गुलाबचंद जयश्री देवड़ा, देवकिशन श्यामलता नावंधर, इन्दिरा भराड़िया ने भाग लिया।

अग्रमंच मासिक के 137वें अंक का भव्य लोकार्पण

आईएएस मयंक मित्तल की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ कार्यक्रम

हैदराबाद, 12 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रमंच मासिक के 137वें अंक का लोकार्पण हैदराबाद महानगर जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड के अतिरिक्त महानिदेशक आईएएस मयंक मित्तल द्वारा किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में अग्रमंच प्रकाशन समूह के प्रमुख डॉ. दिलीप पंसारी तथा कार्यकारी संपादक डॉ. सुमन सराफ भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

उन्होंने पत्रिका के 137वें अंक की विशेषताओं एवं समाजोपयोगी सामग्री पर प्रकाश डाला।

जीएनआईटीसी में तेलंगाना के पहले बीएसएनएल रिसर्च एवं इन्क्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
गुरु नानक इंस्टीट्यूशंस टेक्निकल कैंपस (जीएनआईटीसी) ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए तेलंगाना राज्य के पहले बीएसएनएल रिसर्च, इनोवेशन एवं इन्क्यूबेशन सेंटर की शुरुआत की है। भारत सरकार की दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल द्वारा समर्थित यह केंद्र अखूएअड, थअग ढएउक डड्झ, उूलशॲथरश्रछशीं और डींॲर्रीं-रींश डेश्रींळेपी के सहयोग से स्थापित किया गया है।

उद्घाटन के तुरंत बाद इंडस्ट्री ऑटोमेशन की दिशा में नेक्स्ट जेनरेशन नेटवर्क्स एवं क्रिप्टोग्राफी तकनीकों की खोज विषय पर एक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गुरु नानक इंस्टीट्यूशंस और गुरु नानक विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों एवं छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संस्थान के निदेशक डॉ. एस. श्रीनाथ रेड्डी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और इस महत्वपूर्ण सहयोग के लिए बीएसएनएल का आभार जताया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. एम. सत्य प्रसाद ने वर्तमान युग में 5जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और साइबर सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

विशिष्ट अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल टी. एम. प्रवीण कुमार (सेवानिवृत्त), वरिष्ठ उपाध्यक्ष, टी-वर्क्स, ने स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने में ऐसे नवाचार केंद्रों की भूमिका को रेखांकित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सरदार गगनदीप सिंह कोहली (उपाध्यक्ष, जीएनआई एवं कुलाधिपति, जीएनयू) ने शिक्षा और उद्योग के संगम को सराहा। वहीं, कुलपति डॉ. एच. एस. सैनी ने उद्योग-शिक्षा सहयोग और सुरक्षित डिजिटल इकोसिस्टम की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

राष्ट्रीय स्तर पर चमका आईडीए डेक्कन : आठ प्रतिष्ठित आईडीए परफॉरमेंस अवाड्र्स पर कब्जा

हैदराबाद, 12 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
देश भर के दंत चिकित्सकों का प्रतिनिधित्व करने वाली सर्वोच्च संस्था, इंडियन डेंटल एसोसिएशन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन, निरंतर प्रतिबद्धता और मौखिक स्वास्थ्य सेवाओं में प्रभावशाली पहल के लिए अपनी शाखाओं और पदाधिकारियों को प्रतिष्ठित आईडीए परफॉरमेंस अवाड्र्स से सम्मानित किया है।मंगलुरु में आयोजित 76वीं आईडीए वार्षिक आम बैठक में हैदराबाद की आईडीए डेक्कन शाखा एक स्टार परफॉर्मर के रूप में उभरी। इस शाखा ने कुल आठ राष्ट्रीय पुरस्कार जीतकर सामुदायिक सेवा, नवाचार और नेतृत्व में अपनी धाक जमाई है।आईडीए डेक्कन ने विभिन्न श्रेणियों में अपनी उत्कृष्टता साबित करते हुए निम्नलिखित आठ पुरस्कार प्राप्त किए हैं: स्कूल डेंटल हेल्थ अवार्ड,स्टूडेंट एक्टिविटी अवार्ड, सर्वश्रेष्ठ सीडीएच गतिविधि, सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक गतिविधि पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ स्थानीय शाखा सचिव – डॉ. ए. श्रीकांत, सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण गतिविधि – स्थानीय शाखा, सर्वश्रेष्ठ स्थानीय शाखा अध्यक्ष – डॉ. एस. निरंजन रेड्डी, 30 वर्ष से कम आयु के सर्वश्रेष्ठ सदस्य – डॉ. सी.एच. श्रेया पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए, इंडियन डेंटल एसोसिएशन की अध्यक्ष डॉ. सुभ्रा नंदी ने कहा, समुदाय और दंत चिकित्सा बिरादरी के प्रति असाधारण सेवा के लिए इन उत्कृष्ट योगदानकर्ताओं को सम्मानित करना गर्व की बात है। उनका जुनून और नेतृत्व नए मानक स्थापित करता है जो दूसरों को बेहतर सेवा के लिए प्रेरित करेगा।यह मान्यता पेशेवर उत्कृष्टता और सामुदायिक पहुंच के प्रति आईडीए डेक्कन की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, जिससे यह देश की सबसे गतिशील शाखाओं में से एक बन गई है।

23वाँ वसंतोत्सव कवि सम्मेलन

निराला जयंती समारोह, व्याख्यान एवं सम्मान कार्यक्रम कल

हैदराबाद, 12 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हिंदी लेखक संघ, हैदराबाद की 613वीं वार्षिक पारंपरिक गोष्ठी तथा नगरद्वय के कवियों की सक्रिय एवं लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी के संयुक्त तत्वावधान में 23वें वसंतोत्सव के अवसर पर भव्य कवि सम्मेलन, निराला जयंती समारोह, निराला जयंती व्याख्यान एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह गरिमामय समारोह आबिड्स स्थित अमृत कॉन्फ्रेंस हॉल, राघव रत्ना टॉवर्स, हैदराबाद में शनिवार,14 फ़रवरी को सायं 4 : 00 बजे से संपन्न होगा।

आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए समारोह के प्रधान संयोजक एवं सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री अमृत कुमार जैन तथा गीत चाँदनी के कार्यदर्शी एवं कवि श्री गोविंद अक्षय ने बताया कि इस अवसर पर महाकवि निराला के जीवन-दर्शन, साहित्य-साधना एवं उनके काव्य-वैभव पर सुप्रसिद्ध कवि ठाकुर दिनेश सिंह तथा प्रख्यात कवयित्री डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव अपने विचार व्यक्त करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गीत चाँदनी के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कवि-गीतकार श्री चंपालाल बैद करेंगे। इस अवसर पर 60 वसंत दर्शन कर चुके विशिष्ट कवियों कवि श्री गोविंद मिश्रा, कवयित्री श्रीमती आशा ठाकुर, कवि श्री सत्यनारायण काकड़ा, कवि श्री अशोक दोशी और कवि ठाकुर दिनेश सिंह को गीत चाँदनी निराला सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। समारोह में नगर के प्रतिष्ठित कवि, अध्यक्ष श्री चंपालाल बैद की अध्यक्षता में काव्य-पाठ कर महाकवि निराला को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। कार्यक्रम में साहित्यिक गरिमा, वसंतोत्सव की उल्लासमयी छटा और निराला के प्रति श्रद्धा का अद्वितीय संगम देखने को मिलेगा। गीत चाँदनी संस्था के पदाधिकारीगण कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी विशेष भूमिका निभा रहे हैं। संस्था की ओर से सभी कवियों, साहित्य-प्रेमियों एवं रसिक श्रोताओं से विनम्र अनुरोध है कि वे समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएँ एवं इसे सफल एवं गौरवान्वित बनाएँ। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं कवि-कवयित्रियों का सम्मान किया जाएगा तथा जलपान की भी व्यवस्था रहेगी। आपकी गरिमामयी उपस्थिति ही हमारे लिए प्रेरणा एवं उत्साह का स्रोत होगी।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, MOHAMMED JAVID (old Name), S/o ALLAUDDIN, R/o. H.No.4-1-394, Bilal Pura, Town & Mandal: KORUTLA, Pincode: 505326, Dist. JAGTIAL, Telangana State, India, have changed my name to MOHAMMED JAVID Here after my name is known as MD JAVEED

CHANGE OF NAME
I, SHAKEEL AHMED (old Name), S/o MOHAMMED ZIYAUDDIN, R/o. H.No.5-3-251/1, MOMINPURA, Town & Mandal:KORUTLA, Pincode: 505326, Dist. JAGTIAL, Telangana State, India, have changed my name to MOHAMMED SHAKEEL AHMED Here after my name is known as MOHAMMED SHAKEEL AHMED

CHANGE OF NAME
I, RACHAMALLU RAJAM (old Name), S/o RACHAMALLU PEDDA GANGARAM, R/o. H.No.3-46 MAIN ROAD, YEKEENPUR Town & Mandal: KORUTLA, Pincode: 505462, Dist. JAGTIAL, Telangana State, India, have changed my name to RAJAM RASAMALLA Here after my name is known as RAJAM RASAMALLA S/o PEDDA GANGARAM RASAMALLA

बुजुर्ग, महिलाओं व दिव्यांगजन को बाबा के दर्शन में होगी सुविधा

श्री खाटू श्यामजी मंदिर में लिफ्ट स्थापना हेतु भूमि पूजन सम्पन्न

बीकानेर, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। संभाग मुख्यालय पर जयपुर रोड स्थित कलयुग में सर्वाधिक श्रद्धा-भक्ति के लिए विख्यात बाबा श्री खाटू श्यामजी के मंदिर परिसर में लिफ्ट स्थापना हेतु विधि-विधान से भूमि पूजन संपन्न हुआ। मंदिर प्रबंधन द्वारा आगामी तीन माह में लिफ्ट सेवा प्रारंभ करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

शहर के प्रमुख आस्था केंद्र श्री खाटू श्याम मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भक्ति और उत्साह का विशेष वातावरण रहा। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वरिष्ठ पंडित दिनेश शास्त्री ने विधिवत पूजन कर लिफ्ट निर्माण कार्य का शुभारंभ कराया। इस पावन अवसर पर मंदिर ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान मंदिर के संस्थापक स्वर्गीय जगन्नाथजी जिंदल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके द्वारा स्थापित सेवा परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया गया। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि मंदिर परिसर के विकास और सुविधाओं के विस्तार हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि श्रद्धालुओं को अधिक सुव्यवस्थित एवं सुविधाजनक वातावरण मिल सके।

ट्रस्ट पदाधिकारियों के अनुसार श्री खाटू श्यामजी मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। विशेषकर बुजुर्ग, महिलाएं एवं दिव्यांगजन को सीढ़ियों से आने-जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर में लिफ्ट लगाने का निर्णय लिया गया है, जिससे सभी श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के बाबा श्याम के दर्शन कर सकेंगे।

लिफ्ट स्थापना की जिम्मेदारी सुभाष मित्तल एवं बृजमोहन जिंदल को सौंपी गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी तीन माह के भीतर लिफ्ट का कार्य पूर्ण कर इसे भक्तों को समर्पित कर दिया जाएगा। मंदिर सहयोग में विशेष रूप से मोहनलाल राठी, गोविंद राम, श्रीमती संतोष सोनी एवं अशोक पारीक द्वारा महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है।

भूमि पूजन कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने इस पहल का स्वागत करते हुए ट्रस्ट को शुभकामनाएं दीं तथा बाबा श्याम से प्रार्थना की कि यह कार्य निर्विघ्न एवं शीघ्र पूर्ण हो।

श्री खाटू श्यामजी मंदिर में लिफ्ट स्थापना का यह कदम भक्तों की सुविधा और मंदिर विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल माना जा रहा है।

दूसरों के चेहरे पर मुस्कान ही सच्ची सेवा का प्रतिफल है : सुनीता अग्रवाल

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शहर के विभिन्न स्थानों पर निरंतर संचालित अन्नदान सेवा के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए सुनीता अग्रवाल ने कहा कि दूसरों के चेहरे पर मुस्कान देखना ही सच्ची सेवा का सबसे बड़ा प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि जब जरूरतमंदों को प्रसाद स्वरूप भोजन प्राप्त होता है और उनके चेहरे पर संतोष झलकता है, तब मन को अद्भुत शांति और आत्मिक संतुष्टि मिलती है।

सुनीता अग्रवाल ने कहा कि सेवा केवल एक सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि यह मानवता के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। अन्नदान जैसे कार्य समाज में करुणा, सहयोग और अपनत्व की भावना को मजबूत करते हैं। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से चलाया जा रहा यह अभियान समाज के सभी वर्गों के लिए प्रेरणास्रोत बन रहा है।

इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, महेश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भगतराम गोयल, ई-जगन (चंपापेट), प्रीतिका अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, गौरव गोयल, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दायमा, मनीष अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल, जयप्रकाश सरडा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सहयोग दिया।

एआईओटीआरटी की बड़ी पहल: श्री श्री रविशंकर होंगे मानद सलाहकार, प्राचीन मंदिरों के पुनरुद्धार पर हुई चर्चा

बेंगलुरु, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। एआईओटीआरटी की एक विशेष टीम ने गुरुवार को बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक पूज्य श्रीश्री रविशंकर जी से मुलाकात की। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान टीम ने उन्हें संस्था द्वारा प्राचीन मंदिरों की पुनर्स्थापना और उनके पुनरुद्धार के लिए चलाई जा रही परियोजनाओं और वर्तमान कार्यों के बारे में विस्तार से

जानकारी दी।मुलाकात के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने श्रीश्री रविशंकर जी को उन प्रस्तावित परियोजनाओं से अवगत कराया जो प्राचीन मंदिरों की गौरवशाली विरासत को सहेजने और उन्हें पुनर्जीवित करने के लिए तैयार की गई हैं। टीम ने बताया कि प्राचीन वास्तुकला और धार्मिक स्थलों का संरक्षण न केवल सांस्कृतिक बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से भी अत्यंत आवश्यक है। गुरुदेव ने संस्था के इन प्रयासों की सराहना की और अपने बहुमूल्य सुझाव भी साझा किए।

बैठक के एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर, एआईओटीआरटी टीम ने श्रीश्री रविशंकर जी से संस्था के मानद सलाहकार के रूप में जुड़ने का विनम्र अनुरोध किया। गुरुदेव ने इस पर अपनी सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। उनके मार्गदर्शन से संस्था के कार्यों को नई गति और वैश्विक पहचान मिलने की उम्मीद है। इस प्रतिनिधिमंडल में संस्था के अध्यक्ष के साथ कर्नाटक और तेलंगाना के प्रमुख सदस्य भी शामिल रहे।

चार्टर्ड अकाउंटेंटों के हितों की रक्षा के लिए कानून बनाये जाने की मांग उठी राज्यसभा में

नयी दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। चार्टर्ड अकाउंटेंटों (सीए) के हितों की रक्षा के लिए विशेष कानून बनाये जाने की मांग गुरुवार को राज्यसभा में उठायी गयी।

कांग्रेस के विवेक तन्खा ने शून्यकाल के दौरान यह मामला उठाते हुए कहा कि सीए सरकार की विशेष रूप से वित्तीय योजनाओं के क्रियान्यवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं लेकिन हाल के दिनों में सीए के कामकाज को विभिन्न एजेन्सियों द्वारा प्रभावित किये जाने के मामले सामने आये हैं । इससे सीए और उनके उपभोक्ताओं की निजता का हनन हो रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार को अपने देश में काम करने वाले भारतीय सीए और सीए कंपनियों को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। इसके लिए उन्होंने सीए के हितों की रक्षा के लिए विशेष कानून बनाये जाने की मांग की। कांग्रेस की ही रंजीत रंजन ने दिल्ली सरकार के स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती में महिलाओं को आयु सीमा में मिलने वाली छूट को बहाल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की ओर से गत दिसम्बर में महिलाओं को शिक्षक भर्ती में आयु सीमा में मिलने वाली छूट को बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह छूट महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए दी गयी थी । केन्द्रीय विद्यालयों और हरियाणा में अभी भी महिलाओं को शिक्षक भर्ती में आयु सीमा में छूट दी जा रही है। उन्होंने कहा कि देश भर में शिक्षक भर्ती में महिलाओं की आयु सीमा एक समान की जानी चाहिए।

सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कार्यस्थलों पर जातीय भेदभाव का मुद्दा उठाते हुए कहा कि ओड़िशा में एक आंगनवाड़ी केन्द्र का इसलिए बहिष्कार किया जा रहा है क्योंकि इसमें एक दलित महिला काम करती है। एक विशेष समुदाय के लोगों ने इस केन्द्र का बहिष्कार करते हुए अपने बच्चों को वहां भेजना बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 14,15 और 17 का उल्लंघन है और सरकार को इसे गंभीरता से लेते हुए कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। बीजू जनता दल के देवाशीष सामंतराय ने ओड़िशा के रेवनशॉ विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिये जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि राज्य में अभी केवल एक ही केन्द्रीय विश्वविद्यालय है । उन्होंने कहा कि राज्य में बडी संख्या में आदिवासी आबादी है और इस विश्वविद्यालय से इस समुदाय के लोगों को विशेष फायदा होगा ।

भाजपा की दर्शना सिंह ने उत्तर प्रदेश में चीतों के संरक्षण की संभावनाओं पर विचार करने की मांग की। सीपीआई (एम) के जॉन ब्रिटास ने देश में आज किसान और श्रमिक आंदोलन का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यह हडताल नयी श्रम संहिता से लेकर मनरेगा की बहाली को लेकर की जा रही है। उन्होंने कहा कि केवल भारतीय मजदूर संघ को छोड़कर सभी ट्रेड यूनियन इसमें हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने कहा कि इन आंदोलनों में अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते में भारत की संप्रभुता पर हमले को लेकर भी विरोध किया जा रहा है।

राजस्थानी जागृति समिति द्वारा स्पोर्ट्स टी-शर्ट का निःशुल्क वितरण

उस्मानगंज स्थित सरकारी बालिका प्राथमिक पाठशाला में 300 विद्यार्थियों को मिला लाभ

हैदराबाद, 12 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। उस्मानगंज स्थित सरकारी बालिका प्राथमिक पाठशाला में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं में खेल भावना एवं शारीरिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजस्थानी जागृति समिति द्वारा स्पोर्ट्स टी-शर्ट का निःशुल्क वितरण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने बताया कि वर्तमान समय में शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियों का महत्व भी अत्यंत आवश्यक है। खेलकूद से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास एवं टीम भावना का विकास होता है। इसी उद्देश्य से विद्यालय के सभी खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स टी-शर्ट प्रदान की गई, ताकि वे नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित हों।

समिति के मानद मंत्री महेश अग्रवाल ने बताया कि समिति ने इस वर्ष लगभग 4500 जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को

स्पोर्ट्स टी-शर्ट का वितरण किया है, एवं आज इस पाठशाला में 300 स्पोर्ट्स टी-शर्ट का वितरण किया गया।

विद्यालय की प्रधानाचार्य रजनी राजशेखरी ने राजस्थानी जागृति समिति के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल से विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ता है तथा उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी समिति शिक्षा एवं खेल क्षेत्र में सहयोग प्रदान करती रहेगी। विद्यालय प्रबंधन की ओर से समिति का आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम के दौरान समिति के उपाध्यक्ष अशोक हीरावत एवं प्रेम चंद मुनोत ने विद्यार्थियों को खेलों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रोत्साहित किया तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में समिति के कोषाध्यक्ष संजय राठी, संगठन मंत्री रमेश मोदानी, शिक्षकगण, अभिभावक एवं समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

तेलंगाना सरकार पत्रकारों को जारी करेगी 44,706 मान्यता कार्ड : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । तेलंगाना सरकार राज्य भर के पत्रकारों को 44,706 मान्यता कार्ड जारी करेगी। सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि सभी पात्र आवेदकों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए इस प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाया गया है।

मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत

रेड्डी के नेतृत्व वाली प्रजा सरकार पत्रकारों के कल्याण और यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है कि हर पात्र पत्रकार को उचित पहचान मिले।सचिवालय में मान्यता प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए, मंत्री पोंगुलेटी ने सूचना एवं जनसंपर्क आयुक्त सी.एच. प्रियंका और मुख्यमंत्री के सीपीआर अधिकारी जी. मलसुर के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मान्यता कार्ड जारी करने का कार्य पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से किया जाए।प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं:- सरकार ने शुरू में जी.ओ. नंबर 252 जारी किया था। पत्रकार संघों के सुझावों पर विचार करने के बाद, जी.ओ. नंबर 103 के माध्यम से नियमों में संशोधन किए गए। इन संशोधनों के बाद अब प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक के साथ-साथ डिजिटल मीडिया के पत्रकारों को भी राज्य भर में मान्यता कार्ड मिल सकेंगे।पत्रकारों को मान्यता देने के दायरे को सरकार ने लगभग दोगुना कर दिया है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds

CHANGE OF NAME & DOB
I, ANJALA Spouse of Service No. 2548432 Hony Nb Sub M MICHAEL, Residing at 316/774, Srinagar Colony, Trimulgherry, Secunderabad, Telangana have changed my name and DOB from ANJALA, DOB:18-6-1952 to ANGELINA MICHAEL, DOB:09-05-1951 vide affidavit dt 12-2-2026 before Mohd Hameed Khan, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, RAJ BALA is legally wedded spouse of Army No.JC 736409Y Nb/sub Jagdish Prasad, R/o. Vill: Panchu, Kharkada, Post: Dunga ki Nangal, Teh: Neem ka thana, Dist:Sikar, Rajasthan 332718 have changed my name from RAJ BALA to RAJBALA DEVI vide affidavit dt:12/02/2026 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, No.15827251F Sep Satendra Singh of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my Son name is changed from GRAVIT SINGH to KHUSHANK SINGH

CHANGE OF NAME
I, PATIL SHITAL HARISHACHANDRA is legally wedded spouse of Army No.15814130F Hav Patil Harishchandra Anandarao R/o. Vill:Belewadi Kalamma,Teh:Kagal, Dist:Kolhapur, Maharashtra 416218 have changed my name from PATIL SHITAL HARISHACHANDRA to PATIL SHITAL HARISHCHANDRA vide affidavit dt:12/02/2026 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, No.JC 734569A Sub R GNANADESIGAN of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my Son name is changed from G KISHORKARAN to KISHORE KARAN GK and also my Daughter name is changed from G KAMALI to KAMALI G

CHANGE OF NAME
I, G KALAIYARASI is legally wedded spouse of Army No.JC 734569A Sub R GNANADESIGAN R/o. Vill&Post:Kanakkankuppram, Teh:Gingee, Dist:Viluppuram, TamilNadu 604151 have changed my name from G KALAIYARASI to G. KALAIARASI vide affidavit dt:12/02/2026 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, No. JC 735019K Sub Jagjit Singh of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my Daughter name is changed from MUSHKANDEEP KAUR to MUSKAN DEEP KAUR

फुटपाथ पर छोटे कारोबारियों को परेशान न करे पुलिस : गोविन्द राठी

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री गोविन्द राठी ने सुल्तान बाज़ार क्षेत्र में फुटपाथ पर छोटे-छोटे कारोबार करने वालों को पुलिस द्वारा रोके जाने पर न केवल सवाल खडा किया, बल्कि उच्च अधिकारियों से मिलकर मानवीयता के आधार पर निर्णय लेने की गुजारिश भी की। अवसर पर पूर्व पार्षद शंकर यादव, डॉ. भगवंत राव भी उपस्थित थे।

ट्रैफिक कमिश्नर जोएल डेविस व डीसीपी ट्रैफिक अविनाश कुमार से मुलाकात कर राठी ने अनुरोध किया कि सुल्तान बाजार में लंबे अर्से से छोटे कारोबारी फुटपाथ पर रोजगार कर अपने परिवार का पेट पाल रहे हैं। जीओ और जीने दो के मानवीय सिद्धांत का अनुसरण करते इन छोटे कारोबारियों को बख्शने की अपील करते हुए उन्होंने शहर के अन्य क्षेत्रों में इसी तरह के दुकानदारों को दी जा रही सहुलियत का मुद्दा उठाया। राठी ने इससे पूर्व एक वीडियो जारी कर पूछा कि पुराना पुल, अफजलगंज, सिद्धिअंबर बाजार, जामबाग, चारमीनार, गुलजार हाउस, मेहंदीपट्टनम आदि क्षेत्रों में जारी फुटपाथी कारोबारियों की रोजी-रोटी का जिस तरह ख्याल रखा जा रहा है, वैसा ही सुल्तान बाजार का भी ध्यान रखा जाए। उन्होंने महाशिवरात्रि तक इन्हें परेशान न करने की प्रार्थना की, जिस पर जोएल डेविस ने आश्वासन दिया कि हमारा उद्देश कारोबार से उन्हें वंचित करना नहीं, बल्कि यातायात समस्या का समाधान है। पुलिस अधिकारी ने इस संबंध में शीघ्र ही उचित निर्णय लेने की बात कही।

अब बिना क्यूआर कोड के नहीं मिलेगा फिटनेस सर्टिफिकेट

परिवहन वाहनों के लिए नई व्यवस्था लागू

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तेलंगाना सरकार के परिवहन विभाग ने एक बड़ा निर्णय लिया है। अब परिवहन वाहनों पर लगने वाली रिफ्लेक्टिव टेप (चमकदार पट्टी) और रियर मार्किंग प्लेट्स के लिए क्यूआर कोड-आधारित सत्यापन प्रणाली अनिवार्य कर दी गई है। यह नई व्यवस्था पूरे राज्य में 20 फरवरी से प्रभावी होगी।इस कदम का मुख्य उद्देश्य रात के समय वाहनों की दृश्यता को बढ़ाना और सड़क दुर्घटनाओं को कम करना है। यह सत्यापन केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 के नियम 104 से 104(ई) के तहत क्यूआर -आधारित प्रबंधन सूचना प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा।

20 फरवरी से अनिवार्य होगा क्यूआर सत्यापन

नए नियमों के अनुसार, जिन परिवहन वाहनों के लिए रिफ्लेक्टिव टेप अनिवार्य है, उन्हें अब क्यूआर-आधारित प्रमाणीकरण से गुजरना होगा। बिना इस सत्यापन के, वाहनों को फिटनेस सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाएगा।राहत की अवधि: नई टेप लगवाने वाले वाहनों को सर्कुलर जारी होने की तारीख से तीन महीने की सीमित छूट दी जाएगी। इसके बाद, क्यूआर सत्यापन पूरी तरह अनिवार्य हो जाएगा।

इन 5 कंपनियों को मिला अधिकार

सरकार ने गहन जांच के बाद केवल पांच मूल उपकरण निर्माताओं को 8 फरवरी, 2027 तक के लिए अधिकृत किया है:

1.ओराफोल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
2.3एम इंडिया लिमिटेड
3.ग्लोडियन रिफ्लेक्टिव प्राइवेट लिमिटेड
4.दाओमिंग रिफ्लेक्टिव मटेरियल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
5.एवरी डेनिसन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

इन कंपनियों के अलावा किसी भी अन्य कंपनी या व्यक्ति को राज्य में रिफ्लेक्टिव टेप लगाने की अनुमति नहीं होगी।

मुख्य दिशा-निर्देश और कीमतें

अधिकृत इंस्टॉलेशन: केवल अधिकृत डीलर ही टेप लगा सकेंगे। टेप पर तेलंगाना परिवहन विभाग का होलोग्राम, यूनिक सीरियल नंबर और क्यूआर कोड होना अनिवार्य है।

प्रमाण पत्र: टेप लगाने के बाद एक मएफिक्सेशन सर्टिफिकेटफ जारी किया जाएगा, जिसमें वाहन का विवरण, फोटो और न्यूनतम दो साल की वारंटी होगी।

निर्धारित दरें: सरकार ने अधिकतम खुदरा मूल्य तय कर दिया है:

सीटी 20एमएम: 79.80 से 85 (प्रति मीटर)
सीटी 50एमएम: 145 से 151.80 (प्रति मीटर)
सी3 रियर प्लेट: 2,500 से 2,650 (प्रति जोड़ी)
सी4 रियर प्लेट: 2,800 से 2,900 (प्रति जोड़ी)

निगरानी और प्रवर्तन

परिवहन विभाग के अधिकारी क्यूआर कोड को स्कैन करके टेप की सत्यता की जांच करेंगे। निर्धारित दरों से अधिक वसूली करने वाले डीलरों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें उनकी बैंक गारंटी जब्त करना और लाइसेंस रद्द करना शामिल है। विभाग ने यह भी सुनिश्चित किया है कि हर जिले में कम से कम एक अधिकृत डीलर उपलब्ध हो।

वाहन मालिकों से अपील

विभाग ने वाहन मालिकों से आग्रह किया है कि वे केवल अधिकृत डीलरों से ही टेप लगवाएं और भुगतान करने से पहले सरकार द्वारा अनुमोदित मूल्य सूची की जांच अवश्य करें।

तेलंगाना निकाय चुनाव मतगणना आज

सुबह 8 बजे से शुरू होगी वोटों की गिनती

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य चुनाव आयोग ने गुरुवार को घोषणा की है कि नगर निकाय चुनावों के लिए मतों की गिनती 13 फरवरी को सुबह 08:00 बजे से राज्य भर के निर्धारित केंद्रों पर शुरू होगी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के साथ आवश्यक काउंटिंग सुपरवाइजरों और सहायकों की नियुक्ति कर दी गई है।

केंद्रों पर लागू रहेगी धारा 163

मतगणना को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए चुनाव आयोग ने सख्त नियम लागू किए हैं:

प्रवेश पर पाबंदी: मतगणना केंद्रों और उनके आसपास भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगी।

वैध पास अनिवार्य: मतगणना हॉल में केवल कर्मचारियों, उम्मीदवारों, चुनाव एजेंटों और मतगणना एजेंटों को ही वैध पास के साथ प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर रोक: हॉल के भीतर मोबाइल फोन और किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

तकनीकी निगरानी: सभी मतगणना केंद्रों और स्ट्रांग रूम के बाहर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है।

कैसी होगी मतगणना की प्रक्रिया?

चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार वोटों की गिनती चरणों में की जाएगी:

पोस्टल बैलेट: सबसे पहले डाक मतपत्रों की गिनती शुरू होगी, जिसके बाद नियमित मतपत्रों की गिनती की जाएगी।

बंडलिंग और मिक्सिंग: मतपत्रों के बंडल बनाए जाएंगे और उन्हें वार्ड-वार मिलाकर प्रति टेबल 1,000 मतपत्रों के राउंड में गिना जाएगा।

छंटनी: उम्मीदवारों के अनुसार वोटों की जांच होगी, जिसमें प्रत्येक उम्मीदवार, नोटा और संदिग्ध मतों के लिए अलग-अलग ट्रे रखी जाएंगी।

परिणाम की घोषणा: प्रत्येक राउंड के परिणामों को रिकॉर्ड और सत्यापित किया जाएगा, जिस पर एजेंटों के हस्ताक्षर होंगे। पूरी गिनती और अंतिम सत्यापन के बाद ही आधिकारिक परिणाम घोषित किए जाएंगे।

डॉ. ज्योति बुद्ध प्रकाश ने सिंगारेनी के सीएमडी के रूप में कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. ज्योति बुद्ध प्रकाश, जिन्हें हाल ही में सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में नियुक्त किया गया है, ने गुरुवार सुबह हैदराबाद स्थित सिंगारेनी भवन में औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया।

डॉ. ज्योति बुद्ध प्रकाश के आगमन पर उनका स्वागत महाप्रबंधक (समन्वय एवं विपणन) टी. श्रीनिवास ने किया। इसके पश्चात उन्होंने अध्यक्ष कार्यालय में अपने आधिकारिक दायित्वों का कार्यभार संभाला।

इस अवसर पर कंपनी के निदेशकनिदेशक (संचालन) श्री एल.वी. सूर्यनारायण, निदेशक (परियोजना एवं योजना) के. वेंकटेश्वरलू, निदेशक (कार्मिक एवं वित्त) गौतम पोत्रु तथा कार्यकारी निदेशक (कोयला परिवहन) बी. वेंकन्ना ने पुष्पगुच्छ भेंट कर नए अध्यक्ष को बधाई दी।

निदेशकों ने उन्हें सिंगारेनी कोलियरीज के समग्र कामकाज, उत्पादन, परियोजनाओं एवं संचालन संबंधी विस्तृत जानकारी भी प्रदान की।

डॉ. ज्योति बुद्ध प्रकाश वर्ष 2002 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं। इस नियुक्ति से पूर्व उन्होंने अनुसूचित जाति विकास विभाग के सचिव के रूप में कार्य किया तथा राज्य योजना विभाग के सचिव के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं।

अपने प्रशासनिक करियर के आरंभिक वर्षों में उन्होंने उन क्षेत्रों में विभिन्न पदों पर सेवाएं दीं, जहां सिंगारेनी कोयला खदानें स्थित हैं। वे आदिलाबाद के जिला कलेक्टर तथा भद्राचलम में आईटीडीए परियोजना अधिकारी के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। अपने कुशल नेतृत्व एवं प्रशासनिक अनुभव के लिए वे विशेष रूप से जाने जाते हैं।सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड को उनके व्यापक अनुभव और नेतृत्व क्षमता का निश्चित रूप से लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम , 12000 पुलिसकर्मी तैनात : डीजीपी

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि राज्य भर में नगर निकाय चुनावों की मतगणना को सुचारू और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं।

बता दें कि बुधवार को हुए निकाय चुनावों में 73 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था और वोटों की गिनती शुक्रवार (कल) को की जाएगी।

डीजीपी ने जानकारी दी कि कुल 116 नगरपालिकाओं और सात नगर निगमों के लिए मतदान हुआ है, जिसके लिए राज्य स्तर पर कुल 123 मतगणना केंद्र स्थापित किए गए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि मतगणना प्रक्रिया के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए व्यापक उपाय किए गए हैं।

सुरक्षा योजना के तहत उठाए गए प्रमुख कदम

सुरक्षा बल: मतगणना केंद्रों पर चौबीसों घंटे निगरानी के लिए सशस्त्र बलों और त्वरित प्रतिक्रिया टीमों के साथ लगभग 12,000 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।तकनीकी निगरानी: प्रत्येक केंद्र को सीसीटीवी निगरानी के दायरे में लाया गया है। पूरी प्रक्रिया की वेबकास्टिंग की जा रही है और डीजीपी कार्यालय के कमांड कंट्रोल रूम से इसकी निरंतर निगरानी की जा रही है।प्रवेश नियंत्रण: मतगणना केंद्रों की ओर जाने वाले मार्गों पर सख्त नियम लागू हैं। केवल वैध पास रखने वाले व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

निषेधाज्ञा: कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए केंद्रों के आसपास के इलाकों में निषेधाज्ञा (धारा 144) लागू कर दी गई है।डीजीपी ने आगे बताया कि गहन तलाशी और जांच के बाद ही व्यक्तियों को अंदर जाने दिया जा रहा है, जबकि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।

रेवंत रेड्डी ने केंद्र से कृष्णा-विकाराबाद रेल लाइन की पूरी लागत वहन करने का किया अनुरोध

दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात, औद्योगिक विकास का रखा पक्ष

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को केंद्र सरकार से कृष्णा-विकाराबाद रेलवे लाइन परियोजना की पूरी लागत वहन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की लागत राज्य सरकार पहले ही वहन कर रही है, ऐसे में विकास कार्य की संपूर्ण लागत केंद्र द्वारा उठाई जानी चाहिए।

दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात के

दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें अवगत कराया कि प्रस्तावित मार्ग पर स्थित कर्नाटक के टेकुलाकोड क्षेत्र में चूना पत्थर के भंडार की पहचान की गई है। इस क्षेत्र को सीमेंट एवं कपड़ा औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित करने के प्रयास जारी हैं।

मुख्यमंत्री ने अपने पक्ष को मजबूत करते हुए कहा कि कृष्णा क्षेत्र कर्नाटक में स्थापित कई सीमेंट उद्योगों के निकट रणनीतिक रूप से स्थित है। कोडंगल, टेकुलाकोड और दौलताबाद को औद्योगिक क्षेत्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे यह रेल लाइन औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियों को गति देगी।

इस वर्ष के केंद्रीय बजट में प्रस्तावित तीन हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के संदर्भ में रेवंत रेड्डी ने सुझाव दिया कि तीनों कॉरिडोर शमशाबाद से प्रारंभ किए जाएं, जिससे यह एक त्रि-जंक्शन हाई-स्पीड रेल हब के रूप में विकसित हो सके। उन्होंने शमशाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट इन कॉरिडोरों के विकास हेतु 500 एकड़ भूमि आवंटित करने का प्रस्ताव भी रखा।केंद्रीय बजट 2026-27 में विभिन्न शहरों के बीच सात हाई-स्पीड रेलवे लाइनों के विकास का प्रस्ताव है, जिनमें से तीन हैदराबाद को चेन्नई, बेंगलुरु और पुणे से जोड़ती हैं।मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री से अमरावती होते हुए हैदराबाद-चेन्नई हाई-स्पीड कॉरिडोर के विस्तार को मंजूरी देने तथा वहां से मछलीपटनम बंदरगाह तक रेल लिंक स्वीकृत करने का अनुरोध किया। उनका कहना था कि इससे शुष्क बंदरगाहों से समुद्री बंदरगाह तक माल ढुलाई में तेजी आएगी।

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name :
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date ..... Drawn .....
Name of the Executive .....
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS Hyderabad Balanagar

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.